रांची का तापमान
कांके: अधिक. 30.1° न्यून. 16.2° | रांची: अधिक. 31.2° न्यून. 17.1°
रांची, बुधवार
26 मार्च 2025
वर्ष-26, अंक- 53, पृष्ठ-12
चैत्र कृष्ण पक्ष 12, संवत 2081 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com
ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते
₹3.00
हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

₹ 81600 (10 ग्राम)
₹ 100000 (01 किलो)

सेंसेक्स	डॉलर
78,017.19	85.564
+32.80	+0.004

माह-ए-रमजान

इफ्तार	सेहरी
6:04	4:28
26 मार्च	27 मार्च

बजट सत्र के 18वें दिन कारखाना (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2025 विधानसभा से पारित

कारखानों-फैक्ट्रियों में रात्रि पाली में भी काम कर सकेंगी महिलाएं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में महिलाएं अपनी इच्छा के अनुसार कारखानों, फैक्ट्रियों और संस्थानों में रात्रि पाली में भी काम कर सकेंगी। राज्य विधानसभा ने चालू बजट सत्र के 18वें दिन मंगलवार को इस प्रावधान से संबंधित बिल कारखाना (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2025 को स्वीकृति दे दी। बता दें कि विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को दो विधेयक पारित हुए। इनमें कारखाना (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2025 और झारखंड माल और सेवा कर संशोधन विधेयक, 2025 शामिल हैं। राज्य सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कारखाना (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2025 मंगलवार को ही सदन में पेश किया था। इसके पहले 18 फरवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इस विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दी गई थी।

बताया गया है कि यह विधेयक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान के तहत लाया गया है। विधेयक में प्रावधान किया गया है कि महिला श्रमिकों को शेष पेज 11 पर

- सुरक्षा, अवकाश और कार्य घंटों से संबंधित सभी आवश्यक शर्तें लागू रहेंगी
- नियोक्ता को सरकार की ओर से निर्धारित अन्य शर्तों का भी पालन करना होगा

झारखंड में भी पिछड़ा वर्ग मंत्रालय के गठन की मांग

रांची। कांग्रेस विधायक दल के नेता और विधायक प्रदीप यादव ने पिछड़ा वर्ग मंत्रालय के गठन की मांग की। उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्ग की संख्या 90 प्रतिशत से भी अधिक है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए झारखंड सरकार ने आरक्षण की सीमा को बढ़ाते हुए पिछड़ों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण और जाति जनगणना कराने का निर्णय लिया है, लेकिन यह निर्णय अब तक प्रभावी नहीं हो पाया है। उन्होंने संविधान के 93वें संशोधन, शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण और हाईकोर्ट के निर्णय का भी जिक्र किया है, जो राज्य में लागू नहीं हो पाया है। प्रदीप यादव ने अन्य राज्यों की तरह झारखंड में भी पिछड़ा वर्ग मंत्रालय के गठन की मांग की। शेष पेज 11 पर

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस प्राइवेट स्कूल का बेहतर विकल्प है : रामदास सोरेन

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को निजी स्कूल की मनमानी और री-एडमिशन के नाम पर पैसे वसूली का मामला सदन में दूसरे दिन भी उठा। मंगलवार को अल्पसूचित प्रश्न के माध्यम से हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद ने मामला उठाते हुए सरकार से पूछा कि निजी स्कूल की फीस कितना हो, इसके लिए क्यों नहीं कानून बनना चाहिए। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि कोई ऐसा स्कूल नहीं, जो री-एडमिशन के नाम पर पैसे की वसूली नहीं करता है। मंत्री रामदास सोरेन ने जवाब देते हुए कहा कि जिला स्तर से अनुशंसा प्राप्त होती है, तो कानून भी बनाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस प्राइवेट स्कूल से बेहतर विकल्प हैं। सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में प्राइवेट स्कूल से ज्यादा अच्छे भवन, शिक्षक, लैब, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, सीबीएसई शेष पेज 11 पर

- प्राइवेट स्कूल की मनमानी और री-एडमिशन का मामला विस में दूसरे दिन भी उठा

एक नजर

रामनवमी छह अप्रैल को मनाई जाएगी

रांची। चैत्र नवरात्र आगामी रविवार (30 मार्च) से शुरू हो रहा है। रामनवमी छह अप्रैल को मनाई जाएगी। पांच अप्रैल को 12:50 बजे रात्रि में नवमी तिथि प्रवेश करेगी और छह अप्रैल को 11:15 बजे रात्रि में समाप्त होगी। रामनवमी के दिन पुष्य नक्षत्र दिन में 09:42 बजे प्रवेश करेगा। वहीं दिन में 02:16 बजे तक कर्क लग्न रहेगा। इसी लग्न में भगवान राम की पूजा शुभफलदायक है। पुष्य नक्षत्र, लक्ष्मी नारायण और सुकर्मा योग में रामनवमी मनाई जाएगी। यह बहुत ही शुभ माना जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान श्रीराम का प्राकट्य हुआ था।

न्यूजीलैंड में 6.8 तीव्रता के भूकंप के लगे झटके

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के दक्षिण द्वीप के निचले हिस्से में मंगलवार को भूकंप के शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 मापी गई। न्यूजीलैंड की आपदा एजेंसी यह आकलन कर रही है कि इससे सुनामी का कोई खतरा है या नहीं। न्यूजीलैंड भूकंप के लिहाज से अत्यधिक सक्रिय 'रिंग ऑफ फायर' पर बसा है। रिंग ऑफ फायर लगभग 40,000 किलोमीटर का घेरा है। यह प्रशांत महासागर के अधिकांश हिस्से को घेरने वाले ज्वालामुखियों और समुद्री खाइयों से भरा है। द न्यूजीलैंड हेराल्ड अखबार के अनुसार, 6.8 तीव्रता का भूकंप जटिल भूकंपीय वातावरण में आया है।

मंईयां सम्मान योजना को लेकर हेमंत कैबिनेट का महत्वपूर्ण फैसला

31 मार्च तक आधार कार्ड का बैंक खाते से लिंक आवश्यक

- जिनका आधार खाते से लिंक नहीं, उन्हें भी मार्च तक मिलेगा लाभ
- राज्य कैबिनेट की बैठक में 16 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ ले रही महिलाओं को 31 मार्च 2025 तक आधार कार्ड का बैंक खाते से लिंक कराना जरूरी होगा। इस तय अवधि में यदि बैंक खाता आधार से लिंक नहीं कराया जाता है, तो संबंधित महिला लाभुक को योजना की राशि उनके बैंक खाते में नहीं जाएगी। यह निर्णय मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 16 प्रस्तावों पर मंजूरी प्रदान की गई।

बैठक के बारे में विस्तार से कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि जिन लाभुकों का आधार बैंक खाते से लिंक नहीं है, उन्हें इस योजना का लाभ दिसंबर 2024 तक ही नहीं, बल्कि मार्च 2025 तक मिलेगा। इसके बाद भी अगर लाभुकों ने आधार को बैंक से लिंक नहीं करवाया, तो आगे से वह इस योजना का लाभ नहीं ले पाएगा। विदित हो कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत राज्य की 18 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को 2500 रुपये की राशि राज्य सरकार प्रति माह दे रही है। झारखंड सचिवालय के सहायक और निजी सहायकों के छठे वेतनमान शेष पेज 11 पर

कैबिनेट का फैसला

कैबिनेट के अन्य फैसले

- रजनीश कुमार पांडेय बनाम भारत सरकार और अन्य में सुप्रीम कोर्ट की ओर से पारित आदेश पर दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में इंटरमीडिएट स्तरीय विशेष प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 2399 और स्नातक स्तरीय विशेष प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 1052 पद, यानि कुल 3451 पदों पर नियुक्ति का निर्णय लिया गया।
- झारखंड सचिवालय सेवा के सहायक प्रशाखा पदाधिकारी की कोटि से प्रशाखा पदाधिकारी के पद पर प्रोन्नति से संबंधित झारखंड सचिवालय सेवा नियमावली- 2010 में सीमित प्रतियोगिता परीक्षा से संबंधित प्रावधान को शिथिल करने की स्वीकृति दी गई। इसके तहत अब प्रशाखा पदाधिकारी के पद पर प्रोन्नति के लिए परीक्षा नहीं देनी होगी।
- झारखंड हाईकोर्ट की ओर से सेवा नियमितीकरण संबंधी पारित विभिन्न आदेश और विभागीय नियमितीकरण समिति की बैठक में की गई अनुशंसा के तहत छह कर्मियों की सेवा को नियमित करने का निर्णय लिया गया।
- झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से पुलिस संगठन के अतिरिक्त गृह, कारा और आपदा प्रबंधन विभाग के सभी कार्यालयों के निर्माण कार्य करने के लिए विभागीय संकल्प में संशोधन करने की स्वीकृति दी गई।
- निर्माण कार्य श्रेणी में 18 जुलाई 2022 से प्रभावी वस्तु और सेवा कर (गुड्स एंड सर्विस टैक्स, जीएसटी) की दर 12 प्रतिशत की जगह 18 प्रतिशत की वृद्धि पर जल संसाधन विभाग के टेंडर में भुगतान करने की मंजूरी दी गई।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 के तीसरे अनुपूरक व्यय विवरणी की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।
- झारखंड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (विशेष छूट) विधेयक, 2025 के गठन की मंजूरी दी गई।
- झारखंड इकनॉमिक सर्वे 2024-25 को विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत करने के संबंध की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट प्राक्कलन पर घटनोत्तर मंजूरी दी गई।
- ई-कोर्ट प्रोजेक्ट के तृतीय चरण के कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार ने प्राप्त सैद्धांतिक सहमति पर राज्य सरकार की ओर से प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी की ओर से त्रिपक्षीय एकरारनामा (एमओयू) की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।
- झारखंड प्रशासनिक सेवा की अधिकारी और शेष पेज 11 पर

सांसद ने लोस में उठाया बभंडी के राधाकृष्ण मंदिर का मामला

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची/नई दिल्ली। पलामू के चैनपुर के बभंडी स्थित राधा कृष्ण मंदिर को प्रमुख तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने एवं राधाकृष्ण महोत्सव कराने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने संबंधी मामले को सांसद विष्णु दयाल राम ने मंगलवार को लोकसभा में उठाया। सांसद वीडी राम ने सदन में कहा कि राधा कृष्ण मंदिर सरोवर के मध्य स्थित इस मंदिर की स्थापना वर्ष 1930 में हुई थी। यह मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए गहरी धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का केंद्र है। उन्होंने कहा कि पलामू के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ रघुवंश नारायण सिंह और स्थानीय जिला प्रशासन के प्रयासों से राधा कृष्ण मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य हुआ है। शेष पेज 11 पर

- वीडी राम ने की राधाकृष्ण महोत्सव को वित्तीय सहायता तथा आधिकारिक मान्यता की मांग

रमना में मनरेगा बीपीओ 12 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रमना (गढ़वा)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की पलामू प्रमंडलीय टीम ने मंगलवार को गढ़वा के रमना प्रखंड के मनरेगा बीपीओ (प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी) प्रभु कुमार को 12 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने के बाद एसीबी की टीम बीपीओ को लेकर मेदनीनगर चली गई। आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर बीपीओ प्रभु कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, वे डोभा निर्माण कार्य में योजना चालू करने एवं शेष पेज 11 पर

- डोभा निर्माण कार्य में ले रहे थे पैसा

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना याचिका पर झारखंड सरकार को जारी किया नोटिस

- पुलिस सुधार का मामला, मई में होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली (हि.स.)

सुप्रीम कोर्ट पुलिस सुधार को लेकर वर्ष 2006 के आदेश को लागू करने के लिए दायर याचिका पर मई में सुनवाई करेगा। मंगलवार को वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और दुष्यंत दवे ने चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच से कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उसके बाद कोर्ट ने झारखंड सरकार के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर झारखंड सरकार को नोटिस जारी किया। प्रशांत भूषण ने कहा कि राज्य सरकारों में पुलिस प्रमुखों की नियुक्ति में जबरदस्त भ्रष्टाचार है। एक राज्य के बाद दूसरा राज्य सुप्रीम कोर्ट के फैसले और दिशा निर्देशों की अवहेलना कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं होगा, तो सब कुछ खत्म हो जाएगा। शेष पेज 11 पर

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ 25 लाख के इनामी सहित 3 नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले में मंगलवार को हुई मुठभेड़ में 25 लाख के इनामी सुधीर उर्फ सुधाकर सहित तीन नक्सली ढेर हो गए। सुधीर के साथ मारे गए दो अन्य नक्सलियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने तीन नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि जिला दंतेवाड़ा और बीजापुर क्षेत्रांतर्गत थाना गीदम के ग्राम गिरसापारा शेष पेज 11 पर

नामकुम में सड़क हादसा, 1 की मौत

- कार ने खड़े ट्रक में मारी टक्कर, रायसा मोड़ के पास हुई दुर्घटना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में रायसा मोड़ के पास मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पर खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, चार लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक की हालत गंभीर बताई जाती है। जानकारी के अनुसार, नामकुम थाना क्षेत्र के टाटा-रांची रोड स्थित रायसा मोड़ पर एक तेज रफ्तार कार ने मंगलवार की सुबह वहां खड़े ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। इस हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। नामकुम थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि सुबह में करीब पांच बजे यह हादसा हुआ है। इसमें ड्राइवर की मौत कार की स्टेयरिंग में फंसने की वजह से हो गई। आगे की सीट पर उसके बगल में बैठा युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया है। अन्य को हल्की चोटें आई हैं।

जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले में आठ गिरफ्तार

रांची। जेएसएससी-सीजीएल 2024 के पेपर लीक मामले में झारखंड सीआईडी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। डीजीपी अनुराग गुप्ता के आदेश कर सीआईडी ने यह कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपितों में पांच आईआरबी के जवान है। इनमें कुंदन कुमार, रोबिन कुमार, अखिलेश कुमार, गौरव कुमार, अभिलाष कुमार शामिल है। इसके अलावा, एक असम रायफल का जवान राम शेष पेज 11 पर

इंडिया

तमिल और हिंदी की लड़ाई पब्लिक की नहीं, नेताओं के वर्चस्व की

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

डीएमके और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के बीच बहस की कहानी तमिलनाडु में हिंदी लागू करने के विरोध के इतिहास से जुड़ा है। 1930 के दशक के अंत में तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी में कांग्रेस सरकार ने चरणबद्ध तरीके से स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य की पर तत्कालीन मद्रास के प्रधानमंत्री (जैसा कि तब नाम था) सी राजगोपालाचारी ने बाद में अपना रुख पूरी तरह बदल दिया। 1950 के दशक तक उन्होंने कहना शुरू कर दिया कि यदि मातृभाषा के अलावा कोई दूसरी भाषा पढ़ाई जानी है तो वह हिंदी नहीं अंग्रेजी होनी चाहिए। इसका विरोध करने वाले राम मनोहर लोहिया के लिए उनका कहना था कि अंग्रेजी बोलचाल और व्यवहार में पूरी तरह भारतीय भाषा बन चुकी है। 1965 में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने अंग्रेजी के बजाय हिंदी को केंद्र और राज्यों के बीच संवाद की भाषा बनाने की पहल की। इसका मद्रास में कड़ा विरोध हुआ, जिसका फायदा डीएमके ने उठाया। शास्त्री जी द्वारा फैसला वापस लिए जाने के बावजूद कांग्रेस को खामियाजा भुगतना पड़ा और वह राज्य में सत्ता से वंचित हो गई। 1967 के बाद से तमिलनाडु में केवल एक या दूसरी द्रविड़ पार्टी ही सत्ता में रही है। एमके स्टालिन और उनके सलाहकारों ने सोचा कि जब 1967 में मात्र हिंदी का विरोध करने पर सत्ता चली गई थी तो आज भी इसका विरोध खतरे से खाली नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जोर-शोर से 'काशी तमिल संगम' का प्रचार, नए संसद भवन में 'सेंगोल' की स्थापना और तमिलनाडु के हिंदुत्व उद्धारक के रूप में एक पूर्व आईपीएस अधिकारी को खड़ा करने से स्पष्ट है कि भाजपा तमिलनाडु में अपनी पैठ बनाने के लिए दांव चल चुकी है। तमिल भाषा में कालजयी साहित्य की रचना हुई है। वहीं, सामाजिक तौर पर जाति और लिंग भेद के विरुद्ध आंदोलन भी हुए हैं, जिनका प्रभाव हिंदी भाषी राज्यों की तुलना में वहां अधिक दिखाई दिया। हिंदी पट्टी के राज्यों की तुलना में तमिलनाडु

औद्योगिक रूप से कहीं अधिक विकसित है और वहां प्रति व्यक्ति आय भी हिंदी भाषी राज्यों की तुलना में अधिक है। तमिलों को भी आत्मसम्मान उतना ही प्यारा है, जितना कि बंगाली, मराठी, ओडिया और गुजरातियों को। इस भावनात्मक मुद्दे में ही राजनीति की धुरी है। 1976 के पहले तक शिक्षा राज्य का विषय थी आपातकाल के समय इसे समवर्ती सूची में डाल दिया गया। इसे तानाशाही माना गया। केंद्र ने सालों से अलग-अलग आयोगों द्वारा अनुशंसित 'त्रिभाषा फॉर्मूला' का हवाला दे यह प्रस्ताव रखा कि मातृभाषा और अंग्रेजी के साथ तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी पढ़ाई जा सकती है। प्रधानमंत्री इस विषय पर चुप रहे हैं, लेकिन गृहमंत्री इस बात पर जोर देते रहे हैं कि हिंदी और सिर्फ हिंदी ही दूसरे राज्यों के लोगों से संवाद की भाषा होनी चाहिए। आधी सदी, लगभग 1965 से 2014 तक केंद्र सरकार ने गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने का प्रयास नहीं किया। इसके बाद भी लोगों के एक राज्य से दूसरे राज्यों में जाने और फिल्म तथा टेलीविजन के माध्यम से हिंदी का प्रसार हुआ। इसने हिंदी सिनेमा और टेलीविजन सीरियल को सरल हिंदी दी। पिछले महीने मोहन भागवत ने हिंदुओं से अंग्रेजी को छोड़ने की बात की, जिस तरह से एक बार लोहिया ने किया था। संघ प्रमुख ने भी अंग्रेजी को अभिजात वर्ग की भाषा बताया। उन्होंने उम्मीद जताई की भारत में जल्द ही यह भाषा खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा होना संभव नहीं। अगर पीछे देखें तो 1990 के दशक से अंग्रेजी का प्रसार अधिक तेजी से हुआ है। सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में तेजी इसलिए आई, क्योंकि हमारे प्रमुख इंजीनियरिंग कॉलेज अंग्रेजी में पढ़ाते थे। कई साल पहले से विचारक चंद्रभान प्रसाद तर्क देते रहे हैं कि दलितों को आधुनिक व्यवसायों में प्रवेश पाने के लिए अंग्रेजी सीखनी चाहिए। उन्होंने डॉ बीआर आंबेडकर का उदाहरण देते हुए कहा, "अंग्रेजी शेरनी का दूध है, इसे पीने वाले ही दहाड़ेंगे।" जब प्रसिद्ध कन्नड़ लेखक अपनी भाषा पर गर्व करते हुए कह रहे थे कि स्कूलों में अंग्रेजी नहीं पढ़ाई जानी चाहिए, तब दलित बुद्धिजीवियों ने जवाब दिया था- पहले आपने हमें संस्कृत से दूर रखा, अब अंग्रेजी के लिए कर रहे हैं। ये सब आपके (उच्च जाति के) विशेषाधिकार को बनाए रखने के लिए है। विदेशों तक में हिंदी में बोलने वाले नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने से पहले हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाएं पूरे भारत में व्यापक रूप से जानी जाने लगीं, भले ही इनमें से एक या दोनों भाषाओं को समझने वाले बहुत से भारतीय उन्हें आसानी से पढ़ या बोल नहीं पाते थे। गैर-हिंदी भाषियों द्वारा हिंदी और भारतीयों द्वारा अंग्रेजी को अपनाया जाना स्वैच्छिक और स्वतःस्फूर्त था। इसका देश पर राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से भी प्रभाव पड़ा। वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहे मोदी विरोधी हिंदी विरोध के नाम पर मोदी विरोध को भी बढ़ावा देना चाहते हैं।

बैंकिंग के कई नियमों में एक अप्रैल से होंगे बदलाव

- मिनिमम बैलेंस और एटीएम से पैसे निकालने पर भी पड़ेगा असर

नई दिल्ली (हि.स.)

वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में एक अप्रैल से ही बैंकों के कामकाज से जुड़े नियमों में कई बदलाव होने वाले हैं। नए वित्त वर्ष में होने वाले बदलावों का असर बैंक अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस, एटीएम से पैसे निकालने, सेविंग अकाउंट और एफडी अकाउंट की ब्याज दर और चेक पेमेंट सेफ्टी के साथ ही क्रेडिट कार्ड सर्विस पर भी पड़ेगा। नए नियमों के मुताबिक अब बैंक के उपभोक्ता दूसरे बैंक के एटीएम से अधिकतम तीन बार ही मुफ्त पैसा निकाल सकेंगे। तीन ट्रांजेक्शन के बाद हर अतिरिक्त ट्रांजेक्शन पर उपभोक्ताओं को फिक्स चार्ज देना पड़ेगा। अभी तक ज्यादातर बैंक दूसरे बैंक के एटीएम से पांच बार मुफ्त पैसा निकालने की सुविधा देते हैं।

इसी तरह, कई बैंकों ने मिनिमम बैलेंस के नियमों में भी बदलाव किया है। पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक समेत कई बड़े बैंकों ने मिनिमम बैलेंस की नई शर्तें लागू की हैं। अब बैंक के उपभोक्ताओं को शहरी, अर्ध शहरी और ग्रामीण इलाकों के आधार पर अपने बैंक खाते में अलग-अलग न्यूनतम बैलेंस मेंटेन करना पड़ेगा। मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर बैंक उपभोक्ताओं पर जुर्माना लगाया जाएगा। हालांकि, जुर्माने की राशि बैंक खाते की कैटेगरी के हिसाब से अलग-अलग होगी। कई बैंकों ने 1 अप्रैल से ही सेविंग अकाउंट और फिक्स डिपॉजिट अकाउंट के ब्याज दरों में बदलाव करने का भी ऐलान किया है। इसके मुताबिक अकाउंट में जमा राशि के आधार पर ब्याज दरों का निर्धारण किया जाएगा।

शेष पेज 11 पर

एक नजर

रेमडेसिविर दवा की कालाबाजारी मामले में सुनवाई 17 अप्रैल को

रांची। रेमडेसिविर दवा की कालाबाजारी मामले में मुख्य आरोपी राजीव कुमार सिंह एवं मनीष कुमार सिन्हा के खिलाफ आरोप गठन पर सुनवाई अब 17 अप्रैल को होगी। मामले में मंगलवार को सुनवाई की तारीख पूर्व से निर्धारित थी। लेकिन निर्धारित तारीख को आरोप के बिंदु पर सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 17 अप्रैल निर्धारित की है। अदालत ने दोनों की डिस्चार्ज याचिका बीते 6 अप्रैल को खारिज कर चुकी है। मामले की सुनवाई साइबर क्राइम एंड ड्रग कॉस्मेटिक मामले के विशेष न्यायाधीश मनीष रंजन की अदालत में हो रही है। कालाबाजारी को लेकर कोतवाली थाना में कांड संख्या 107/2021 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। राजीव कुमार सिंह जेल जाने के बाद वर्तमान में जमानत पर चल रहा है।

नाबालिग से यौन संबंध मामले में युवक दोषी करार, फैसला 29 को

रांची। नाबालिग से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में ट्रायल फेस कर रहा अभियुक्त विवेक कुमार उर्फ सोनू कुमार को सिविल कोर्ट रांची के पोक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने दोषी करार दिया है। साथ ही सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 29 मार्च की तिथि निर्धारित की गई है। अभियुक्त सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के सरोवर नगर, देवी मंडप रोड निवासी है। अभियुक्त ने घटना का अंजाम अक्तूबर 2019 के पहले सप्ताह में दिया था। अभियुक्त उन दिनों उड़ीसा में भूषण स्टील अंगुल के ऑपरेटर के रूप में कार्यरत था। मामले को लेकर पीड़िता ने सुखदेव नगर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने अभियुक्त को 9 अक्तूबर 2019 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से पीड़िता समेत 7 गवाहों को प्रस्तुत किया गया था।

राज्य में सात आउट सोर्सिंग कंपनियों पर केस दर्ज, प्रदीप यादव बोले

जिन कंपनियों पर है केस दर्ज वे भी कर रही काम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में मंगलवार को जैप. आईटी के जरिए राज्य भर में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति और एजेंसी के चयन को लेकर सवाल उठा। अल्पसूचित प्रश्न के जरिए कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने यह मुद्दा उठाया। प्रदीप यादव ने कहा कि जैप.आईटी में एजेंसी के माध्यम से राज्य भर में कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति होती है। इसके लिए बाहरी एजेंसी से काम होता है। ऑपरेटरों को मिलने वाले रकम में भी कटौती होती है।

प्रदीप यादव ने कहा कि एजेंसी का चयन निविदा के आधार पर होता है लेकिन निविदा में ऐसी शर्तें जोड़ दी जाती हैं जिससे राज्य की कंपनियां भाग ही नहीं ले पाती हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या एजेंसी जो ऑपरेटरों की सैलरी से पैसों का हिस्सा ले रही है इसकी जानकारी सरकार को है और शिकायत पर कितनी कंपनियों पर कारवाई हुई है। साथ ही प्रदीप यादव ने कहा कि 2021 से एक ही एजेंसी का चयन होना संदेह उत्पन्न करता है।

विधायक प्रदीप यादव के सवाल का जवाब देते हुए प्रभारी मंत्री रामदास सोरेन ने सदन को बताया कि निविदा के आधार पर मैन मैन पावर सप्लाई का काम एजेंसी करती है। शिकायत मिलने पर कंपनी के विरुद्ध कारवाई भी की जाती है। ल्यूमिनस कंपनी के विरुद्ध शिकायत मिली थी उसके खिलाफ कारवाई भी हुई है। मंत्री ने सदन को आश्वस्त करते हुए कहा कि विभागीय स्तर पर जांच कर एक महीने के अंदर कार्रवाई करेंगे। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि जिला स्तर पर भी टेंडर हो और स्थानीय एजेंसी का चयन हो, इस पर सरकार विचार कर रही है। फिर प्रदीप यादव ने कहा कि राज्य में सात आउट सोर्सिंग कंपनियों पर केस दर्ज है वह कैसे फिर काम कर रही है।

रातों-रात कानून लागू नहीं हो सकता : सुदिव्य सोनू

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मंगलवार को सदन में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम)के विधायक जयराम महतो ने निजी कंपनियों में 75 फीसदी आरक्षण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि निजी कंपनियों में दो लाख गैर झारखंडी हैं जबकि 53 हजार ही झारखंड के कार्यरत हैं। जयराम ने पूछा कि आउटसोर्सिंग कंपनी क्या निजी कंपनी के दायरे में आती है। इसपर भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने भी पूछा कि आउटसोर्सिंग कंपनी को निजी कंपनी मानते हैं या नहीं। ऐसी क्या पॉलिसी बनाएंगे कि झारखंड के नौजवानों को निजी क्षेत्र में 75 फीसदी आरक्षण मिल सके। मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि कानून रातों रात लागू नहीं हो सकता। हाई कोर्ट के आदेश से पहले कंपनियां आरक्षण का पालन कर रही थीं। आउटसोर्सिंग निजी कंपनी ही है। वहीं श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि आउटसोर्सिंग कंपनी निजी कंपनी ही मानी जाती है। पदाधिकारी अगर गलत रिर्पोट दिए हों तो कार्रवाई की जाएगी।

बकाया वेतन का भुगतान कर दिया गया : रामदास सोरेन

भाजपा विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने पलामू जिले के उत्क्रमित उच्च विद्यालयों में कार्यरत 408 शिक्षकों को वर्ष 2023 के वेतन का भुगतान का मामला उठाया। उन्होंने पूछा कि कब तक इनका भुगतान किया जाएगा और एरियर का क्या होगा। इस पर मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि जिला शिक्षा पदाधिकारी पलामू के पत्रांक 438ए 22 मार्च 2025 से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार माह मार्च के प्रथम सप्ताह में आवंटन प्राप्त होते ही सभी शिक्षकों का वर्ष 2023 का बकाया वेतन का भुगतान कर दिया गया है। एरियर की जांच करवा ली जाएगी।

झारखंडी माता मंदिर को पर्यटन स्थल का दर्जा मिले : कुशवाहा शशिभूषण

विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने पलामू जिले के मंझीगांवा में स्थित झलखंडी माता मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की। इस सवाल पर मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि जिला पर्यटन संवर्धन परिषद और तदोपरांत राज्य पर्यटन संवर्धन समिति की अनुशंसा के आलोक में पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की ओर से किसी भी स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में अधिसूचित किया जाता है, जिसके पश्चात उक्त स्थल के विकास के लिए राशि उपलब्ध कराई जाती है। उक्त स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव निर्देशित किया गया है।

एसएसबी डीजी पहुंचे रांची

पुलिस मुख्यालय में नक्सल अभियान पर चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। एसएसबी के डीजी अमित मोहन प्रसाद ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी अनुराग गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों पदाधिकारियों ने झारखंड में नक्सल विरोधी अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु नक्सल विरोधी रणनीतियों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। साथ ही हाल के दिनों में नक्सल विरोधी अभियानों में प्राप्त सफलताओं की समीक्षा करते हुए भविष्य में इन अभियानों को और तेज करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने एक-दूसरे को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। शिष्टाचार मुलाकात के दौरान एडीजी अभियान डॉ संजय आनन्दराव लाठकर, आईजी अभियान अमोल विनुकांत होमकर, आईजी स्पेशल ब्रांच प्रभात कुमार, आईजी जगुआर इंद्रजीत माहथा, डीआईजी एसएसबी मानवेंद्र सिंह सहित झारखंड पुलिस एवं एसएसबी के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मणिपुर परिसीमन पर जनता को दिगभ्रमित ना करे झामुमो : प्रतुल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने प्रेस वार्ता कर झामुमो पर पलटवार किया है। वहीं कहा कि झामुमो परिसीमन और मणिपुर के मुद्दे पर जनता को दिगभ्रमित ना करे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक राष्ट्रवादी संगठन है जिसने राष्ट्र और सनातन के हित में सदैव कार्य किया है। झामुमो खीज और हताशा के कारण संघ के बयानों को गलत तरीके से पेश कर रही है। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि संघ ने कभी परिसीमन का विरोध नहीं किया है। संघ का स्पष्ट मानना है कि परिसीमन को इस तरीके से लागू करना चाहिए कि वह देश की एकता और अखंडता को मजबूत करें। संघ ने स्पष्ट किया है कि परिसीमन के कारण क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक पहचान को नजरअंदाज नहीं किया जाए। प्रतुल ने कहा कि मणिपुर पर भी संघ के बयान को झारखंड मुक्ति मोर्चा ने गलत तरीके से पेश किया। संघ का मानना है कि पिछले 20 महीना से मणिपुर एक कठिन दौर से गुजर रहा है। लेकिन हाल में केंद्र के द्वारा दिए गए प्रशासनिक एवं राजनीतिक फैसलों से आशा की उम्मीद जगी है। भाजपा की तरह संघ का भी मानना है कि मणिपुर में चल रहे विवाद का समाधान सभी समुदायों में विश्वास पैदा करके होगा। प्रतुल ने कहा कि अब मणिपुर में हालात तेजी से बदल रहे हैं। सरकार चरणबद्ध तरीके से लंबे समय से बंद सड़क मार्गों को भी खोल रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा जनता को दिगभ्रमित करने के लिए ऐसे बयानों का सहारा ले रही है।

संघ के संदर्भ में झूठे बयानों का सहारा ना ले झामुमो

एनडीपीएस के आरोपी रामसेवक को जमानत याचिका खारिज

रांची। सिविल कार्ट रांची के एनडीपीएस मामले के विशेष न्यायाधीश सह न्यायायुक्त की अदालत ने पोस्ता भूसा बरामदगी मामले में जेल में बंद रामसेवक कुम्हार की जमानत याचिका सुनवाई पश्चात खारिज कर दी है। वह उक्त आरोप में 4 फरवरी 2025 से जेल में है। पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के कब्जे से करीब 4349 किलोग्राम पोस्ता भूसा बरामद किया था। गुप्त सूचना के आधार पर एनडीपीएस की टीम ने 23 नवंबर 2024 को टाटा-रांची रोड पर शर्मा जी लाइन होटल, रामपुर, एनएच-33 के पास ट्रक की तलाशी के दौरान पोस्ता भूसा बरामद किया था। टीम पर फायरिंग भी की गई थी। घटना को लेकर एनडीपीएस केस दर्ज किया गया। आरोपी घटना के तीन महीने बाद पकड़ में आया था।

झारखंड की सरकारी टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता का घोर अभाव : बाबूलाल

चहेतों को लाभ पहुंचने के लिए नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की सरकारी टेंडर प्रक्रिया पर सवाल खड़ा किया। श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड में सरकारी टेंडर आवंटन प्रक्रिया की पारदर्शिता लगातार संदेह के घेरे में रही है। महालेखाकार की जांच में यह सामने आया है कि पेयजल स्वच्छता, ग्रामीण कार्य विकास, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन जैसे दर्जनों विभागों में एक ही आईपी एड्रेस से टेंडर भरे गए, जिससे स्पष्ट है कि ठेके पहले से ही तय होते हैं। कहा कि पूरी प्रक्रिया सिर्फ औपचारिकता होती है। अपने करीबी लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कहा कि जब टेंडर आवंटन में इतनी अनियमितता होगी, तो सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं की गुणवत्ता पर भी इसका सीधा असर पड़ेगा। नतीजा यह है कि जलमीनार ध्वस्त हो रहे हैं, सड़कें महीनों में ही जर्जर हो जाती हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों में इंजीनियर, अधिकारी से लेकर मंत्री तक जेल की सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं।

उन्होंने कहा कि यह स्थिति न केवल प्रदेश के विकास में बाधक बन रही है, बल्कि झारखंड की छवि भी खराब कर रही है। अगर भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो आम जनता का सरकारी तंत्र पर से विश्वास पूरी तरह उठ जाएगा। कहा कि अब वक्त आ गया है कि जवाबदेही तय की जाए और पारदर्शिता सुनिश्चित कर जनता के पैसों की लूट को रोका जाए।

सीजीएल परीक्षा की गड़बड़ियों की जांच सीबीआई को सौंपे राज्य सरकार : मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। श्री मरांडी ने सीजीएल एवं जेएसएससी परीक्षा में बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई को अविलंब सौंपने की मांग की। श्री मरांडी ने कहा कि विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि झारखंड सीआईडी ने जेएसएससी सीजीएल मामले में गोड्डा और गिरिडीह जिले से करीब आठ कांस्टेबलों को गिरफ्तार किया है। यदि यह सच है, तो यह स्पष्ट हो चुका है कि जेएसएससी सीजीएल में गड़बड़ी हुई है। साथ ही, यह भी स्पष्ट है कि इस बड़े फजीर्वाड़े में सरकार से जुड़े प्रभावशाली लोगों का हाथ हो सकता है। कहा कि ऐसा लग रहा है कि बड़ी मछलियों को बचाने के लिए छोटी मछलियों को बलि चढ़ाया जा रहा है। कहा कि सरकार को तुरंत सीजीएल परीक्षा रद्द कर एक उच्च स्तरीय जांच सीबीआई से करवानी चाहिए और इस घोटाले में शामिल सफेदपोशों को हिरासत में लेना चाहिए।

रात में ट्रैफिक पुलिस चलाएगी अभियान स्पेशल टीम गठित

रांची। रांची ट्रैफिक पुलिस दुर्घटना रोकने के लिए अब रात में भी चेकिंग अभियान चलाएगा। इसके लिए एक स्पेशल टीम का गठन किया गया। टीम रिंग रोड से लेकर शहर के विभिन्न इलाकों में सड़क पार्क किए गए वाहन चालकों पर जुमार्ना करेगी। साथ ही उन वाहनों को जब्त करेगी। ट्रैफिक पुलिस की ओर से इसका प्लान तैयार किया गया है। साथ ही डंक एंड ड्राइव की चेकिंग प्रतिदिन की जाएगी। यह अभियान रात 11 से लेकर सुबह 4 बजे तक चलेगा। इस दौरान ड्रंक एंड ड्राइव, लापरवाह पार्किंग और तेज रफ्तार में चलाने वाले चालकों पर कार्रवाई की जाएगी। इस व्यवस्था को लेकर रांची ट्रैफिक पुलिस ने रांची को चार जोन में बांटा है। वैसे थाना क्षेत्र जहां सड़क हादसे ज्यादा सामने हो रहे हैं, वहां विशेष रूप से जांच की जाएगी। रांची के 30 ब्लैक स्पॉट को चिन्हित किया गया है, जहां ट्रैफिक पुलिस के जवान मुस्तैद रहेंगे। इन ट्रैफिक जवानों को रात 11 से सुबह 5 बजे तक शहर के 30 प्वाइंट पर जाकर चेकिंग करनी है।

शहर के ड्राई जोन इलाकों में टैंकरों से होगी निशुल्क जलापूर्ति

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह ने कहा है कि गर्मी को लेकर ड्राई जोन में रोस्टर से टैंकरों के जरिए आमजन को निःशुल्क पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इस क्रम में शहरवासियों को जरूरत भर पानी मिलता रहेगा। इसको लेकर निगम की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है। निगम प्रशासक ने मंगलवार को जलापूर्ति शाखा के मताहत अधिकारियों और कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि पूर्व की तरह वैसे सभी मुहल्लों को चिन्हित किया जाएगा, जो ड्राई जोन में हैं। ऐसे चिन्हित इलाकों में मोबाइल टैंकर से जरूरत के मुताबिक पानी

उपलब्ध कराने का हरसंभव प्रयास निगम की ओर से किया जाएगा। प्रशासक ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वार्ड क्षेत्र में लगे चापानल, मिनी एचवाईडीटी एवं एचवाईडीटी से संबंधित किसी भी तरह की शिकायतों का निपटारा 24 घंटे के अंदर करें।

निगम प्रशासक ने शहरवासियों से अपने घर एवं प्रतिष्ठान परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को प्रभावी बनाए रखने का आह्वान किया है, ताकि वर्षा का पानी भूमि के अंदर संरक्षित हो सके और आमजन को वर्ष भर जरूरत भर पानी सहूलियत से मिलता रहे। उन्होंने आमजन से निजी जीवन में भी पानी के महत्व को समझने व दैनिक जरूरत के हिसाब से ही उपयोग करने का आग्रह किया है। बैठक में उप प्रशासक गौतम कुमार, अधीक्षण अभियंता प्रसून कुमार मुरमू, कार्यपालक अभियंता रामबदन सिंह, सहायक अभियंता एवं नगर प्रबंधक शामिल थे।

पंकज कंबोज बने पुलिस हाउसिंग के निदेशक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सरकार ने दो आईपीएस का तबादला किया है। साथ ही पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत डीजी एमएस भाटिया समेत पांच आईपीएस को पोस्टिंग भी दिया है। इसके अलावा अनिल पालटा को रेल डीजी बनाया गया और पंकज कंबोज को झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का निदेशक बनाया है। इससे संबंधित अधिसूचना मंगलवार की देर शाम जारी कर दी गई है।

जाने कौन कहां गए

- होमगार्ड डीजी के पद पर पद स्थापित अनिल पालटा को रेल डीजी बनाया गया।
- पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत एम एस भाटिया को होमगार्ड डीजी बनाया गया।
- आईजी प्रोविजन के पद पर पदस्थापित पंकज कंबोज को झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का निदेशक बनाया गया।
- पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत शुभम खंडेलवाल को सिमरिया एसडीपीओ बनाया गया।
- पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत गौरव गोस्वामी को एसडीपीओ पतरातू बनाया गया।
- पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत वेदांत शेखर को सीडीपीओ किस्को बनाया गया।
- पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत शिवम प्रकाश को सीडीपीओ चक्रधरपुर बनाया गया।

केंद्रीय महाधिवेशन के लिए झामुमो ने गठित की कमेटियां

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झामुमो के 13वें केंद्रीय महाधिवेशन के लिए राजनैतिक प्रस्ताव सह आगामी कार्यक्रम एवं रूपरेखा कमेटी, संविधान संशोधन कमेटी और आयोजन सह स्वागत कमेटी गठित की गई है। 14 व 15 अप्रैल को खेलगांव के हरिवंश टानाभगत इंडोर स्टेडियम में महाधिवेशन का आयोजन होना है। पार्टी महासचिव ने कमेटियों की घोषणा करते हुए निर्देश दिया है कि संबंधित कमेटियों के सदस्य आपसी सहमति बनाकर राजनैतिक प्रस्ताव तथा संविधान संशोधन प्रस्ताव 2 अप्रैल तक पार्टी कार्यालय में जमा करा दें। सभी कमेटियों का संयोजन कार्यकारी अध्यक्ष व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन होंगे।

किस कमेटी में कौन-कौन

राजनैतिक प्रस्ताव सह आगामी कार्यक्रम एवं रूप-रेखा कमेटी

▸▸ प्रो स्टीफन मरांडी, मथुरा महतो, विनोद कुमार पांडेय, सुप्रियो भट्टाचार्य, दीपक बिरूआ, मिथलेश कुमार ठाकुर, बसंत सोरेन, हफिजुल हसन, महुआ माजी, हेमलाल मुर्मू।

संविधान संशोधन कमेटी

▸▸ नलिन सोरेन, विनोद कुमार पांडेय, फागु बेसरा, सुदिव्य कुमार, योगेंद्र प्रसाद, अभिषेक प्रसाद, विजय हांसदा।

आयोजन सह स्वागत कमेटी

▸▸ विनोद कुमार पांडेय, सुप्रियो भट्टाचार्य, चमरा लिंडा, नंदकिशोर मेहता, अभिषेक प्रसाद, प्रो अशोक कुमार सिंह, मनोज कुमार पांडेय, महुआ माजी, विकास सिंह मुंडा, अमित कुमार, मुस्ताक आलम।

अधिवक्ता गृह निर्माण समिति की याचिका पर हुई सुनवाई

हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा 3 सप्ताह में जवाब

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश शंकर की अदालत में मंगलवार को धीरज कुमार की ओर से दाखिल झारखंड हाईकोर्ट अधिवक्ता गृह निर्माण स्वावलंबी सहकारी समिति की याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह के भीतर जबाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इस बिंदु पर जवाब मांगा है कि वकीलों के लिए किन-किन जगहों पर भूमि चिन्हित की जा रही है। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता ऋतु कुमार, दीपक कुमार प्रसाद, मुकेश सिन्हा और कौशल किशोर मिश्रा ने बहस की। मालूम हो कि झारखंड हाईकोर्ट अधिवक्ता गृह निर्माण स्वावलंबी सहकारी समिति ने कोर्ट से याचिका दायर कर मांग की है कि हाईकोर्ट के वकीलों को आवासीय परिसर उपलब्ध कराया जाए। यह याचिका झारखंड उच्च न्यायालय अधिवक्ता गृह निर्माण स्वावलंबी सहकारी समिति के मुख्य कार्यपालक अधिवक्ता धीरज कुमार की ओर से दाखिल की गई है। यह मांग की गई है कि राज्य के अधिवक्ताओं को रियायती दर पर आवास उपलब्ध कराया जाए।

गिरिडीह सांसद ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री से मिलकर की मांग, कहा

राज्य में गठित हो पूर्णकालिक न्यायाधिकरण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी से झारखंड की कोयला परियोजना को लेकर पूर्णकालिक न्यायाधिकरण का गठन करने की वकालत की है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को इस बात से अवगत कराया कि जिस प्रकार ओडिशा राज्य के तालचर कोल परियोजना को लेकर पूर्णकालिक न्यायाधिकरण गठन करने का निर्णय लिया गया है और इससे संबंधी आदेश भी जारी कर दिया गया है। इसी प्रकार झारखंड में भी कोयला परियोजना को लेकर पूर्णकालिक न्यायाधिकरण बनाने जरूरत है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को इस बात से भी अवगत कराया कि झारखंड के 7 जिलों में अशंकालिक न्यायाधिकरण का गठन तो किया गया है मगर यह न्यायाधिकरण अब तक क्रियाशील नहीं है। इसको देखते हुए पूर्णकालिक न्यायाधिकरण का गठन किया जाना झारखंड व झारखंडियों के हित में होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा होने पर ही जहां कोयला क्षेत्र में सुधार हो सकेगा वहीं विस्थापित परिवारों को न्याय एवं अधिकार भी प्राप्त हो सकेगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से कोयला क्षेत्र के विस्थापितों द्वारा पूर्ण कालिक न्यायाधिकरण की मांग की जा रही है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री का ध्यान बीसीसीएल के गोविंदपुर क्षेत्र के खरखरी कोयला परियोजना में हुई गोलीकांड व कोयला चोरी को लेकर कोल इंडिया की उदासीन रवैया की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि घटना को लेकर पुलिसिया जांच में कई बातें सामने आई है बावजूद इसके कोल इंडिया प्रबंधन का इस पर गंभीर नहीं होना कई संदेह भी पैदा करता है।

नियमों की खुलेआम अनदेखी कर ग्रामीणों की रेयती

भू-भाग का बगैर अधिग्रहण कर चारदीवारी निर्माण का अवैध कब्जा प्रयास किया गया। यही नहीं हमारे आवासीय कार्यालय को भी आगे के हवाले कर दिया गया और यह सारा कुछ संबंधित परियोजना के जीएम के मनमानी पूर्ण रवैया, अव्यावहारिक कार्यशैली व खुलेआम नियमों की अवहेलना करने की वजह से हुआ। इन सब की जानकारी के बावजूद इस घटना पर कोल इंडिया प्रबंधन की ओर से अब तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं करना कोल इंडिया की कार्यशैली को ही दशार्ता है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री ने मिलने आए गिरिडीह सांसद की बातों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद इस मामले में शीघ्र समुचित कार्रवाई करने को लेकर आश्वस्त किया।

निबंधन के पूर्व लिखित बंटवारे की प्रक्रिया अपनाएं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने अपने अधीनस्थ राजस्व कार्यालयों को भूमि विवादों को न्यूनतम स्तर पर ले जाने के लिए सार्थक पहल करने का निर्देश दिया है। जिसको लेकर बुंडू निबंधन कार्यालय में मंगलवार को सभी हितधारकों, यथा डीड राइटर्स, बार एसोसिएशन आदि के साथ बैठक कर यह समझाने का प्रयास किया कि भविष्यगत भूमि विवादों को शून्य करने के लिए निबंधन के पूर्व लिखित बंटवारे की प्रक्रिया को अपनाना चाहिए जिसके लेकर सभी सहमत जाहिर की प्रयोग के तौर पर पहले इसे राहे अंचल से संबंधित दस्तावेजों के निबंधन हेतु शुरू किया जा रहा है। जानकारी हो की संयुक्त जमाबंदी वाली जमीन की बिक्री लोग बिना बंटवारा किए ही कर देते हैं, जिसके कारण विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

मंईयां सम्मान से संभव होगा मंईयां स्वावलंबन : उपायुक्त

महिलाओं के स्वावलंबन के लिए रांची जिला में कार्य किए जाएंगे

नवीन मेल संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत लाभुकों को मिलनेवाली सम्मान राशि से महिलाओं के स्वावलंबन के लिए रांची जिला में कार्य किए जाएंगे। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा आनेवाले समय में सार्थक प्रयास किए जाएंगे। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने मंगलवार कोऑनलाइन बैठक की। इस दौरान लाभुकों को मिलनेवाली 30 हजार सम्मान राशि के सदुपयोग से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिया। उन्होंने जिला पशुपालन पदाधिकारी एवं जिला गव्य विकास पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि लाभुकों के लिए मुर्गी पालन, अंडा एवं डेयरी उत्पादन कैसे लाभकारी हो सकते हैं इसके लिए कार्ययोजना बनाएं।

लाभुकों के सत्यापन पर फोकस का निर्देश

उपायुक्त ने लाभुकों के सत्यापन पर फोकस करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी आंगनबाडी सेविका अपने-अपने क्षेत्र में लाभुकों के सत्यापन का कार्य करें और प्रखंड-अंचल कार्यालय से सत्यापन कार्य की मॉनिटरिंग करते हुए रिकार्ड संधारित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में बीडीओ-सीओ और शहरी क्षेत्र में जोनल मैनेजर यह सुनिश्चित करेंगे कि सत्यापन के दौरान सेविकाओं को किसी तरह की परेशानी न, उन्हें डराने धमकाने जैसी घटनाएं न हो, आंगनबाड़ी सेविका को किसी तरह की सहायता की आवश्यकता हो तो फौरन उपलब्ध करायें। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में सत्यापन प्रपत्र का वितरण सुचारु रुप से हो इसके लिए बीडीओ-सीओ एवं नगर निगम के सहायक प्रशासक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। ऑनलाइन बैठक में जिला के वरीय पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, सभी बीडीओ-सीओ, डीपीएम, बीपीएम जेएसएलपीस, सीडीपीओ, सीएससी मैनेजर एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी/कर्मी जुड़े थे।

पोल्ट्री फार्मिंग से पोषण, स्वावलंबन एवं समृद्धि

उपायुक्त -सह- जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुक के खाते में राशि जा रही है। उसका सदुपयोग करके महिलाएं सरकार द्वारा प्रदत्त की जा रही राशि को कई गुना कर सकती हैं। इस कार्य में जिला प्रशासन द्वारा किस प्रकार से सहयोग दिया जा सकता है इसकी विवेचना की जाए। उपायुक्त ने कहा कि इस दिशा में पोल्ट्री फार्मिंग से सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। पोल्ट्री फार्मिंग से महिला स्वावलंबन की दिशा में बहुआयामी लाभ प्रत्येक परिवार को प्राप्त होंगे।

योजना का प्रभावशाली क्रियान्यवन संपूर्ण जिला प्रशासन का दायित्व

मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना का धरातल पर प्रभावशाली क्रियान्यवन सम्पूर्ण जिला प्रशासन का दायित्व है। लाभुकों के बीच योजना को लेकर सकारात्मक फीडबैक जाए, इसे जिला प्रशासन की टीम को सुनिश्चित करना है। जिन लाभुकों के खाते में सम्मान राशि नहीं आई है उन्हें बताएं कि सत्यापन के बाद सभी योग्य लाभुकों को योजना का लाभ मिलेगा।

विश्व रंगमंच दिवस पर संगोष्ठी व दो नाटकों का आज होगा मंचन

नवीन मेल संवाददाता । रांची

रंगदर्पण द्वारा कडरू स्थित जेएफटीए स्टूडियो थिएटर में बुधवार को एक संगोष्ठी और दो नाटकों की प्रस्तुति आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम की शुरूआत सामाजिक परिवर्तन में रंगमंच का योगदान विषय पर संगोष्ठी से होगी, जिसमें बतौर मुख्य वक्ता शिक्षाविद, नाटककार एवं फिल्मकार डॉ. विनोद कुमार और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं कोऑर्डिनेटर डॉ. शाकिर तसनीम तथा वरिष्ठ पत्रकार सुनील कुमार बादल अपने विचार साझा करेंगे। यह संगोष्ठी रंगमंच की सामाजिक भूमिका, उसकी संभावनाओं और वर्तमान परिदृश्य में उसकी प्रासंगिकता पर केंद्रित होगी। संगोष्ठी के बाद दो नाटकों का मंचन किया जाएगा, इसमें 'नींद क्यों रात भर नहीं आती'(नाटककारः सुरेंद्र वर्मा, निर्देशकः अशोक गोप) यह नाटक मानवीय संवेदनाओं और पारिवारिक रिश्तों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को प्रस्तुत करेगा। दूसरा नाटक 'अंधा युग' (अंतिम अध्याय)(नाटककारः धर्मवीर भारती, निर्देशकः डॉ. शाकिर तसनीम) यह नाटक युद्ध के बाद के सामाजिक और नैतिक पतन को दर्शाएगा, जिसमें अश्वत्थामा के चरित्र को केंद्र में रखा गया है।

कलाकार और रंगमंच प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण आयोजन

इस आयोजन में शहर के कई रंगकर्मी, शोधार्थी और कला प्रेमी शामिल होंगे। रंगदर्पण के अध्यक्ष डॉ. कमल बोस और सचिव डॉ. अनिल ठाकुर ने सभी रंगमंच प्रेमियों से इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। कार्यक्रम बुधवार को संध्या छह बजे से कडरू स्थित जेएफटीए स्टूडियो थिएटर में किया जाएगा।

छोटानागपुर राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव कल से

नवीन मेल संवाददाता । रांची

युवा नाट्य संगीत अकादमी एवं चंद्रावती सह कांति कृष्ण फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में छोटानागपुर राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव एवं कांति कृष्णा सम्मान समारोह 2025 का आयोजन गुरुवार को किया जाएगा। इसे लेकर आड्रे हाउस में संस्था के संस्थापक ऋषिकेश लाल एवं आयोजन समिति के प्रसिद्ध नारायण मिश्रा, शिव किशोर शर्मा, कुमार अभिनव, ऋषिका कुमारी मौजूद थे। ऋषिकेश लाल ने कहा कि विश्व रंगमंच दिवस पर हर 4 दिवसीय 12 वां छोटानागपुर राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 27 से 30 मार्च तक आड्रे हाउस में होना तय है। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्र भेंटकर सम्मानित किया जाएगा। नाटकों का शुभारंभ 27 मार्च को 4.30 बजे संध्या एवं 28/29/30 को 6.30 बजे संध्या से होगी। मुख्यअतिथि राज्यमंत्री अल्पसंख्यक आयोग सह उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू एवं निदेशक कला संस्कृति द्वारा उद्घाटन संध्या 4 बजे किया जाएगा। सभी कला प्रेमियों को इस नाट्य महोत्सव में आमंत्रित की गई है। नाट्य महोत्सव में प्रवेश निशुल्क है।

विद्यापति स्मृति व रजत जयंती पर्व 28 से, मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

नवीन मेल संवाददाता । रांची

झारखंड मैथिली मंच त्रिदिवसीय विद्यापति स्मृति पर्व रजत जयंती समारोह का आयोजन कर रही है। अध्यक्ष विनय कुमार झा ने कहा कि झारखंड मैथिली मंच इस बार 25 वां वर्ष पूरा करेगी । मंच के द्वारा 28, 29 एवं 30 मार्च को विद्यापति स्मृति पर्व रजत जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा। 26 मार्च को पूर्वाह में हकार सह आमंत्रण के लिए विद्यापति रथ समारोह के प्रचार-प्रसार के लिए रवाना किया जाएगा। रथ रांची नगर क्षेत्र के विभिन्न मोहल्ले में तीन दिनों तक भ्रमण करेगा। उन्होंने कहा कि 28 मार्च की सुबह 9 बजे सदस्य मिथिला के पारंपरिक परिधान धोती-कुर्ता में विद्यापति दलान हरमू से पैदल चलकर मेन रोड पर स्थित बाबा विद्यापति के मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। जिसके बाद विद्यार्थत दलान पर मंच के भवन में कवि गोष्ठी, पुस्तक समीक्षा एवं साहित्यिक परिचर्चा का आयोजन होगा। जिसमें ख्यातिप्राप्त विद्वान साहित्यकार कवि हिस्सा लेंगे। 29 एवं 30 मार्च को मुख्य समारोह हरमू मैदान में आयोजित किया जाएगा।

मैथिली व्यंजनों के लगाए जाएंगे स्टॉल : पूर्व पार्षद अरुण कुमार झा ने कहा कि अनेक तरह के स्टॉल सरकारी एवं उद्यमियों द्वारा प्रदर्शित किए जाएंगे। साथ ही खान-पान से संबंधित कई स्टॉल भी लगाया जाएगा। मैथिली पुस्तक बिक्री का भी स्टॉल रहेगा। 29 मार्च को शाम में दो सत्र में कार्यक्रम होंगे। पहले उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, पूर्व पार्षद अरुण कुमार झा आदि के आगमन की सहमति है। रजत जयंती समारोह को ध्यान में रखते हुए उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री के द्वारा समाज के 25 विशिष्ट व्यक्तित्व को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही झारखंड मैथिली मंच के स्थापना के समय के प्रथम कार्यकारिणी के सदस्य भी सम्मानित किए आएंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री के कर कमल से स्मारिका का लोकार्पण होगा। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान संरक्षक अरूण कुमार झा, अध्यक्ष विनय कुमार झा, महासचिव जयंत कुमार झा, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र के अलावे ब्रज किशोर झा, प्रेम चन्द्र झा, रंधीर झा, ब्रज कुमार झा, बदरी नाथ झा और कौशल किशोर झा मौजूद रहे।

श्री श्याम मंदिर में पापमोचनी एकादशी पर हुआ पूजा-पाठ

नवीन मेल संवाददाता । रांची

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को पापमोचनी एकादशी पर सुबह 5:00 बजे मंदिर के पट खुलते ही भक्तों की भीड़ लगी रही। 5:30 बजे की मंगला आरती में नियमित दिनों के भक्तों के अतिरिक्त एकादशी दर्शनार्थी भक्त की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह के श्रृंगार आरती 8:30 बजे के बाद भक्त अपनी अर्जी के साथ बाबा के दरबार में हाजिरी लगाते हुए दिखे। 12:15 बजे की विश्राम आरती के बाद 12:30 बजे मंदिर के पट लगा दिए गए। दोपहर के विश्राम के बाद बाबा श्याम का द्वितीय अनुपम संध्या श्रृंगार किया गया। कोलकाता से मंगाए गए लाल गुलाब रजनीगंधा तुलसीदल लाल गेंदा फूल की मोटी मोटी मालाओं से बाबा श्याम को अद्भुत रूप से सजाया गया। मंगलवार होने से बालाजी महाराज का भी श्रृंगार करके सजाया गया। वहीं 146 वे श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा की अखंड ज्योति अरुण बुधिया व रजनी बुधिया ने अपने परिवार के साथ प्रज्वलित कर केसरिया पेड़ा, फल, चना, गिरीगोला चढ़कर बालाजी महाराज के समक्ष अपनी मनोकामना अर्जी लगाई । फल प्रसाद सेवा राजेश जायसवाल, चना सेवा श्रवण ढानढनिया, केसरिया पेडा सेवा पुष्पा देवी पोद्दार व गिरीगोला सेवा मुकेश मित्तल द्वारा निवेदित की गई। इसके बाद अरुण बुधिया ने श्री रामचरितमानस का पूजा वंदन करके पाठ वाचक मनीष शर्मा ओम शर्मा को तिलक लगाया। सामूहिक रूप से इसके बाद सभी भक्तों ने बालाजी महाराज का हनुमान चालीसा पाठ प्रारंभ कर श्री सुंदरकांड के पाठ का गायन किया। समापन के बाद पुनः हनुमान चालीसा पाठ एवं आरती की गई।

श्री श्याम मंदिर में एकादशी उत्सव श्रद्धा के साथ मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता । रांची

दरबार अनोखा सरकार अनोखी , खाटू वाले की हर बात अनोखी भजनों की लय पर भक्तगण भाव विभोर हुए।, अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को पापमोचनी एकादशी उत्सव अत्यन्त भक्तिभाव व श्रद्धा के साथ मनाया गया। एकादशी का उल्लास लिए भक्त प्रातः काल से ही श्री श्याम प्रभु के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। प्रातःकाल में श्री श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर विभिन्न प्रकार के फूलों से मनभावन श्रृंगार किया गया। साथ ही मंदिर में विराजमान शिव परिवार एवं बजरंगबली का भी इस अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया। रात्रि 9 बजे श्री श्याम देव के जयकारों के बीच ज्योत प्रज्वलित कर भक्तगण कतारबद्ध होकर ज्योत में आहुति प्रदान कर मंगलमय जीवन की कामना की। श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा संगीतमय संकीर्तन प्रारंभ कर भजनों की अमृतवर्षा की गई। भजनों की लय पर देर रात तक भक्तगण श्री श्याम प्रभु को रिझाते रहे। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, फल व मेवा का भोग अर्पित किया गया। रात्रि 12 बजे महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश सारस्वत, ओम जोशी, चन्द्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, विवेक ढांढनीयां, विकाश पाडिया, ज्ञानप्रकाश बगला, प्रियांश पोद्दार, अजय साबू , अरुण धानुका, मधुसूदन सारस्वत एवं गौरव परसरामपुरिया का विशेष सहयोग रहा।

आज / कल

मोहिनी एकादशी पर भगवान लक्ष्मी वेंकटेश्वर का हुआ उद्यास्तमन सेवा

नवीन मेल संवाददाता । रांची

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में मोहिनी एकादशी पर मंगलवार को भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर का उद्यास्तमन सेवा सहित महाभिषेक हुआ। पुरुषसूक्त ,श्रीसूक्त ,भूसूक्त आदि वेद के ऋचाओं तथा उपनिषदादि मंत्रों के उच्चारण पूर्वक भगवान् के चारों व्यूह समेत श्रीश्रीदेवी लक्ष्मीजी, श्रीभूमिदेवी लक्ष्मी, आयुधवर चक्रराज सुदर्शन का सहस्त्रधारा, कुंभधारा ,शंखधारा और चक्रधाराके उपक्रम से बारी-बारी महाभिषेक हुआ। यह वैभवपूर्ण दिव्य मनोहर दृश्य श्रद्धावनत जजमान परिवार समेत अन्य उपस्थित भक्तों को मुग्ध कर रहा था। मंत्रों से विलेपन करके यज्ञोपवीत धारण कराकर मंत्र से ही अलंकार समर्पण हुआ। फिर दिव्य सुवासित पुष्प-मालाओं से भगवान का श्रृंगार निवेदन हुआ तथा भगवान को साँवा दाना की खीर, कूटू आटे , आलू और कद्दू की पकौड़ी ,फल , मेवा और मखाना का बालभोग निवेन हुआ। फिर नक्षत्र, कुंभ और कपूर की वाती से महाआरती की गई। उद्यास्तमन सेवा सहित महाभिषेक के यजमान : श्री महावीर प्रसाद-निर्मला नरसरिया थे। अर्चक सत्यनारायण गौतम, मुकेश आचार्य और श्री नारायण दास जी ने दिन भर के अनुष्ठान को विधिवत्त संपन्न कराया। मौके पर राम अवतार नरसरिया अनूप अग्रवाल प्रदीप नरसरिया रंजन सिंह गौरी शंकर साहब सुशील लोहिया सुशील पोद्दार सुरेश ठाकुर आदि के अतिरिक्त भारी संख्या में व्रतधारी श्रद्धालु भक्तों ने भगवान की पुष्प अर्चना, कराकर कराई।

अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय बसंत मेला का हुआ शुभारंभ, लगे कई स्टॉल

नवीन मेल संवाददाता । रांची

● 50 से भी अधिक स्टॉल लगाए गए

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन रांची शाखा द्वारा मंगलवार को तीन दिवसीय बसंत मेला का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया। बसंत मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि सेवा भारती के अध्यक्ष गुरशरण प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि डां वंदना राय ने किया। कार्यक्रम में आए सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत रांची शाखा की अध्यक्ष मधु सर्राफ ने शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर की। मुख्य अतिथि गुरुशरण प्रसाद ने मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन सामाजिक संस्कार आदि जन सेवा के द्वारा सामाजिक परिवर्तन के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति तीन विशाल सोच से हम सब जातियों को एक साथ बांध सकते हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ वंदना राय ने कहा कि हर पुरुष की सफलता के पीछे नारी का हाथ होता है वैसे ही हर नारी की सफलता के पीछे पुरुष का हाथ होता है। महिलाएं व्यापार के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट करके मिसाल कायम कर रही है। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मेले की संस्थापिका नीरा बथवाल ने कहा कि 19 साल पहले घर से काम करने वाली महिलाओं को एक प्लेटफार्म देने के लिए इस मेले की शुरूआत की थी जिसने आज एक वृहद रूप ले लिया है। उद्घाटन समारोह मे अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल एवं रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री संजय सर्राफ ने भी संबोधन करते हुए मारवाड़ी महिला सम्मेलन की जनसेवा कार्यों प्रशंसा की। शाखा सचिव उर्मिला पाड़िया ने मारवाड़ी महिला सम्मेलन के किए गए कार्यों की पूरी ब्योरा पेश की। मेले की संयोजिका अलका सरावगी ने बसंत मेले के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मेले में कुल 50 स्टॉल लगाए गए हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष रूपा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष गीता डालमिया, मधु सर्राफ, बीना मोदी, मंजू केडिया, रीना सुरेखा, प्रीती बंका, मंजू गाड़ोदिया, प्रीती पोद्दार, छाया अग्रवाल, सीमा पोद्दार, सुशीला पोद्दार, सुनीता सरावगी, सीमा टाटिया, सरिता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, लक्ष्मी पाटोदिया ,प्रीति फोगला,शोभा हेतमसरिया, करुणा अग्रवाल मीना अग्रवाल,कमला विजयवर्गीय,ललिता नारसरिया, सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। उक्त जानकारी मारवाड़ी महिला सम्मेलन की मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा ने दी।

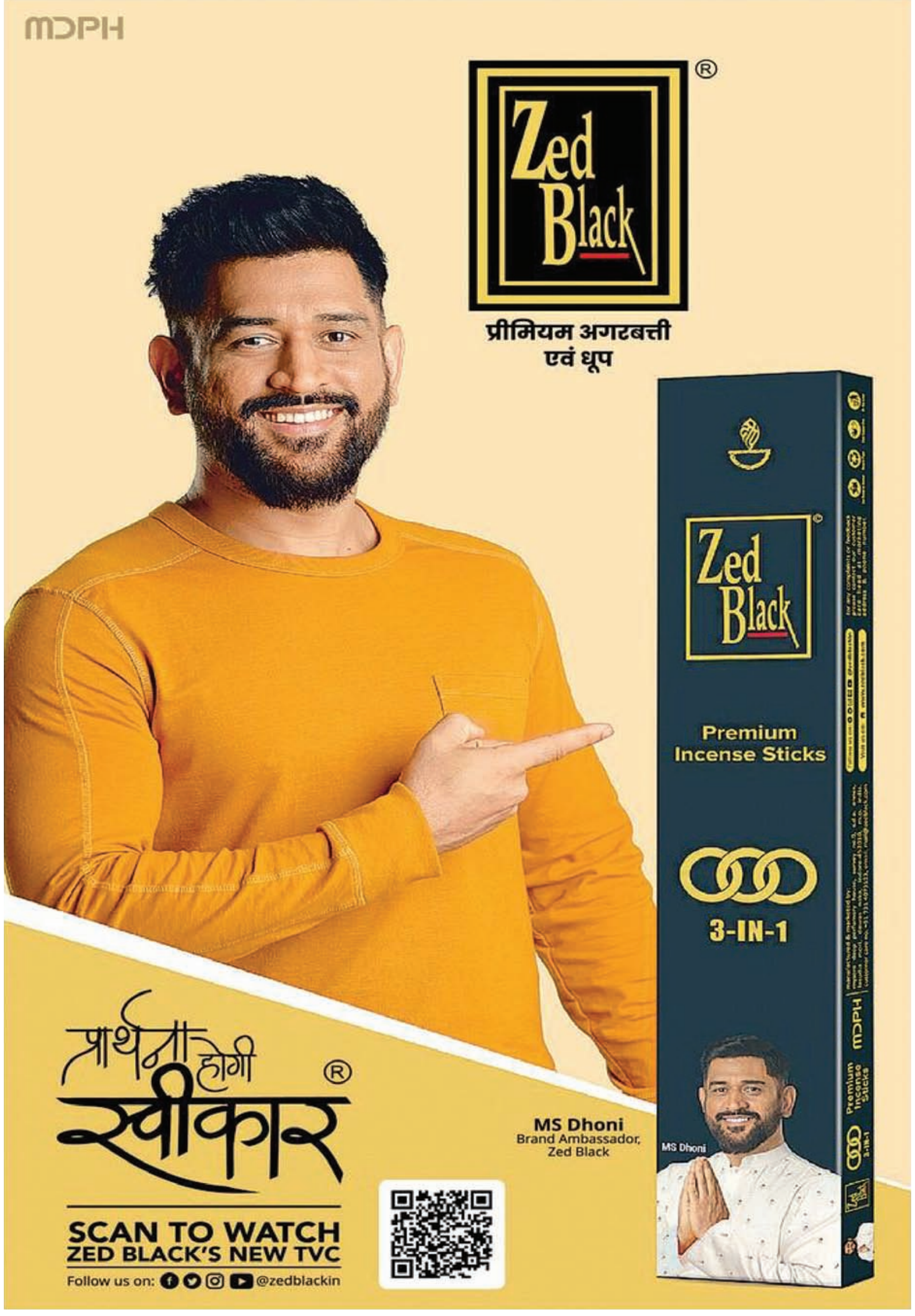

एक नजर

अड़की में बीएसएनएल नेटवर्क नहीं रहने से लोग परेशान

अड़की। अड़की में बीएसएनएल का मोबाइल नेटवर्क नहीं रहने से लोग परेशान हैं। पिछले चार दिनों से अड़की प्रखंड में बीएसएनएल का मोबाइल नेटवर्क काम नहीं कर रहा है, जिससे लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं रात के समय आपातकालीन स्थिति में मोबाइल नेटवर्क नहीं रहने से पुलिस तथा एंबुलेंस को कॉल करना मुश्किल हो गया है।अड़की के दक्षिणी और पश्चिमी भागों में लगभग 9 पंचायत हैं, जहां बीएसएनएल का टावर लगा हुआ है। लेकिन फिलहाल नेटवर्क की समस्या के कारण लोग परेशान हैं। जानकारी के अनुसार, दक्षिणी और पश्चिमी अड़की के इलाकों में जिओ या एयरटेल का टावर नहीं लगा है, इसलिए ग्रामीण बीएसएनएल मोबाइल नेटवर्क के भरोसे रहते हैं।

हाई टेंशन दुर्गा मंदिर में 20 अप्रैल से रामकथा

रांची। 20 से 29 अप्रैल तक श्री राम कथा का आयोजन चुटिया स्थित हाई टेंशन दुर्गा मंदिर में किया जाएगा। राम कथा में मुख्य कथा वाचक श्री श्री 1008 महात्मा मंडलेशवर ब्राह्मयांड स्वामी पुरी महराज होंगे। श्री राम कथा के सफल आयोजन को लेकर महात्मा साई संजीवनी सेवा की ओर से हाईटेंशन दुर्गा मंदिर में समीर सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में कमेटी का गठन किया गया। इसमें संयोजक ब्रजेश कुमार, संरक्षक मदन सिंह, कैलाश केशरी, अश्वनी शर्मा, अध्यक्ष समीर सिंह, मीडिया प्रभारी विजय शंकर नायक, कार्यकारी अध्यक्ष ममता देवी, उमेश कुमार राय, शिव कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष विनय कुमार दुबे(पहलवान), पिंकी सिंह, रुक्मणी देवी,अमर कुमार शास्त्री, कामता यादव, सचिव कुमार सावन, सहसचिव संजय सिन्हा, अजय कुमार, सह लेखापाल हर्षित कुमार , सुगम कुमार, सदस्य बिट्टू प्रसाद बनाए गए।

ठाकुरगांव थाना परिसर में ईद, सरहुल और रामनवमी पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई

ठाकुरगांव। मंगलवार को ठाकुरगांव थाना परिसर में ईद, सरहुल व रामनवमी पर्व हर्षोल्लास व सौहार्दपूर्ण रूप से मनाने हेतु शांति समिति की बैठक अंचलाधिकारी सच्चिदानंद कुमार वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए अंचलाधिकारी ने सामाजिक सद्भावना के साथ पर्व को मनाने का अपील किया साथ ही सोशल मीडिया के अफवाहों पर ध्यान नहीं देने व अश्लील गानों का प्रयोग नहीं करने की बात कही। वहीं इंस्पेक्टर शशिभूषण चौधरी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पर्व के दौरान अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी व लगातार गश्ती दल द्वारा चिन्हित उपद्रवियों पर प्रशासन की नजर रहेगी। वहीं 2 अप्रैल को सरहुल की शोभायात्रा पूर्व से निर्धारित सड़क मार्ग से ही होकर जाएगी।

सुकृति का मुरी स्टेशन पर हुआ स्वागत

भविष्य में और मेहनत कर देश और राज्य का नाम रोशन करने का प्रयास करूंगी

नवीन मेल संवाददाता। मुरी
20 मार्च से 23 मार्च तक आयोजित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम दिल्ली में संपन्न खेलो इंडिया पैरा गेम्स में कांस्य पदक जीत कर सिल्ली लौटने पर बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी की सुकृति का मंगलवार को मुरी स्टेशन पर सभी तीरंदाजों , एकेडमी के पदाधिकारियो, सिल्ली के समाज सेवियों के साथ सिल्ली वासियों ने जोरदार स्वागत और अभिनंदन किया। स्वागत से भावुक हो कर सुकीर्ति ने कहा कि यह मेडल मेरे कोच प्रकाश राम की स्वर्गीय माता जी को समर्पित है जिस दिन खेलने निकलना था उससे एक दिन पहले उनकी माता जी का देहांत हो गया जिस कारण मेरे कोच मेरे साथ नहीं जा पाए लेकिन उनका मार्गदर्शन मेरे साथ था जिसके कारण मैं इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल कर पाई। मेरे स्वागत में पहुंचे सभी अभिभावक ,सीनियर भैया और दीदी का मैं आभारी रहूंगी। भविष्य में और मेहनत कर के देश और राज्य का नाम रोशन करने का प्रयास करूंगी। स्वागत में पहुंचे एकेडमी के संयुक्त सचिव बृजेश प्रसाद प्रमुख सिल्ली जितेंद्र बड़ाईक ,पूर्व जिला परिषद सदस्य गौतम कृष्ण साहू ,मुरी पूर्वी के मुखिया कन्हैया लोहरा, मुरी पूर्वी के पंचायत समिति सदस्य अरविंद कुमार, सहारा इंडिया मुरी शाखा के प्रबंधक गौरांग कोईरी, निलेश मेडिकल के अमित कुमार,सिल्ली योगा टीम के साथ बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी के सहायक कोच रोहित कुमार, और सभी तीरंदाज, सशस्त्र सीमा बल के सभी प्रशिक्षु एवं खेल प्रेमियों ने स्वागत और बधाई दी।

सरनास्थल पर पाहनों ने की पूजा-अर्चना

खूंटी। तोरपा के ग्राम बड़का टोली शांति नगर स्थित बाहा सरना स्थल में मंगलवार को तोपनो पड़हा राजा लागो विरसा तोपनो और हातु पाहन दिवा तोपनो, पाहन जेम्स तोपनो देवनिस तोपनो के नेतृत्व में सरना स्थल पर विधि विधान से पूजा-अर्चना की गई। पाहन पुजारी दिवा तोपनो ने पूजा अर्चना के दौरान प्रकृति, सिंग बोंगा से निवेदन में मानव समाज को सुरक्षित रखने और प्रेम, भलाई सहित अन्य की कामना की। दिवा तोपनो ने कहा कि बारिश होने तथा खेतों में काम करने के पूर्व सरना स्थल में बलि दी जाती है और इसे बताउली, कोदोलेटा होन बा, छोटा सरहुल पर्व के रूप में भी मनाया जाता है।

न्यूज बॉक्स

करकट्टा बस्ती देवी मंडप में ध्वज लगाकर बासंतिक नवरात्र यज्ञ का लिया संकल्प

खलारी। करकट्टा बस्ती देवी मंडप में ध्वज लगाकर बासंतिक नवरात्र यज्ञ का संकल्प लिया गया। पंडित नरेंद्र पाठक द्वारा विधि विधान के साथ बजरंगबली का ध्वज खड़ा किया गया और कमेटी के सभी सदस्यों ने यज्ञ को सफल बनाने के लिए संकल्प लिया। इस मौके पर करकट्टा देवी मंडप के पुजारी गणेश पाहन, संतोषकुमार महली, प्रमोद सिंह, राकेश सिंह, अनिल पासवान, चितरंजन सिंह, अवधप्रसाद गुप्ता, हरिप्रसाद गुप्ता, रविन्द्र राम, रंजित रजक, अनिलप्रसाद गुप्ता, अजय केसरी, अजीत राम, सियाराम सिंह, राजकुमार गंझू, अजीत चौहान सहित काफी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे।

न्यायिक हिरासत में भेजा गया प्राथमिक अभियुक्त

खलारी। प्राथमिकी अभियुक्त सजाद अंसारी उर्फ सज्जाद अंसारी उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। खलारी थाना के पुअनि देवकुमार दास ने सजाद अंसारी को उसके गांव पाठक पगार, थाना तरसी, जिला पलामू से गिरफ्तार किया गया।

बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें तो बच्चे और भी अधिक निखर सकते हैं : कंचन उरांव

लापुंग। डीएवी किड्स पब्लिक स्कूल ककरिया के तत्वाधान में मंगलवार को वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। बतौर मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव ने कहा कि डीएवी किड्स पब्लिक स्कूल धीरे-धीरे बच्चों के विकास की ओर अग्रसर है। शिक्षक शिक्षिकाएं बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें तो बच्चे और भी अधिक निखर सकते हैं। वहीं मुखिया बिरसमणी देवी ने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा तभी मिलती है जब विद्यालय में अनुशासन एवं एवं समर्पित शिक्षकों के द्वारा गुणवत्ता युक्त शिक्षा दी जाती है। डीएवी किड्स के निदेशक प्रवीण कुमार ने स्कूली बच्चों और अभिभावकों को शुभकामनाएं दी। वहीं प्राचार्य विनिता कुमारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन समर्पित किया। बतौर मुख्य अतिथि कंचन उरांव, मुखिया बिरसमणी देवी एवं विशिष्ट अतिथि शिव कुमार सिंह ने बच्चों के बीच रिजल्ट का वितरण किया। इस मौके पर कपिल कुमार, विरेन साहु, सुजीत कुमार, सुरभि कुमारी, आरती कुमारी तथा सुमन कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अपना घर आश्रम में निराश्रितों को कराया गया भोजन

रांची। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के प्रांगण में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) में बुधवार को स्पृहा कुमारी के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 37 दिव्यांग निराश्रित एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन खिलाया गया। अपना घर आश्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि 1 मार्च से 25 मार्च तक 25 दिनों में 4790 निराश्रित एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम सदगुरू कृपा अपना घर (सत्य-प्रेम सभागार) में- डुंगरमल अग्रवाल,निर्मल जालान,मीरा अडूकिया,दिनेश कुंवर,विपिन कुमार अग्रवाल,गोपेश्वर सिन्हा अभय कुमार,सुभाष सोनी,दीपक खेतान,ओमप्रकाश चौधरी, परमेश्वर प्रसाद अग्रवाल,प्रीति अग्रवाल,रमन बोडा संतोष कुमार सोनी,गजानंद शर्मा,सावित्री बाई,बलमीत सिंह,विवेक कुमार साहु,नन्द किशोर चौधरी,गीता देवी शर्मा,रमन अग्रवाल चुक्की देवी गाड़ोदिया,नीरज कुमार के सौजन्य से सभी निराश्रित प्रभुजी को भोजन प्रसादी खिलाकर सेवा की गई। अन्नपूर्णा सेवा के पुनीत कार्य में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल सचिव मनोज कुमार चौधरी संस्था के वरिष्ठ सदस्य पुर्णमल सर्राफ, चिरंजीलाल खण्डेलवाल, सुरेश अग्रवाल, सज्जन पाड़िया,नन्द किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान,पवन कुमार पोद्दार, सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

सिविल सर्जन कार्यालय में फूड सेफ्टी ट्रेनिंग का हुआ आयोजन

खूंटी। जिले में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिविल सर्जन कार्यालय परिसर में मंगलवार को एक दिवसीय फूड सेफ्टी ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा और परिवार कल्याण विभाग के निदेर्शानुसार, अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी और खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ज्ञानसीटी एजुकेशनल ट्रस्ट के मास्टर ट्रेनर अनुप कुमार तिवारी ने रेस्टोरेंट, कैटरर्स, पानीपुड़ी विक्रेता, फास्ट फूड एवं मिठाई दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी। ट्रेनिंग के दौरान उपस्थित लोगों को फोर्टिफाइड फूड और एफएसएसएआई की प्रमुख योजनाएं जैसे ईट राइट इंडिया एवं थोड़ी कम के बारे में विस्तार से बताया गया।

थाना प्रभारी ने कहा, भड़काऊ व अश्लील गीत बर्दाश्त नहीं : थाना प्रभारी

ईद, सरहुल और रामनवमी पर प्रशासन की रहेगी नजर : बीडीओ

ईद उल फितर और रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मिलजुल कर मनाने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता। लापुंग
लापुंग थाना में डीएसपी अशोक कुमार राम एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज की संयुक्त अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर बीडीओ उषा मिंज ने कहा कि ईद-उल-फितर, सरहुल और रामनवमी पर प्रशासन की रहेगी कड़ी नजर रहेगी। बैठक के दौरान डीएसपी अशोक कुमार राम और सर्किल इंस्पेक्टर उत्तम कुमार उपाध्याय ने कहा कि पर्व त्यौहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की जरूरत है ।पर्व त्यौहार में किसी भी तरह की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव ने कहा भड़काऊ एवं अश्लील गीत बर्दाश्त नहीं होंगे। पुलिस प्रशासन संवेदनशील जगहों में पूरी तरह मुस्तैद रहेगी। वहीं प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव ने कहा कि पर्व त्यौहार के दौरान लापुंग में हमेशा शांति व्यवस्था बनी रहती है हमें और भी बेहतर करने की जरूरत है। कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष और सरहुल मिलन समारोह के संचालन समिति के अध्यक्ष जयंत बरला ने कहा कि सरहुल एक मंच पर आकर बनाने की जरूरत है। आदिवासियों की एकता और अखंडता ही हमारी पहचान है। बैठक के दौरान सरहुल, ईद उल फितर और रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मिलजुल कर मनाने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर सर्किल इंस्पेक्टर उत्तम कुमार उपाध्याय एवं थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव ने कहा कि कानून व्यवस्था का हर हालत में पालन होना चाहिए। किसी भी धर्म के खिलाफ कोई भी भड़काऊ बात या मारपीट पर्व त्यौहार के दौरान बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस कड़ी निगरानी करेगी। इस मौके पर मुख्य रूप प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बरला, विधायक प्रतिनिधि सुदामा महली, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जन्मेंजय पाठक, पूर्व पंचायत समिति सदस्य नसीम आलम, मुखिया सविता उरांव, मालती रानी केरकेट्टा, सरोज मुंडा, प्रसिद्ध वैद्य बंधन सिंह खेरवार, गंगाधर साहु, दीपनारायण सिंह 'दीपक', इमरान खान सहित दर्जनों विशिष्ट लोग मौके पर मौजूद थे।

ईद-उल-फितर सरहुल और रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक

शांति भंग करने वालों की खैर नहीं, सोशल मीडिया पर रखें नियंत्रण : डीएसपी

अशोक कुमार राम। बेड़ो थाना में शांति समिति की बैठक के दौरान सौहार्दपूर्ण माहौल में सभी पर्व त्यौहार मनाने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो
लापुंग और नरकोपी थाना में सरहुल, ईद-उल-फितर एवं रामनवमी महापर्व के शांतिपूर्ण तरीके से आयोजन को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बेड़ो थाना में डीएसपी अशोक कुमार राम की अध्यक्षता एवं थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान के संचालन में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल उरांव, अंचलाधिकारी प्रताप मिंज, प्रखंड प्रमुख विनीता कच्छप, उप प्रमुख मोदिसर हक, जिला परिषद सदस्य बेरोनिका लकड़ा की उपस्थिति में सरहुल, ईद-उल-फितर एवं रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सभी पर्व त्यौहार को सौहार्दपूर्ण माहौल में एक दूसरे से मिलजुलकर मनाने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर वर्षों से चली आ रही रामनवमी शोभायात्रा के मार्गों का ही अनुपालन करने, डीजे में किसी भी तरह के अश्लील या आपत्तिजनक गीतों को बजाने पर प्रतिबंध लगाने, सोशल मीडिया में किसी भी तरह की आपत्तिजनक और भड़काऊ खबरों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। डीएसपी अशोक कुमार राम ने कहा कि शांति भंग करने वालों की खैर नहीं, सोशल मीडिया पर नियंत्रण रखें। सरहुल शोभायात्रा के दौरान भी सभी नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। अंचलाधिकारी प्रताप मिंज ने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी तरह का कोई आपत्तिजनक खबर या वीडियो नहीं चलनी चाहिए। अगर ऐसा होता है तो कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

हुटुप गौशाला धाम में 9 दिवसीय श्री राम कथा का हुआ समापन

नवीन मेल संवाददाता। रांची
रांची गौशाला न्यास के हुटुप गौशाला धाम में 17 से 25 मार्च तक चले नौ दिवसीय श्री राम कथा का समापन मंगलवार को हुआ। इस कथा का आयोजन एक विशाल धार्मिक आयोजन के रूप में किया गया, जिसमें संगीता किशोरी ने श्री राम के जीवन के विभिन्न पहलुओं को समर्पित कर श्रद्धालुओं को आस्थावान और प्रेरित किया। कथा के अंतिम दिन कथा के दौरान विशेष रूप से संदरकांड का वाचन हुआ। जिसमें भगवान राम की भक्ति और उनके प्रति विभीषण का प्रेम दशार्या गया। इसके साथ ही भजन, कीर्तन और हवन यज्ञ के आयोजन से वातावरण और भी धार्मिक और दिव्य हो गया। समापन अवसर पर गौशाला धाम के प्रांगण में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं ने महाआरती में भाग लिया। उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने कहा कि इस आयोजन को सफल बनाने मे-कार्यक्रम के मुख्य संयोजक वासुदेव भाला एवं मुकेश काबरा, पुनीत पोद्दार, उदय शर्मा, वेद प्रकाश, विपिन भाला, राम बांगड़, ओमप्रकाश राजगढ़िया, बनवारी भाला, मनोज काबरा, विजय भाला, भगवती प्रसाद, सहित अन्य लोगों ने अपना भरपूर सहयोग किया।

इंटर के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग का आयोजन

अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें छात्र : प्राचार्या

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी
बिरसा कॉलेज खूंटी में इंटर के विद्यार्थियों के लिए करियर कॉउंसलिंग का आयोजन किया गया। कॉलेज की प्राचार्या जेरमेन कुल्लू किड़ो के प्रयास से इसका आयोजन हुआ। प्राचार्या ने कहा कि विद्यार्थियों को पहले लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति के लिए सही मार्गदर्शन में आगे बढ़ने की जरूरत है। सिर्फ नौकरी नहीं इसके इत्तर भी बहुत से करियर के विकल्प हैं। उसकी जानकारी लेकर करियर बना सकते हैं। कॉलेज की बर्सर मनोविज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर पूनम माई तिवु ने कहा कि परीक्षा की अच्छी तैयारी के लिए थोड़ा टेंशन रहना चाहिए लेकिन परीक्षा को लेकर डिप्रेशन में नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लगातार लंबे समय तक पढ़ाई नहीं करनी चाहिए। बीच -बीच में पढ़ाई करते समय थोड़ा विराम लेते रहना चाहिए। उन्होंने तनाव से बाहर निकलने के उपाय भी सुझाए। राज कुमार गुप्ता ने कहा कि कोई भी काम मन लगाकर करें और लक्ष्य पर फोकस करें। नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कोरनेलियुस मिंज ने कहा कि आगे बढ़ने के लिए गरीबी बाधक नहीं बनती है। दृढ़ इच्छा शक्ति और समर्पण एवं आत्मानुशासन से मंजिल को पाया जा सकता है। डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि अपने पसंद का विषय चुनना चाहिए। देखा -देखी में विषय का चुनाव कभी नहीं करना चाहिए। डॉ. सुधांशु शर्मा ने कहा कि मुख्य विषय पर फोकस करना चाहिए। इससे प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने में मदद मिलती है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक सीसीएल मुख्यालय में हुई

राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को शील्ड प्रदान कर किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। रांची
सीसीएल मुख्यालय में मंगलवार को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र वर्चुअल रूप से की। इस बैठक में महाप्रबंधक (ईई/राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधक, राजभाषा नोडल अधिकारी एवं सीसीएल के क्षेत्रों से आए प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। निदेशक (कार्मिक)हर्ष नाथ मिश्र ने सीसीएल में राजभाषा के प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की एवं इसके और अधिक सशक्तिकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों एवं अधिकारियों को सम्मानित किया गया। केंद्रीय अस्पताल, रामगढ़ को क्षेत्र स्तर पर, जबकि मुख्यालय से प्रशासन विभाग एवं नगर प्रशासन विभाग को राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य के लिए शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में आयोजित अंतर-उपक्रमीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बोकारो एवं करगली क्षेत्र के क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक श्री ज्ञानेन्दु चौबे तथा सीसी एंड पीआर विभाग, मुख्यालय के प्रबंधक (सा.वि.) मयंक कश्यप को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। सीसीएल द्वारा राजभाषा हिंदी के विकास एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे सरकारी कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा दिया जा सके।

सिंगपुर नर्सिंग होम ने रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। मुरी
शहादत दिवस के अवसर पर शहीद रविवार के दिन भगत सिंह मंच के सौजन्य से एवं सदर अस्पताल रांची तथा सिंगपुर नर्सिंग होम के संयुक्त तत्वाधान में सामुदायिक अस्पताल सिल्ली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें लगभग 50 लोगों ने रक्तदान किया था जिसको लेकर सिंगपुर नर्सिंग होम के संचालक डॉक्टर रमणेश प्रसाद के द्वारा रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र, हेलमेट और टी शर्ट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर रमणेश प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि युवा आगे बढ़चढ कर कर रक्तदान करें ताकि मरीजों की जान बचाई जा सके। उन्होंने नौजवानों को संदेश भी दिया कि जरूरतमंदों को रक्तदान जरूर करें क्योंकि रक्तदान करने से शरीर को किसी प्रकार की कोई हानि नहीं होती है। वहीं सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने कहा कि जब भी लोग सड़क पर चले विधिवत सड़क सुरक्षा नियम का पालन करें। मानव जीवन अनमोल है इसलिए हेलमेट तथा सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाया जा सके। मौके पर शहीद भगत सिंह मंच की ओर से देबू सोनार,दीपक सोनार, कुमार गौतम, सिल्ली थाना के अवर निरीक्षक रवि कुमार वर्मा, रामदेव कुमार यादव समेत सिंगपुर नर्सिंग होम के कर्मचारी उपस्थित रहे।

साधारण बीमा से लेकर वाणिज्यिक बीमा अब बैंक आफ इंडिया में

बैंक ऑफ इंडिया व न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी के बीच हुई साझेदारी

नवीन मेल संवाददाता। रांची
बैंक ऑफ इंडिया और बीमा कंपनी न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय में रणनीतिक साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहकों को स्वास्थ्य, मोटर, व्यक्तिगत दुर्घटना, गृह और वाणिज्यिक बीमा जैसी विभिन्न साधारण बीमा योजनाओं की सुविधा मिलेगी, जो कि एनआईएसीएल द्वारा प्रदान की जाएंगी। मौके पर बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजनीश कर्नाटक ने कहा कि यह गठजोड़ एक ही छत के नीचे व्यापक बीमा समाधान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक गिरिजा सुब्रमणियन ने कहा कि यह साझेदारी बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहकों के लिए बीमा की पहुंच बढ़ाएगी और उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली सेवा और सुरक्षा प्रदान करेगी। बैंक ऑफ इंडिया के देशभर में 5,200 से अधिक शाखाएं हैं, जबकि न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को जनरल इंश्योरेंस सेक्टर में 100 से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त है। इस साझेदारी के माध्यम से, भारत के बैंकएश्योरेंस इकोसिस्टम में एक सशक्त गठजोड़ स्थापित किया गया है।

एक नजर

विधायक ने डाड़ी को रामगढ़ में शामिल करने के लिए उठाई आवाज

गिद्दी। मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने सोमवार को डाड़ी प्रखंड को रामगढ़ जिला में शामिल करने के लिए विधानसभा में आवाज उठाया है। साथ ही उन्होंने कनकी गंधौनिया को पर्यटन स्थल बनाने की भी मांग किया है। इसके लिए आजसू के डाड़ी प्रखंड कमेटी के प्रखंड अध्यक्ष भुनेश्वर महतो, सुजीत महतो, मोहनलाल महतो, विनोद किस्कू, अर्जुन महतो, हीरा प्रसाद यादव, केतर मुंडा, दिवाकर महतो, विनोद प्रसाद, संजीत पटेल, बलवीर प्रजापति, प्रकाश महतो, विमल महतो, अनिल महतो, सहदेव वेदिया, राजकुमार महतो, कृपाशरण महतो ने आभार प्रकट किया है। आजसू प्रखंड कार्यकर्ताओं ने कहा विधायक तिवारी महतो ने डाड़ी प्रखंड को रामगढ़ जिला में शामिल करने के लिए दुबारा आवाज उठाए है।

गोला महावीर मंडल समिति के अध्यक्ष बने प्रमोद अग्रवाल

गोला। गोला महावीर मंदिर के प्रांगण में सोमवार की रात महावीर मंडल समिति की बैठक महादेव केशरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक की शुरूआत जय श्रीराम के जयघोष के साथ की गई। मौके पर महाराम नवमी का त्योहार धुमधाम से मनाने का निर्णय लेते हुए पूजा कमेटी का गठन किया गया। यहां गठित महावीर मंडल समिति के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, सचिव संजय प्रसाद बक्सी, कोषाध्यक्ष शंकर अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल बनाए गए। वहीं रामनवमी उत्सव को लेकर अलग से संजोयक मंडली का गठन किया गया। जिसमें संयोजक संतोष सोनी, सह संयोजक जितेन्द्र साहु सहित संरक्षक के रुप में उपप्रमुख विजय ओझा, महादेव केशरी, नन्दलाल स्वर्णकार, शैलेश सिन्हा, संजय पोद्दार, गिरीश बर्मन चुने गए।

इस्लामिया हाई स्कूल में इफ्तार पार्टी का आयोजन

भुरकुंडा। सद्भावना मंच की ओर से भुरकुंडा रिवर साईड स्थित इस्लामिया हाई स्कूल प्रांगण में इफ्तार पार्टी का आयोजन हुआ। इसमें वक्ताओं ने आपसी भाईचारा, सामाजिक एकता, समरसता, प्रेम और सद्भाव पर बल दिया। सद्भावना मंच के कार्यों कही प्रशंसा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि हर मौके को खास बनाना और उसमें सामाजिक समरसता रंग घोलना मंच की विशेषता है। वहीं नसीम अख्तर ने पाक रमजान माह की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें पाक कुरआन अवतरित हुआ था, जो ईश्वर की सर्वशक्तिमत्ता, दया, न्याय, और मानव जीवन का मार्गदर्शन करता है। इफ्तार पार्टी में नरेश मंडल, संतोष यादव, दर्शन गंझू, जानकी ठाकुर, सत्येंद्र पांडेय, सीताराम आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

उत्क्रमित मवि के बच्चों ने कृषि विज्ञान केंद्र मांडू का किया भ्रमण

आधुनिक तरीकों से फसल तैयार करने की वैज्ञानिकों ने बच्चों को दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

बैगलेस डे के मौके पर 25 मार्च को उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोविंदपुर के बच्चों ने कृषि विज्ञान केंद्र मांडू का भ्रमण किया। इस क्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को नई तकनीक से किस प्रकार बेहतर फसल तैयार किया जाए इस संबंध में वैज्ञानिक डॉ सुमन शेखर , डॉ सनी कुमार एवं उनके सहयोगी वैज्ञानिक प्रोफेसर द्वारा विशेष जानकारी दी गई। उत्तम किस्मों के पेड़ आम ,बेल ,केला ,अमरूद की जानकारी दी गई। साथ ही फसल में टमाटर, कद्दू ,नैनवा, झिंगी ,फूल में गुलाब, गेंदा की बेहतर तरीके से कृषि कार्य की जानकारी दी गई। उत्तम किस्म के फल में स्ट्रॉबेरी का फल खाकर शिक्षक और छात्र काफी प्रसन्न हुए। वहीं, छात्र छात्राओं को बकरी पालन, मुर्गी पालन और मछली पालन की भी विशेष जानकारी बेहतर तरीके से दी गई। कृषि कार्य में किस मौसम में कौन सी फसल लगाएं ताकि फसल बेहतर हो इस संबंध में बच्चों को जानकारी मिली। कृषि विज्ञान केंद्र में कृषि के संबंध में जानकारी प्राप्त कर बच्चे काफी खुश हुए। जानकारी देने के लिए बच्चों ने कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ सुनील कुमार कश्यप ने छात्र-छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि यह जानकारी आप सभी को इसलिए दी जा रही है कि आपके माता-पिता घर में कृषि कार्य कर पैसा कमाते हैं। कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र में जो जानकारी आप सभी को मिली घर पर अपने माता-पिता को इस संबंध में बताएं। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से अपने माता-पिता बेहतर फसल तैयार कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के सहायक शिक्षक शारदानंद शर्मा, गौतम कुमार गुप्ता ,जेठालाल मांझी आदि उपस्थित थे।

विधायक ने सुद्दी में किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

भुरकुंडा। भदानीनगर स्थित पाली पंचायत के सुद्दी टुंगरी टोला में 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा है। विधायक रोशनलाल चौधरी ने इसका उद्घाटन फीता काट कर किया। मौके पर ग्रामीणों को बधाई देते हुए विधायक ने कहा कि टोला में पहले 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा था, जो काफी नहीं था। ग्रामीणों की समस्या से अवगत होने के बाद उन्होने 63 केवीए का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। इस अवसर पर पूर्व जिप उपाध्यक्ष मनोज राम, योगेश दांगी, मोती नारायण सिंह, सागर दांगी, सतीश मोहन मिश्रा, नारायण प्रजापति, जितेंद्र बेदिया, पवन करमाली, नकुल बेदिया, निर्मल प्रजापति आदि उपस्थित थे।

न्यूज | बॉक्स

साहू भवन ट्रस्ट का चुनाव आज

रामगढ़। साहू भवन ट्रस्ट का चुनाव 26 मार्च को साहू भवन रामगढ़ में प्रातः 8ः 10 बजे से संध्या 4:00 बजे तक संपन्न होगा। साहू भवन ट्रस्ट के चुनाव में 681 मतदाता 15 सदस्यों को चुनकर सत्र 2025-27 के लिए नामित करेंगे। सूत्रों की माने तो वर्तमान कमेटी के पदाधिकारीयों के कार्यकलापों से आम मतदाता संतुष्ट दिख रहे हैं। इसीलिए वर्तमान अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार गुप्ता उर्फ छोटू जी की टीम का पलड़ा भारी दिख रहा है। वर्तमान अध्यक्ष छोटू अपने किए गए दो साल के क्रियाकलापों को आम मतदाताओं तक पहुंचने के लिए पूरे जोड़ शोर से प्रचार प्रसार कर रहे हैं एवं अपनी साफ एवं स्वच्छ छवि से आम मतदाताओं के बीच में गहरी पैठ भी बना रहे हैं। कुल मिलाकर इस बार भी सुरेंद्र कुमार गुप्ता उर्फ छोटू जी की टीम का हौसला बुलंद है और पूरी संभावना व्यक्त की जा रही है कि इस बार भी छोटू जी की टीम का दबदबा साहू भवन ट्रस्ट के ऊपर रहेगा। विशेषज्ञ इनकी टीम के जीतने की पूरी संभावनाएं व्यक्त कर रहे हैं।

विधायक ने पेयजल समस्याओं को लेकर पेयजल व स्वच्छता मंत्री योगेंद्र महतो से की मुलाकात

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक ममता देवी ने मंगलवार को झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र महतो से मुलाकात कर क्षेत्र में उत्पन्न पेयजल संकट के समाधान हेतु चर्चा की। विधायक ममता देवी ने मंत्री को अवगत कराया कि रामगढ़ जिले के विभिन्न गांवों एवं शहरी इलाकों में पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है। गर्मी के मौसम में जलस्तर नीचे चला जाता है, जिससे कई क्षेत्रों में हैंडपंप और जलापूर्ति योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। आम जनता को पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है। मंत्री योगेंद्र महतो ने विधायक ममता देवी की चिंताओं को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि विभाग जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष टीम भेजी जाएगी, साथ ही दीर्घकालिक समाधान के लिए नई जल योजनाओं पर भी काम किया जाएगा। विधायक ममता देवी ने मंत्री से अनुरोध किया कि जल संकट से निपटने के लिए अतिरिक्त टैंकर सेवा उपलब्ध कराई जाए, नए जल स्रोत विकसित किए जाएं और पाइपलाइन विस्तार की योजनाओं को शीघ्र पूरा किया जाए।

ट्रक से हरियाणा ले जाए जा रहे 102 बोरी डोडा को पुलिस ने किया जब्त,चालक हिरासत में

हजारीबाग । जिला पुलिस द्वारा मंगलवार को चानो के पास एनएच 33 पर एक ट्रक से 102 बोरी डोडा जप्त किया ।एक प्रेस वार्ता में पुलिस कप्तान अरविंद कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें सूचना मिली कि ट्रक संख्या ,पीबी 11बीयू 8159 से अवैध डोडा को रांची से बरही की ओर ले जाया जा रहा है ।उक्त सूचना के आलोक में एनएच 33 पर चानो के समीप अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और अंचलाधिकारी के नेतृत्व में वाहन चेकिंग प्रारंभ किया गया ।इस दौरान ट्रक चालक वहां वाहन खड़ा कर भागने लगा जिसे पकड़ लिया गया ।चालक ने बताया कि ट्रक के डाला में लोहा बीलेट के अलावा बोरी में डोडा भी लदा है ।तत्पश्चात टीम द्वारा 47 लोहा बिलेट और 102 बोरियों में 1793 किलो 400 ग्राम डोडा जप्त किया गया ।प्राथमिक अभियुक्त पटियाला पंजाब के ट्रक चालक कर्मवीर सिंह ने बताया कि उक्त डोडा खूंटी से इस्मालियाबाद कुरुक्षेत्र हरियाणा ले जा रहा था ।पुलिस द्वारा डोडा सप्लायर और रिसीवर के विरुद्ध छापामारी की जा रही है।

रामनवमी पूजा के अध्यक्ष सीताराम सचिव बने वीरेंद्र

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के तुईओ स्थित दुर्गा मंडप परिसर में रामनवमी पूजा समिति गठन को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया शंकर रविदास और संचालन उत्तिम महतो ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से सीताराम प्रसाद अध्यक्ष, वीरेंद्र राणा सचिव, भूषण पासवान कोषाध्यक्ष, राजेश कुमार संयोजक पद पर चयनित हुए। वहीं निगरानी समिति में उत्तिम महतो, शंकर रविदास, विजय प्रसाद, बसंत कुमार रखे गए। वहीं महारामनवमी समिति में बतौर सदस्य खगेन्द्र प्रसाद, उत्तिम महतो, नारायण प्रसाद, सीताराम प्रसाद, वीरेंद्र राणा, सुशील प्रसाद, राजेश कुमार, विजय प्रसाद, शंकर रविदास, वसंत कुमार, भूषण पासवान, पिंटू कुमार, मेघलाल प्रसाद, लक्ष्मण महतो, संदीप कुमार, किशोर राणा, मनोज प्रसाद को बनाया गया है।

गोरहर में चला कानूनी जागरूकता अभियान

बरकट्ठा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण रांची के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हजारीबाग के बैनर तले पीएलबी नवीन पांडेय के द्वारा थाना क्षेत्र के गोरहर ग्राम में डोर टू डोर कानूनी जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इसके तहत घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, लोक अदालत मध्यस्ता, सरकार द्वारा चलाए जा रहे मनरेगा में रोजगार गारंटी योजना, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, डायन भूत प्रतिषेध अधिनियम आदि के बारे में नवीन पांडेय के द्वारा विस्तार से जानकारी दिया गया और महिलाओं से संबंधित कानून तथा उक्त कानून के विषय में पत्रिकाएं भी बांटी गई ।पीएलभी ने बताया कि 90 दिवसीय कानूनी जागरूकता अभियान सभी जिलों में डोर टू डोर चलाया जा रहा है तथा हजारीबाग में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव गौरव खुराना के नेतृत्व में यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

उपायुक्त ने की योजना की जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक, कहा

किसानों को प्रशिक्षित कर कर्षि कार्य में दक्ष बनाना है

क्रियान्वयन का प्रगति प्रतिवेदन उपायुक्त के समक्ष रखा

इस दौरान विभिन्न संस्थानों द्वारा अब तक किए गए कार्यो की प्रगति रिपोर्ट को उपायुक्त के समक्ष रखा। श्री अमर संस्कार कल्याण केन्द्र, बोकारो, बीज गुणन प्रक्षेत्र, नवादा, विष्णुगढ़, राजीव गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, हजारीबाग, बीज गुणन प्रक्षेत्र, बड़कागांव एवं छोटानागपुर विकास मंच, बीज गुणन प्रक्षेत्र, बरसौत, बरही। अर्न्तगत योजना के क्रियान्वयन का प्रगति प्रतिवेदन पीपीटी के माध्यम से जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। संस्था द्वारा किये गये कार्य का विपत्र तथा मनाव संसाधन के मानदेय संबंधी अन्य विषयों पर उपायुक्त ने जानकारी प्राप्त की। इस बैठक में पशुपालन पदाधिकारी डॉ न्यूटन तिर्की, जिला कृषि पदाधिकारी,जिला मत्स्य पदाधिकारी, परियोजना निदेशक आत्मा व अन्य मौजूद रहे।

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना सह कृषक पाठशाला योजना के क्रियान्वयन के संदर्भ में जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति (उछटउ) की बैठक आयोजित की गई। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा सभी सदस्यों को अवगत कराया गया कि हजारीबाग जिले में समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना सह कृषक पाठशाला की स्थापना की योजना प्रारम्भ की गयी है। प्रथम चरण में बीज गुणन प्रक्षेत्र, बड़कागांव के लिए राजीव गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, हजारीबाग। द्वितीय चरण में बीज गुणन प्रक्षेत्र, बरही, बरसोत के लिए छोटानागपुर विकास मंच, हजारीबाग एवं तृतीय चरण में बीज गुणन प्रक्षेत्र, चरही, हजारीबाग के लिए समर्पण चेरिटेबल ट्रस्ट रांची, बीज गुणन प्रक्षेत्र, कटकमसांडी के लिए माइनॉरिटी समग्र विकास पुंदाग, रांची एवं बीज गुणन प्रक्षेत्र, नवादा विष्णुगढ़ हेतु अमर संस्कार कल्याण केन्द्र, बोकारो को विभाग द्वारा चयन किया गया है। कृषि पदाधिकारी ने बताया कि इन संस्थानों द्वारा कृषक पाठशाला के माध्यम से आधुनिक कृषि तकनीक का प्रदर्शन एवं प्रत्यक्षण आयोजित किया जाना है। इसके अतिरिक्त कृषक पाठशाला के समीप के लगभग 10 गांवों में किसानों को कृषि एवं संबद्ध विषयों पर किसानों को प्रशिक्षित कर खेती कार्य में दक्ष बनाना है तथा कृषक पाठशाला में नकदी फसलें लगाकर अधिक से अधिक उत्पादन कर आर्थिक उत्थान के तरफ एक प्रभावी कदम उठाना है। कृषि एवं संबद्ध लघु निर्माण यथा बकरी शेड, गाय शेड, मुर्गी शेड एवं पिग शेड आदि का निर्माण कार्य किया जा रहा है तथा इस कार्य हेतु कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल हजारीबाग एवं कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमण्डल, हजारीबाग को प्राक्कलन तकनीकी स्वीकृति एवं पर्यवेक्षण के लिए नामित किया गया है। विभाग द्वारा निर्गत स्वीकृत्यादेश एवं संस्था के साथ किये गये एमओयू में अंकित शर्तों के अनुरूप संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं कर्मियों/मजदूरी का मानदेय भुगतान के लिए जिला स्तरीय अनश्रवण समिति से अनुमोदित / अनुशासित विपत्रों के भुगतान किये जाने का प्रावधान है।

जियाडा इंडस्ट्रियल क्षेत्र में हो रहे डीप बोरिंग को लेकर डीसी को पत्र

मार्च से जलस्तर सूखने लगता है टैंकर से होती है जलापूर्ति : इजहार

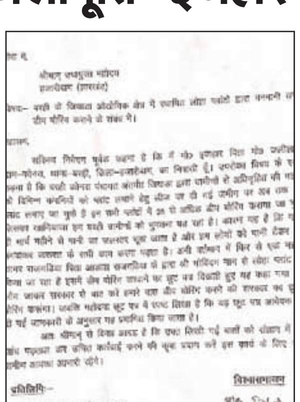

नवीन मेल संवाददाता। बरही

कोनरा के युवा समाजसेवी व उपमुखिया के पति मो इजहार अंसारी ने डीसी के नाम पत्र देकर जियाडा इंडस्ट्रियल क्षेत्र में हो रहे डीप बोरिंग पर रोक लगवाने की मांग किया है. डीसी से कोनरा ग्राम के पेयजल की वस्तुस्थिति बताते हुए तत्काल प्रभाव से होने वाले डीप बोरिंग को स्थगित करने का आग्रह किया है. आवेदन में बताया गया है कि जियाडा क्षेत्र स्थित 6 लौह फैक्ट्रियों में करीब 35 डीप बोरिंग है और जिससे क्षेत्र का जलस्तर काफी नीचे चला गया है. मार्च में ही जलस्त्रोत सुखने लगे है. बाबजूद एक नए फैक्ट्री के लिए फिर से डीप बोरिंग किया जा रहा है. इस संबंध में फैक्ट्री संचालक का कहने पर सरकार के द्वारा दिए गए एनओसी की हवाला देते है. पत्र की प्रति स्थानीय विधायक, सीओ, एसडीओ सहित मुख्यमंत्री को भी भेजे गए हैं. इनकी मांगों का समर्थन करते हुए समाजिक कार्यकर्ता रिजवान अली, तबरेज अशरफी ऊर्फ राजू, सफाउल रहमान आदि ने भी उपायुक्त से उचित कारवाई की मांग किया है.

गोला महावीर मंडल समिति के अध्यक्ष बने प्रमोद अग्रवाल

गोला। गोला महावीर मंदिर के प्रांगण में सोमवार की रात महावीर मंडल समिति की बैठक महादेव केशरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक की शुरूआत जय श्रीराम के जयघोष के साथ की गई। मौके पर महाराम नवमी का त्योहार धुमधाम से मनाने का निर्णय लेते हुए पूजा कमेटी का गठन किया गया। यहां गठित महावीर मंडल समिति के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, सचिव संजय प्रसाद बक्सी, कोषाध्यक्ष शंकर अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल बनाए गए। वहीं रामनवमी उत्सव को लेकर अलग से संजोयक मंडली का गठन किया गया। जिसमें संयोजक संतोष सोनी, सह संयोजक जितेन्द्र साहु सहित संरक्षक के रुप में उपप्रमुख विजय ओझा, महादेव केशरी, नन्दलाल स्वर्णकार, शैलेश सिन्हा, संजय पोद्दार, गिरीश बर्मन चुने गए। आयोजकों ने बताया कि रामनवमी पुजा धुमधाम से मनाया जाएगा। पूजा के दौरान आकर्षक झांकी, तासा पाटी, जुलूस, मंदिर का रंग रोगन व प्रसाद वितरण किया जाएगा।

रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता से की शिष्टाचार भेंट

रामनवमी महोत्सव हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है : मुन्ना सिंह

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

रामनवमी महासमिति के नव-निर्वाचित अध्यक्ष बसंत यादव ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह से उनके चान्हो स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुन्ना सिंह ने उन्हें अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। बैठक के दौरान आगामी रामनवमी महोत्सव की तैयारियों, समाज और संस्कृति के संरक्षण सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बसंत यादव ने कहा कि महासमिति धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को सफल बनाने के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस महोत्सव को भव्य एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का आह्वान किया। वहीं मुन्ना ने महासमिति की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि रामनवमी महोत्सव हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। इसे गरिमामय तरीके से मनाने के लिए सभी को एकजुट होकर सहयोग करना चाहिए।

सफेद हाथी साबित हो रहा है पंचायत में लगे सोलर जलमीनार

पानी के लिए चहुंओर मचा हाहाकार

निर्माण काल से ही सभी जलमीनार हैं बेकार, लोगों को एक बूंद भी नहीं मिला पानी

नवीन मेल संवाददाता। बरही

सरकारी राशियों का दुरुपयोग किस प्रकार से होता है, इसे प्रखंड के दुलमहा में बने सोलर जलमीनार की वस्तुस्थिति से स्पष्ट अंदाजा लगाया जा सकता है. प्रधानमंत्री नल जल योजना के तहत ग्राम दुलमहा में आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 2020-25 के कार्यकाल में लाखों रुपए की लागत से कई जलमीनार बनाए गए थे. जिसका मुख्य उद्देश्य दुलमहा और लखना के ग्रामीणों को घर घर पेयजल की आपूर्ति करना था. जिसे मुखिया की निगरानी में किया जाना था. परंतु प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के उदासीनता के कारण जलमीनार अब तक चालू नही हुआ. किसी भी जलमीनार से जनता को एक भी बूंद पानी मयस्सर नहीं हुआ. सूत्रों की माने तो सरकारी रिकॉर्ड में पेयजलापूर्ति योजना पूर्ण दिखाकर एक बड़े राशि की बंदरबांट कर ली गई है. जो जांच का विषय है. दुलमहा पंचायत के पूर्व पंचायत समिति और वर्तमान पंचायत समिति सदस्य के पति जितेंद्र गिरी ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने कई बार अधिकारियों, स्थानीय मुखिया व कार्यकारिणी की बैठक में बातें भी रखी, परंतु कोई लाभ नहीं हुआ. इस योजना से जनता को तो पानी नही मिला पर सरकार के लाखों रुपए पानी में बह गए. पेयजल की समस्या पंचायत में आज भी बरकरार है. जानकारी के अनुसार इस योजना के तहत प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में लगाए गए जल मीनार या नल की स्थिति कमोबेश ऐसा ही देखने को मिलता है. जिसमें कहीं बोरिंग नहीं है तो कही सोलर प्लेट ही नहीं लगाए गए है. कुछ जगहों पर तो पूर्व से किए गए बोरिंग से ही जलमीनार जोड़े जाने को जानकारी मिली है, जबकि नए डीप बोरिंग का प्रावधान था. स्थानीय ग्रामीणों सहित पूर्व पंसस ने अधिकारियो से उक्त जलमीनार को चालू करवाने की मांग किया है.

यूथ विंग की पहल से 5 दिन के नवजात को मिला जीवनदायी रक्त, सांसद ने की सराहना

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

मानवता की सेवा और जरूरतमंदों की सहायता के लिए हजारीबाग यूथ विंग ने एक बार फिर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई। हजारीबाग के क्षितिज अस्पताल में भर्ती 5 दिन के नवजात को तत्काल रक्त की आवश्यकता थी, लेकिन परिजनों द्वारा कई जगहों पर प्रयास करने के बावजूद उन्हें रक्त नहीं मिल पा रहा था। इस कठिन परिस्थिति में उन्होंने हजारीबाग यूथ विंग से संपर्क किया, जिसके बाद संस्था ने तुरंत पहल करते हुए रक्त की व्यवस्था करने के लिए प्रयास शुरू किए। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल के विशेष सहयोगी रूपम ओझा ने स्वयं आगे बढ़कर रक्तदान करने का निर्णय लिया और नवजात को जीवनदान दिया। इस अवसर पर मौके पर संस्था के सचिव रितेश खण्डेलवाल,सह सचिव अभिषेक पांडे एवं विकाश केशरी मौजूद रहें. इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने अपने विशेष सहयोगी रूपम ओझा को बधाई देते हुए उनके मानवता सेवा के कार्य की सराहना की। साथ ही, उन्होंने हजारीबाग यूथ विंग की सामाजिक पहल की प्रशंसा करते हुए युवाओं को ऐसे कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन एवं अध्यक्ष करण जायसवाल ने इस नेक कार्य के लिए रूपम ओझा को बधाई दी और उनके इस साहसिक कदम की सराहना की। उन्होंने कहा, रक्तदान सिर्फ एक जरूरतमंद की सहायता नहीं, बल्कि मानवता के प्रति सच्ची सेवा है। आज इस नवजात को नया जीवन मिला है, यह हमारे लिए गर्व का विषय है। हम युवाओं से अपील करते हैं कि वे रक्तदान के लिए आगे आएं, ताकि भविष्य में किसी भी जरूरतमंद को रक्त की कमी के कारण संकट न झेलना पड़े।

स्कूल में परीक्षा फल प्रकाशित, 7 अप्रैल से नए सत्र प्रारंभ

एसडीओ ने भी लिया पुत्र का प्रगति पत्रक कहा - बच्चों के लिए समय देना जरूरी

वर्ष भर के शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक गतिविधियों और बच्चों के प्रगति का मूल्यांकन है परीक्षा फल : प्राचार्य

नवीन मेल संवाददाता। बरही

डीएवी पब्लिक एलकेजी में द्वितीय और कक्षा अष्टम, नवम व एकादश के विद्यार्थियों के लिए मंगलवार को परीक्षाफल प्रकाशित किया गया. इस दौरान पीटीएम भी आयोजित किए गए. जहां संबंधित कक्षा के वर्गाध्यापक व विषयवार शिकाकों ने अभिभावकों को उनके बच्चों के वार्षिक प्रगति की जानकारियां दी. अभिभावकों ने भी खुलकर बात किया और अपनी समस्याओं और सुझावों से प्रबंधन को अवगत कराया. इसी क्रम में एसडीओ जोहन टुडू भी सपत्नीक अपने बच्चे का वार्षिक प्रगति पत्रक लेने विद्यालय पहुंचे. प्रबंधन से बात किया. बच्चों के प्रगति व समस्याओं की जानकारी लिया. साथ ही विद्यालय विकास संबंधित प्राचार्य डॉ आशुतोष मैढ़ को कई सुझाव भी दिए. एसडीओ ने बताया कि इस भाग दौड़ भरे जीवन में सभी कोई व्यस्त है. बाबजूद अपने बच्चों के कैरियर के लिए प्रत्येक अभिभावक को समय देना अनिवार्य है. तभी बच्चे भीं अनुशासित और संकल्पित हों सकते हैं. प्राचार्य डॉ मैढ़ ने बताया कि परीक्षा फल बच्चो के वार्षिक शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक गतिविधियों का मूल्यांकन होता है. यह मूल्यांकन ही नए सत्र की दशा व दिशा तय करता है. ऐसे में सभी अभिभावकों को पीटीएम में उपस्थित होनी ही चाहिए. उन्होंने बताया को आगामी 7 अप्रैल से नए सत्र की पढ़ाई प्रारंभ हो जायेगी. इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मी सहित कई अभिभावक और बच्चे मौजूद थे.

सिमडेगा डीसी ने सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक की

बिना हेलमेट के पेट्रोल पंप में तेल देने वाले पेट्रोल पंप का करें लाइसेंस रद्द : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान पिछली बैठक में दिए गए निर्देश की अनुपालन प्रतिवेदन का समीक्षा किया गया। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि फरवरी माह में। कुल 23 सड़क दुर्घटना हुई जिसमें 9 दुर्घटना राष्ट्रीय उच्च पथ पर एवं 14 दुर्घटना पथ निर्माण विभाग के सड़क पर हुई है। इन सभी दुर्घटनाओं में 16 लोगों मृत्यु हुई है तथा 07 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। बैठक में उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना मामले की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने संघन रूप से हेलमेट जांच अभियान चलाते रहने का निर्देश दिया। वहीं सभी पेट्रोल पंप में बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चालक को पेट्रोल ना दे इसे सुनिश्चित करें। जो पेट्रोल पंप बिना हेलमेट पहने वाले वाहन चालकों को पेट्रोल देते हैं तो सीसीटीवी कैमरे से जांच कर लाइसेंस रद्द करने की बात कहीं। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में हॉटस्पॉट वाले स्थान की चिन्हित कर विशेष रूप से वाहन जांच अभियान चलाते हुए मोटर वाहन अधिनियम के तहत आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। राष्ट्रीय उच्च पथ एवं पथ निर्माण विभाग के सहायक अभियंता राष्ट्रीय उच्च पथ एवं पथ प्रमंडल पदाधिकारी को सड़क किनारे मिट्टी फ्लैंक कराने तथा झाड़ियां की कटाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा सड़क से सेट पेड़ की चिन्हित कर वन प्रमंडल से परमिशन करते हुए कटाई करने की बात कही। राष्ट्रीय उच्च पथ के सहायक अभियंता को गाढ़ा नाला / फिकीपानी सहित अन्य स्थान पर सड़क के किनारे मिट्टी की फ्लेंक कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा रात्रि के समय शहर में विशेष कर नीचे बाजार से लेकर खैरनटोली व भट्टीटोली तक सड़क के किनारे बड़ी गाड़ियों का ठहराव ना हो इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। हिट एंड रन से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि हिट एंड रन से संबंधित सभी मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। वहीं एक मामले प्रक्रियाधीन है। तथा एक मामले में मृत्यु प्रमाण पत्र के कारण लंबित है। इसके अलावा जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि फरवरी माह 2025 में कल 756 वाहनों की जांच की गई जिसमें से बिना हेलमेट के 281, टेम्पो 146, अन्य व्यावसायिक वाहनों 164 की जांच की गई जिसमें 974770 रुपये की दंड राशि वसूली की गई।

डीसी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में खनन टास्क फोर्स की हुई समीक्षा की बैठक

सिमडेगा। उपायुक्त अजय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सौरभ की संयुक्त अध्यक्षता में मंगलवार को खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई।बैठक में जिला अंतर्गत अवैध खनन/परिवहन/ भंडारण के विरुद्ध की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि मार्च माह में अवैध खनन के 11 मामले पर कार्रवाई की। जिसमें से ठेठईटांगर, सिमडेगा एवं बोलबा प्रखंड में बालू के अवैध खनन/परिवहन के तहत कुल 07 पर कार्रवाई करते हुए 45000 की जुर्माना राशि वसूली की गई है। वहीं सिमडेगा एवं मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत पत्थर चिप्स की अवैध खनन/परिवहन के तहत कुल 04 पर कार्रवाई करते हुए 180540 की गई है। उपायुक्त ने अवैध खनन को रोकने के लिए लगातार संघन रूप से छापामारी अभियान चलने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला खनन पदाधिकारी को थाना प्रभारी एवं अंचलाधिकारी से समन्वय में स्थापित अवैध खनन के जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त महोदय ने सभी लाइसेंसधारी का खनन पट्टा क्षेत्र की जांच करने का निर्देश दिये। साथ ही वन क्षेत्र में खनन ना हो इसे सुनिश्चित करने की बात कहीं।बैठक में अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, जिला खनन पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित।

बानो पुलिस ने मानव तस्कर को रेलवे स्टेशन से पकड़कर भेजा जेल

नवीन मेल संवाददाता

बानो। क्षेत्र गश्ती के दौरान थाना के एएसआई सतनारायण कुमार को बानो रेलवे स्टेशन परिसर में एक औरत,एक आदमी और उसके साथ तीन बच्चियां संदीग्ध अवस्था में नजर आई,जिसकी सूचना एएसआई ने तुरंत थाना प्रभारी बानो को दी।थाना प्रभारी विकास कुमार अविलंब कार्रवाई करते हुए महिला चौकीदार संपत्ति देवी और पुलिस दलबल के साथ रेलवे स्टेशन परिसर पहुंचे तो देखा कि एक औरत अपने पति और तीन बच्चियों के संग ट्रेन पकड़ने का इंतजार कर रही थी।सभी को पूछताछ हेतु बानो थाना लाया गया तथा बच्चियों के परिजनों को सूचना दी गई सूचना के उपरांत परिजन बानो थाना आए।बच्चियों के

परिजनों ने सुजाता बागे और उनके पति प्यारा विल्सन बागे को पहचाने से इनकार किया उन्होंने बताया कि दोनों को नहीं जानते यह दोनों बिना अनुमति के हमारे नाबालिक बच्चियों को बहला-फुसलाकर मानव तस्करी कर काम करवाने के नियत से बेचने के लिए जयपुर ले कर जा रहे थे।पूछताछ और निरीक्षण के क्रम में यह बात प्रकाश में आया कि औरत जिसका नाम सुजाता बागे उम्र 37 वर्ष, पति प्यारा विल्सन बागे गांव कारीमाटी,थाना जलडेगा निवासी है। सुजाता बागे बीते 7-8 वर्षों से अपने पति प्यारा विल्सन बागे के साथ मानव तस्करी का कार्य कर रही है। वे यहां के लोकल बच्चियों को बहला फुसलाकर अच्छा कपड़ा और रुपया का लालच देकर बाहर दूसरे राज्य में बेच देने का काम करती है।आज भी वह यही कार्य करने वाली थी अपने साथ तीन लड़कियां जिसमें एक बालिक और दो नाबालिक है को बहला फुसला कर अपने साथ बानो रेलवे स्टेशन से जयपुर ले जा रही थी।जिसके विरुद्ध बानो थाना में कांड संख्या 21/25 दिनांक 24-03-25 धारा 137(2)/143(2)3/(5)बी एन एस एवं 75/81 जे जे एक्ट बच्चों की देखभाल और संरक्षण अधिनियम 2015 के अंतर्गत कांड दर्ज कर न्यायिक हिरासत सिमडेगा भेज दिया गया।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने कार को मारी टक्कर, बाल-बाल बचे कार चालक

कोलेबिरा। सिमडेगा-रांची मार्ग के कोलेबिरा पिकपानी के पास सोमवार देर रात एक तेज रफ्तार मालवाहक ट्रेलर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन गनीमत रही कि कार सवार दोनों यात्री बाल-बाल बच गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया।मिली जानकारी के अनुसार, कार में दो लोग सवार थे, जो छत्तीसगढ़ के रायपुर से कोडरमा अंतिम संस्कार कार्यक्रम में जा रहे थे। रात करीब 12 बजे तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। कोलेबिरा पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त कार को हटवाकर सुरक्षित स्थान पर ले गई। साथ ही, सिमडेगा थाना को अज्ञात ट्रक की तलाश के लिए सूचना दी गई।

सिमडेगा पुलिस लाइन के पास चला वाहन जांच अभियान, ₹76350 जुर्माना वसूला

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार दोपहर 3:00 बजे सिमडेगा पुलिस लाइन के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व मोटरयान निरीक्षक प्रकाश रंजन ने किया। जांच के दौरान दो पहिया, तीन पहिया और चार पहिया वाहनों की गहन जांच की गई।इस दौरान बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, वैध दस्तावेजों की कमी, ओवरलोडिंग और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। निरीक्षक प्रकाश रंजन ने बताया कि अभियान के तहत कुल 25 वाहनों से 7635,0का जुर्माना वसूला गया।वाहन जांच के दौरान कई वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। विशेष रूप से हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग पर जोर दिया गया। मोटरयान निरीक्षक ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और यातायात नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इस अभियान से शहर में यातायात व्यवस्था को सुधारने में मदद मिलेगी और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी। प्रशासन ने सभी वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और जरूरी दस्तावेज साथ रखने की अपील की है ताकि अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके। मौके पर कार्यालय कर्मी सिद्धार्थ कुमार उपस्थित थे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा सिमडेगा ने 10 प्रखंड एवं 94 पंचायत में समिति का किया गठन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। मंगलवार को झामुमो जिला संयोजक मंडली सिमडेगा के प्रमुख अनिल कांडुलना, जिला संयोजक मंडली सदस्य सफीक खान , पूर्व जिला कोषाध्यक्ष नोवास केरकेट्टा , मो० अनस आलम , रणबीर हुसैन और अमित बडिंग,ने सिमडेगा जिला के सभी 10 प्रखंडों के प्रखंड समिति, जिला के सभी 94 पंचायतों के पंचायत समिति , सिमडेगा नगर समिति और सिमडेगा नगर के सभी 20 वार्डों का वॉर्ड समिति का गठन/पुनर्गठन कर केन्द्रीय कार्यालय रांची में जा कर, केन्द्रीय महासचिव म विनोद कुमार पांडेय के समक्ष जमा कर दिया। विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि झामुमो जिला संयोजक मंडली सिमडेगा बहुत अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रखंड, पंचायत, नगर और वार्ड समितियों का गठन होने से जिला समिति के गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया है जो शीघ्र ही कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा झामुमो कार्यकर्ता जिला अंतर्गत सभी गांवों में जा जा कर झारखंड सरकार द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों एवं योजनाओं के बारे बताएं,और साथ ही जिला में सदस्यता अभियान को भी तेज करें ताकि जिला में झामुमो को और मजबूत किया जा सके और योजनाओं का लाभ भी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकें । और कार्यकर्त्ता गांव गांव जाकर लोगों को पार्टी की नीति व सिद्धांत के बारे में बतायें तथा उन्हें पार्टी से जोड़ने का काम करें । अंत में उन्होंने सभी को संगठन की मजबूती के साथ उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

कोलकाता चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल में हुई विदाई समारोह का आयोजन

कोलेबिरा। प्रखंड के लचरागढ़ स्थित कोलकाता चिल्ड्रन एकेडमी विद्यालय में विदाई समारोह आयोजित कर पांचवी वर्ग के छात्र-छात्राओं को विदाई दिया गया। इस अवसर पर मुख्य रुप से शिव शंकर बेरा वहीं अतिथि के रूप में पत्रकार धनुर्योजय सिंह,अनुज कुमार साहू व धर्मवीर सिंह उपस्थित थे। प्राचार्य,अतिथियों और विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने मां सरस्वती के तस्वीर पर माल्यार्पण कर वहीं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।इसके बाद पांचवीं वर्ग में शामिल बच्चों के माथे पर तिलक लगाया गया तथा पेन-कॉपी व अध्ययन से संबंधित सामग्री देकर सम्मानित किया मौके पर प्राचार्य शिव शंकर बेरा, प्रमिला नायक, काजल महतो, रितु कुमारी आदि उपस्थित थे।

बघडेगा भंडार टोली में विहिप की बैठक रामोत्सव आयोजन को लेकर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

केरसई। आगामी 30 मार्च से 12 अप्रैल तक विश्व हिंदू परिषद द्वारा मंगलवार को आयोजित रामोत्सव को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। यह बैठक बघडेगा भंडार टोली में विभाग के केरसई पालक सह जिला सह मंत्री सुबोध महतो की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में रामोत्सव के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने रामनवमी शोभायात्रा, भजन-कीर्तन, धार्मिक प्रवचन, युवा संगठनों की भूमिका, सुरक्षा व्यवस्था, और जनसंपर्क अभियान जैसे प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर सुबोध महतो ने कहा कि भगवान श्रीराम केवल आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और मर्यादा के आदर्श भी हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से रामोत्सव को भव्य और अनुशासित तरीके से संपन्न करने की अपील की।बैठक में ग्राम समिति के अध्यक्ष, बजरंग दल के कार्यकर्ता, स्थानीय समाजसेवी, और बड़ी संख्या में रामभक्त उपस्थित थे। विहिप कार्यकर्ताओं ने निर्णय लिया कि गांव-गांव में संपर्क अभियान चलाकर अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को इस आयोजन से जोड़ा जाएगा। साथ ही, रामनवमी शोभायात्रा को भव्य और अनुशासित बनाने के लिए विशेष रणनीति बनाई गई।बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे इस धार्मिक आयोजन को पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ सफल बनाएंगे। सुबोध महतो ने कार्यकर्ताओं को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाएं और समाज में धार्मिक सौहार्द एवं एकता को बनाए रखें बैठक के सफल आयोजन के लिए उपस्थित लोगों ने विहिप के नेतृत्व को धन्यवाद दिया और आगामी रामोत्सव को यादगार बनाने की प्रतिबद्धता जताई।बैठक में मुख्य रूप से महेंद्र सिंह, कामेश्वर प्रधान, प्रभु नारायण सिंह, नीलांबर महतो, सूरज महतो,धनुर्जय बेहरा,देवगन मांझी, सन्तु कुमार सहित अन्य उपस्थित थे ।

ईद,सरहुल एवं रामनवमी पर्व को लेकर थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिले में आगामी ईद,सरहुल एवं रामनवमी पर्व के मद्देनजर मंगलवार को सदर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों,पुलिस विभाग, नगर परिषद,विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि,गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात रंजन ज्ञानी ने की। जिन्होंने त्योहारों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के त्योहार भाईचारे और आपसी मेलजोल का संदेश देते हैं, इसलिए समाज के सभी वर्गों को मिल-जुलकर इन्हें मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रशासन की नजर रहेगी। बैठक में पुना बेसरा ने सरहुल पर्व के मौके पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे जानकारी दी। वहीं ईदगाह कमेटी के अज़ीमुल्लाह अंसारी ने ईद के नमाज के बारे बताया। लल्लू शर्मा ने रामनवमी के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे जानकारी दी।

समाज के गणमान्य लोगों ने दिया सहयोग का आश्वासन

शांति समिति की बैठक में मौजूद समाजसेवियों और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सिमडेगा में सभी समुदायों के लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते हैं और आगे भी यही परंपरा कायम रहेगी। बैठक के अंत में थाना प्रभारी विनोद पासवान ने सभी को आश्वस्त किया कि प्रशासन हर परिस्थिति के लिए तैयार है और जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में सीओ इम्तियाज अहमद,नगर परिषद प्रशासक समीर बोदरा सहित कई अधिकारी व शांति समिति सदस्य मौजूद थे।

सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासन की अपील

बैठक में प्रशासन की ओर से बताया गया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। पुलिस बल तैनात किया जाएगा और सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। अफवाहों से बचने की अपील करते हुए एसडीओ ने कहा कि कोई भी विवादित पोस्ट या मैसेज शेयर न करें। किसी भी अप्रिय स्थिति में तुरंत पुलिस या प्रशासन को सूचित करें।

गढ़ियाजोर में राम जानकी मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव दूसरे दिन अखंड कीर्तन शुरू

कुरडेग। कुरडेग प्रखंड के गढ़ियाजोर में चल रहे तीन दिवसीय राम जानकी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन भक्तिमय माहौल देखने को मिला। गुरुवार को मंदिर परिसर में अखंड हरी कीर्तन की शुरुआत की गई, जिसमें श्रद्धालु भजन-कीर्तन कर भगवान का गुणगान कर रहे हैं।सुबह मंदिर में विशेष पूजन और हवन का आयोजन किया गया, जिसके बाद भजन मंडलियों द्वारा हरी कीर्तन प्रारंभ किया गया। इस दौरान श्रद्धालु "हरे राम हरे कृष्ण" के भजन गाकर भक्ति में लीन हो गए।महोत्सव में बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु जुटे हैं। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत तीसरे दिन भव्य शोभायात्रा, भंडारा और महाआरती का आयोजन किया जाएगा।स्थानीय ग्रामीणों ने इस महोत्सव को लेकर गढ़ियाजोर को भव्य रूप से सजाया है। भक्तों की सेवा के लिए प्रसाद और भंडारे की व्यवस्था की गई है।

विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने महुआ चुनने वालों के लिए जाल की मांग की

सिमडेगा। कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने मंगलवार को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान जंगलों में महुआ चुनने के लिए लगाई जाने वाली आग को रोकने के लिए सरकार से विशेष पहल की मांग की। उन्होंने कहा कि हर साल महुआ चुनने के लिए ग्रामीण जंगलों में पत्ते और झाड़ियों में आग लगा देते हैं, जिससे जंगलों को भारी नुकसान होता है और वन्य जीवों के लिए भी यह खतरा बन जाता है।विधायक कोंगाड़ी ने सरकार से मांग की कि महुआ चुनने वालों को "नेट जाल" उपलब्ध कराया जाए ताकि वे महुआ को बिना आग लगाए साफ और सुरक्षित तरीके से इकट्ठा कर सकें। उन्होंने कहा कि यह पहल जंगलों को आग से बचाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मददगार साबित होगी।उन्होंने विधानसभा में कहा, "ग्रामीणों की मजबूरी होती है कि वे महुआ के लिए जंगलों में आग लगाते हैं, क्योंकि सूखी पत्तियों के बीच महुआ खोजना मुश्किल होता है। लेकिन यह आग कई बार विकराल रूप ले लेती है, जिससे जंगल नष्ट होते हैं और पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचती है। अगर सरकार महुआ चुनने के लिए नेट जाल की सुविधा दे तो यह एक स्थायी समाधान बन सकता है।"उन्होंने सरकार से इस संबंध में तत्काल कदम उठाने और वन विभाग के माध्यम से महुआ चुनने वालों को यह सुविधा प्रदान करने की अपील की। विधायक की इस मांग का कई अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी समर्थन किया और सरकार से इस पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

न्यूज बॉक्स

सिमडेगा जिला परिषद बोर्ड की बैठक 26 को

सिमडेगा। जिला परिषद बोर्ड की बैठक 26 मार्च को आयोजित की जाएगी। यह बैठक जिला परिषद कार्यालय सभागार में दिन के 11:00 बजे से होगी, जिसमें पेयजल, ग्रामीण कार्य विभाग एवं अन्य विभागों की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की जाएगी।बैठक में सभी जिला परिषद सदस्य एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है। इस दौरान जिले में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की जाएगी और आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

घायल युवक की इलाज के दौरान हुई मौत

बांसजोर। बांसजोर थाना क्षेत्र के खमनटांड सकरा पुल के पास सोमवार देर शाम एक अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए उड़ीसा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान छोटू सिंह के रूप में हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छोटू सिंह साइकिल से अपने घर लौट रहा था, तभी तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी और फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। लेकिन डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। वे जल्द से जल्द आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि वाहन और चालक की पहचान हो सके। बांसजोर थाना प्रभारी ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। ऊपर थोड़ा वही जिला परिषद सदस्य ने भी अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवार का हौसला बढ़ाया पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी के पास इस हादसे से जुड़ी कोई जानकारी हो तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें।

बानो प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड कर्मियों के साथ बीडीओ ने की मासिक समीक्षा

बानो। प्रखण्ड कार्यालय के सभागार में प्रखण्ड कर्मियों की मासिक समीक्षा बैठक प्रखण्ड विकास पदाधिकारी नईम उद्दीन अंसारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना का जल्द सर्वे कर योजना में अधिक से अधिक लाभुकों को जोड़ने , मनरेगा योजना के तहत कूप निर्माण में प्रगति लाने पर चर्चा की गई। कूप निर्माण में समय पर कार्य पूर्ण करने, जो कार्य रुके हुए हैं उसे जल्द प्रगति में लाने पर जोर दी गई।आम बागवानी योजना में लगे पौधों का इंटरक्रॉपिंग ,जगह की साफ सफाई, दीमक के बचाव के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने का निर्देश, पौधों पर टेका लगाने तथा नया बागवानी योजना के लिए लाभुकों का जल्द चयन करने का निर्देश दिया गया। मौके पर बीपीओ चारु प्रसाद , सहायक अभियंता नितेश कुमार, जेई अमरेश कुमार, राजा कुजूर ,आकाश महतो,अजय सिंह, इसहाक,बसन्त मड़की,रमेश कुल्लू ,संजय डांग आशुतोष कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

एस के बागे महाविद्यालय में चला जागरूकता कार्यक्रम

कोलेबिरा। स्थित एस के बागे महाविद्यालय में सेबी की ओर से महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज कोलकाता के प्रवक्ता सम्राज नायर* के द्वारा विद्यार्थियों को बैंकिंग,शेयर बाजार,म्युचुअल फंड इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।आजकल अनेक क्षेत्रों में हो रहे साइबर क्राइम,ऑनलाइन स्कैम,फ्रॉड कॉलिंग आने आदि के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया गया ताकि वे किसी भी साइबर फ्रॉड में न फंसे।साथ ही बैंकिंग क्षेत्र में विद्यार्थियों को कैसे तैयारी करना है और उसमें अपने भविष्य को कैसे विकसित किया जाए।इन सभी विषयों के बारे में मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य अनूप कुमार गुप्ता एवं राजनीति विभाग के शिक्षक प्रो संजय प्रसाद,सुचित कुमार सिन्हा तथा अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी गणों ने भी प्रकाश डालते हुए अपना वक्तव्य बच्चों के बीच रखा।

छोटकाटोली में आदिवासी लोहरा समाज की बैठक

कोलेबिरा। प्रखंड क्षेत्र के छोटका टोली ग्राम में आदिवासी लोहरा समाज के प्रखंड अध्यक्ष मुनेश्वर तिर्की के अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक हुई,जिसमें आगामी प्राकृतिक पर्व सरहुल पूजा आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा किया गया। बैठक में धूमधाम से सरहुल पूजा मनाने का निर्णय लिया गया।मौके पर मुनेश्वर तिर्की ने सबों को संबोधित करते हुए कहा कि सरहुल पर्व झारखंड में आदिवासियों का एक महत्वपूर्ण त्योहार है,जो प्रकृति और विशेष रूप से साल के पेड़ की पूजा के लिए समर्पित है।बैठक में प्रखंड उपाध्यक्ष सखी लोहरा,बरसलोया पंचायत अध्यक्ष सुलोचनी देवी,पंचायत कोषाध्यक्ष कृष्णा लोहरा,बिरसा लोहरा,गुडु लोहरा,बेबी देवी के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

बानो थाना परिसर में थाना दिवस के अवसर पर 6 मामले का किया गया निपटारा

बानो। थाना परिसर में मंगलवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप से अंचलाधिकारी बानो रवि भूषण प्रसाद उपस्थित थे।उन्होंने लोगों की जमीन संबंधित विवादों को सुनते हुए उन्हें आपसी समझौते के आधार पर सुलझाने का प्रयास किया।मौके पर पुलिस अधिकारी और अंचल कर्मी भी उपस्थित थे।थाना दिवस के अवसर पर ग्रामीणों के द्वारा जमीन विवाद से संबंधित कुल 10 आवेदन मिला जिसमें 06 मामलों का निष्पादन किया गया।इस अवसर पर सीओ रवि भूषण प्रसाद ने जानकारी देते हुए कहा कि उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार थाना दिवस मे विभिन्न मामलों का निपटारा किया जाएगा।भूमि संबंधित मामलों सभी 10 मामलों की सुनवाई की गई और 06 मामलों का निपटारा किया गया एवं अन्य मामले हेतु अगली तिथि दी गई है।सीओ ने आगे कहा कि पुलिस प्रशासन के साथ विवादित भू स्थल पर जाकर जमीन की मापी की जाएगी। तत्पश्चात सत्यापन कर मामले को सुलझाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर अंचल निरीक्षक विल्सन केरकेट्टा,राजस्वकर्मी मिथलेश कुमार एस आई आइ ललन कुमार के अलावा ग्रामीण थे।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने सदन में दी गई रिपोर्ट पर विधायक ने जताई आपत्ति

सिमडेगा। कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा 11 मार्च को सदन में जो हर घर नल जल योजना सम्बंधित आंकड़ा पेश किया था। उस पर सदन में जमकर बहस हुई। विधायक कोलेबिरा सहित खिजरी विधायक राजेश कच्छप एवं सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने आंकड़े पर आपत्तियां दर्ज कराई। इसके बाद 22 मार्च को विभाग द्वारा पुनः जो आंकड़ा प्रस्तुत किया गया उससे विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी कोलेबिरा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह आंकड़ा भी ग़लत है। क्योंकि कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र में जो नल जल योजना 97 प्रतिशत दिखाया गया है वो हुआ ही नहीं है। बल्कि 50 प्रतिशत ही घरों को उक्त योजना से जोड़ा गया है। जबकि उसमें भी बहुत से अपूर्ण और खराब योजनाओं को भी शामिल कर दिया गया है। कोलेबिरा विधायक ने सदन के माध्यम से सरकार से मांग की है कि 2022-2023, 2023-2024, एवं 2024-2025 योजनाओं का उच्च स्तरीय जांचोपरांत ही भुगतान किया जाए, और अपूर्ण एवं खराब योजनाओं को चालू कराकर लाभान्वित परिवारों को अच्छादित किया जाए।

उच्च विद्यालय लचरागढ़ में वार्षिक परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन

कोलेबिरा। विवेकानंद शिशु/विद्या मन्दिर उच्च विद्यालय लचरागढ़ में मंगलवार को अभिभावक बैठक सह वार्षिक परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।अभिभावक बैठक की अध्यक्षता सुरेन्द्र सिंह के द्वारा किया गया। अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह,मुख्य अतिथि तस्वीर साहु,विशिष्ट अतिथि द्रोपदी देवी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित,पुष्पार्चन कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।इस बैठक में प्रधानाचार्य के द्वारा अभिभावकों के समक्ष विद्यालय और बच्चों के विकास हेतु विशेष बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। नए सत्र में इंग्लिश स्पोकन और कंप्यूटर की पढ़ाई होगी।इस बैठक में अभिभावकों से भी कुछ सुझाव लिए गए,उसके पश्चात प्रगति पत्र वितरण किया गया। मौके पर प्रमोद पाणिग्रही,सुदर्शन कुमार,जगेश्वर सिंह,गणेश सिंह,अर्जुन महतो,आचार्या लक्ष्मी देवी,विमला देवी,दशरथी देवी,बसंती देवी,शकुंतला कुमारी,निशि कुल्लू,रश्मि प्रधान,प्रगति सिंह, दीक्षित कुमारी,सुनीति कुमारी उपस्थित थे।

त्योहार को लेकर भरकट्ठा ओपी में शांति समिति बैठक आयोजित

ईद और रामनवमी में किसी भी रुट चार्ट पर परिवर्तन नहीं होगा : सीओ

29 को डीजे संचालकों और आखाड़ा समिति के साथ पुलिस करेगी बैठक

भरकट्टा ओपी प्रभारी अमन कुमार ने कहा कि ईद और रामनवमी त्योहार को शांति समिति बैठक आयोजित किया गया। निर्णय लिया गया कि आगमी 29 मार्च को डीजे संचालकों और अखाड़ा समिति के साथ एक बैठक पुलिस के मौजूदगी में किया जाएगा। ईद और रामनवमी त्योहार पर किसी भी तरह का डीजे नहीं बजेगा। क्योंकि हाई कोर्ट के आदेश के बाद अगर डीजे बजेगा तो फिर डीजे संचालकों पर कारवाही किया जागेगा।।

राष्ट्रीय नवीन मेल संवाददाता। बिरनी
आगामी ईद और रामनवमी त्योहार को लेकर भरकट्टा ओपी परिसर में शांति समिति का बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी फणीश्वर रजवार ने किया मौके पर सीओ संदीप कुमार मद्धेशिया संचालन भरकट्टा ओपी परिसर में ओपी प्रभारी अमन कुमार मौजूद थे।इस शांति समिति के बैठक में मुख्य रूप से उप प्रमूख शेखर सुमन, पूर्व प्रमूख प्रतिनिधि मनोज सिंह, जिला सांसद प्रतिनिधि नारायण पांडेय,मुखिया निरजंन वर्मा, केके वर्मा, मुखिया प्रतिनिधि ईश्वर मण्डल, राजेंद्र वर्मा, सगीर अन्सारी, जैनुल अंसारी, मोजहीद अन्सारी, पूर्व मुखिया कृपा महतो, बिसेसर साव शामिल हुए। प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र की गतिविधियों को जाने और आये हुए जनप्रतिनिधियों और समाजसेवी ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी तरह का घटना नहीं होती है। साथ मे दोनों समुदायों के लोग एकता का परिचय देते आ रहे हैं। चाहे वो ईद हो या फिर रामनवमी त्योहार मनाया जाता है। सीओ संदीप कुमार मद्धेशिया ने कहा कि ईद और रामनवमी त्योहार में किसी भी रुट चार्ट पर कोई भी किसी तरह का परिवर्तन नहीं किया जाएगा। शराब पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगी। डीजे वाले भी पर सख्ती रहेगी। मोटरसाइकिल पर तीन लोग सवार होकर पकड़े जाने पर पुलिस द्वारा बिना किस पूछताछ के कार्रवाई की जाएगी। असमाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रहेगी, कोई असामाजिक तत्व किसी प्रकार का हुड़दंग मचाने का प्रयास करेगा उसपर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस वैसे लोगों को पैनी नजर रखेगी। व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स अन्य सोशल मीडिया ग्रुपओ को एडमिन के द्वारा ओनली एडमिन कर दे। अगर किसी भी तरह का संदेह हो तो तुंरत पुलिस को सूचना करें।

अवैध बालू लदे ट्रक जब्त, एफआइआर दर्ज

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन,भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध बालू लदा एक टाटा 407 जब्त किया है। इसकी जानकारी देते हुए जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा ने बताया कि खान निरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक, बैंक मोड़ थाना के सब इंस्पेक्टर बाबु राम हांसदा एवं अन्य पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से बालू के अवैध खनन एवं परिवहन के विरूद्ध नया बाजार सुभाष चौक के पास औचक छापामारी की गई। इस क्रम में धनबाद की ओर से आ रहे एक बालू लदे टाटा 407, डब्ल्यू.बी. 37 बी 4736 को बिना परिवहन चालान के बालू का परिवहन करते पकड़ा गया। टीम ने वाहन को जब्त कर बैंक मोड़ थाना में वाहन मालिक, वाहन चालक, वाहन पर लदे बालू एवं इसमें संलिप्त अन्य सभी लोगों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई।

न्यूज | बॉक्स

मानगो निगम का फरमान- 31 तक होल्डिंग टैक्स जमा नहीं करने पर लगेगा जुर्माना

जमशेदपुर। वित्तीय वर्ष 2024-25 खत्म होने में महज सात दिन शेष रह गए हैं. लेकिन मानगो नगर निगम में लक्ष्य की तुलना में महज 80 ही होल्डिंग टैक्स की वसूली हुई है. चालू वित्तीय वर्ष में 14 करोड़ रुपये की तुलना में अब तक 10 करोड़ रुपए टैक्स की ही वसूली हो सकी है. इसे देखते हुए निगम ने बकाया होल्डिंग टैक्स वसूली के लिए अभियान तेज कर दिया है.उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार ने कहा कि 31 मार्च तक टैक्स जमा नहीं करने वालों से जुर्माना वसूला जाएगा. उन्होंने लोगों से जुमार्ना से बचने के लिए एक सप्ताह में बकाया टैक्स जमा कर देने की अपील की है. उन्होंने यह भी कहा कि निर्धारित अवधि से एक सप्ताह विलंब होने पर बकाया राशि का एक प्रतिशत, दो सप्ताह के लिए 2 प्रतिशत, एक माह की अवधि तक 3 प्रतिशत और दो माह की अवधि तक भुगतान राशि का 5 प्रतिशत जुमार्ना लगेगा. उपनगर आयुक्त ने कहा कि होल्डिंग टैक्स के बकाययेदारों को पहले ही नोटिस दिया गया था, इसके बावजूद निर्धारित समय तक बकाया का भुगतान नहीं किया गया. ऐसे होल्डिंग धारकों पर झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 182 एवं 184 के प्रावधानों के तहत अर्थदंड लगाया जायेगा. उनका बैंक खाता भी फ्रिज का दिया जायेगा.

विधायक निजी विद्यालयों की मनमानी फीस वसूली पर उठाए सवाल

हजारीबाग। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान भाजपा के सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने राज्य में शिक्षा व्यवस्था और निजी विद्यालयों द्वारा की जा रही मनमानी फीस वसूली के मुद्दे को सदन में प्रमुखता से उठाया। उन्होंने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग से कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका उद्देश्य छात्रों और उनके अभिभावकों को राहत दिलाना था। निजी विद्यालयों की मनमानी फीस वसूली विधायक ने सरकार से पूछा कि सीबीआई, आई सी एस ई और जैक बोर्ड से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में फीस संरचना इतनी भिन्न क्यों है? उन्होंने कहा कि अलग-अलग जिलों में स्थित स्कूलों की फीस में भारी अंतर देखने को मिलता है, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है विधायक ने यह मुद्दा उठाया कि क्या राज्य सरकार सभी निजी स्कूलों में फीस निर्धारण के लिए कोई,नीति लागू करने पर विचार कर रही है? उन्होंने सरकार से जवाब मांगा कि फीस नियंत्रण के लिए कोई रेगुलेटरी मैकेनिज्म (नियामक तंत्र) स्थापित किया गया है या नहीं। विधायक ने सरकार को याद दिलाया कि माननीय उच्च न्यायालय, झारखंड द्वारा 2017 में पारित आदेश के अनुसार, फीस निर्धारण के लिए एक समिति बनाई जानी चाहिए, जो यह तय करे कि निजी विद्यालय अनुचित तरीके से अधिक फीस न वसूलें। उन्होंने पूछा कि क्या राज्य सरकार ने इस आदेश का पालन किया है और यदि नहीं, तो अब तक क्या कदम उठाए गए हैं? विधायक प्रदीप प्रसाद ने सरकार से मांग की कि राज्य के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए एक समान फीस संरचना लागू की जाए।

उपायुक्त ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

31 मार्च है ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने मंगलवार को समाहरणालय से ई-केवाईसी कराने के लिए आपूर्ति विभाग के जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रथ को रवाना करने के बाद उपायुक्त ने कहा कि भारत सरकार के निदेर्शानुसार,राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से अच्छादित सभी लाभुकों को ई-केवाईसी करना अनिवार्य है। इसकी अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 निर्धारित है। जागरुकता रथ जिले के सभी प्रखंडों का भ्रमण करेगा और ई-केवाईसी के लिए छुटे हुए लाभुकों को जागरूक करेगा। साथ ही उन्हें झारखंड सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी भी देगा। वहीं एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पीला कार्ड धारी को निःशुल्क 35 किलोग्राम प्रति कार्ड, गुलाबी कार्ड धारी को निःशुल्क 5 किलोग्राम प्रति सदस्य, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत हरा कार्ड धारी को निःशुल्क 5 किलोग्राम प्रति सदस्य, मुख्यमंत्री नमक वितरण योजना के तहत पीला, गुलाबी एवं हरा कार्ड धारी को निःशुल्क एक किलोग्राम प्रति कार्ड, मुख्यमंत्री दाल वितरण योजना के तहत पीला, गुलाबी एवं हरा कार्ड धारी को निःशुल्क एक किलोग्राम प्रति कार्ड खाद्यान्न दिया जाता है। जबकि सोना सोबरन धोती साड़ी वितरण योजना के तहत पीला, गुलाबी एवं हरा कार्ड धारी को प्रति वस्त्र 10 रुपए की दर से एक साड़ी एवं एक धोती या लूंगी हर 6 महीने में दिया जाता है। वहीं चीनी वितरण योजना के तहत पीला कार्ड धारी को एक किलोग्राम प्रति माह निर्धारित अनुदानित मूल्य पर चीनी दी जाती है।

भरकट्ठा ओपी पुलिस ने गिरफ्तार कर अभियुक्त को भेजा जेल

बिरनी। भरकट्टा ओपी कांड संख्या 14/25 के आधार पर पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार करके गिरिडीह जेल भेज दिया है।भरकट्टा ओपी प्रभारी ने बताया कि कांड संख्या 14/25 अभियुक्त को गिरफ्तार करके जेल भेजा है।उन्होंने कहा कि गिरफ्तार रात्रि को जूठहाआम से गिरफ्तार कर के गिरिडीह जेल भेज दिया है।

नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के दो आरोपियों को उम्रकैद

चाईबासा। चाईबासा पुलिस के बेहतर अनुसंधान की वजह से नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा मिली है. गौरतलब है कि 13 अप्रैल 2023 को मंझगांव थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्ची के साथ दो युवकों के द्वारा जबरदस्ती दुष्कर्म की घटना की अंजाम दिया गया था. इस मामले में काण्डे बिरूवा और गुरूचरण पिंगुवा को गिरफ्तार किया गया था. इसके बाद एसपी आशुतोष शेखर के निर्देश पर अनुसंधानकर्ता ने सभी साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संग्रह करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया गया.

बीसीसीएल सीएमडी से जन्मतिथि सुधारने की मांग

धनबाद। अशोक राम अम्बेडकर फाउंडेशन सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य ने बीसीसीएल के सीएमडी को पत्र लिखकर जन्मतिथि सुधारने की मांग की। पत्र में उन्होंने लिखा कि निताई चन्द्र हाड़ी जो लोदना क्षेत्र में नॉर्थ तीसरा कोलियरी के अंतर्गत वरीय लेखपाल के पद पर कार्यरत है, जिसका कर्मी संख्या 61203330 है।वह 2 अगस्त 1989 को नौकरी में बहाल हुए है,जिसका सर्विस बुक में जन्मतिथि 17 मार्च 1965 है। इस जन्मतिथि के आधार पदोन्नति समय - समय पर मिलता आया है। परन्तु इनका सेवानिवृति 1965 के जन्मतिथि के आधार पर 31 मार्च को होना है,जबकि मैट्रिक प्रमाण पत्र के आधार पर तीन वर्ष नौकरी बची है। उपरोक्त आधार पर एक महादलित परिवार को समय से पहले सेवानिवृति होना एक सामाजिक,आर्थिक शोषण का परिचायक है। आवेदन के माध्यम से उन्होंने अनुरोध किया कि निताई चन्द्र हाड़ी के मैट्रिक प्रमाण को आधार मानते हुए उसके जन्मतिथि में सुधार की जाए एंव सर्विस को नियमित रखा जाए।

15 दिनों में बच्चों ने बनाया भव्य मंदिर, श्री राम-हनुमान संग प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिमा स्थापित

हजारीबाग। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव रामनवमी की तैयारियां पूरे हर्षोल्लास के साथ प्रारंभ हो चुकी हैं। हजारीबाग, जो अपनी रामनवमी परंपराओं के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है, इस बार भी उत्साह और भक्ति में डूबा हुआ है। इसी क्रम में, शहर के नन्हे कलाकारों ने रामनवमी से पूर्व, दूसरे मंगला के अवसर पर एक आकर्षक मंदिर का निर्माण किया, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। इस भव्य मंदिर को 5 वर्ष से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों ने अपने कौशल और मेहनत से तैयार किया है। इस मंदिर को डिजाइन अंकित केसरी के द्वारा किया गया है, वहीं उनके नेतृत्व में, इन बच्चों ने पिछले 15 दिनों में अपनी कलात्मकता और रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए इस मंदिर को मूर्त रूप दिया। मंदिर को पूरी तरह से माचिस की खाली डिब्बियों, माचिस स्टिक, आइसक्रीम स्टिक और अन्य सामग्री का उपयोग कर बनाया गया है। इस मंदिर में भगवान श्री राम और हनुमान जी की प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं, जो मंदिर की शोभा को और बढ़ा रही हैं। बच्चों ने अपनी सोच और सृजनात्मकता को दशार्ते हुए मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिमा भी स्थापित की है, जो उनकी राष्ट्रभक्ति और समकालीन घटनाओं के प्रति जागरूकता को दशार्ती है। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब बच्चे इस प्रकार की विशेष झांकी और मंदिर का निर्माण कर रहे हैं। इस पहल को पूरे मोहल्ले का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

पुलिस व सीडब्ल्यूसी की टीम ने रुकवाई नाबालिग की शादी

बोकारो। बोकारो जिले के कसमार प्रखंड हिसिम गांव में मंगलवार को 16 वर्षीय किशोरी की शादी होने वाली थी. इसकी सूचना मिलते ही प्रशासन व बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की टीम ने गांव पहुंचकर शादी रोकवा दी. किशोरी की दो बच्चों के बच्चों के पिता के साथ होनेवाली थी. जब इसकी सूचना बाल कल्याण समिति बोकारो व कसमार थाने को मिली तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए गांव पहुंचकर तत्काल शादी रोकते हुए किशोरी को बाल कल्याण समिति में प्रस्तुत किया गया. इस दौरान लड़की के घरवालों ने काफी हंगामा भी किया. मिली जानकारी के अनुसारी, किशोरी की शादी गोला थाना क्षेत्र के हेसापोड़ा गांव के खैराजारा में उमेश कुमार महतो के साथ तय हुई थी. गांव वालों ने बताया कि इसके पीछे घर की माली स्थिति ठीक नहीं होना है. कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो ने नाबालिग लड़की के परिजनों को चेतावनी देते हुए समझाया कि जब तक बेटी की उम्र 18 वर्ष पूरी न हो जाए, विवाह नहीं करना है. पहले पढ़ाई, फिर विदाई. उन्होंने परिजनों को किशोरी की पढ़ाई में हर संभव आर्थिक सहयोग का आश्वासन भी दिया.

झारखंड विधानसभा में गूंजा जेएनवी गांडेय के मृत छात्र रामकुमार यादव का मामला

विधायक ने दोषियों पर कानूनी कार्रवाई करने व उचित मुआवजे की मांग की

छात्र रामकुमार यादव का शव संदिग्ध परिस्थिति में पाया गया था जिसके बाद परिजनों और गिरिडीह के लोगों ने जमकर बवाल काटा था

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह
झारखंड विधानसभा में शून्यकाल के दौरान बरही के विधायक मनोज कुमार यादव के द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय गांडेय में पिछले महीने संदिग्ध हालत में मृत पाए गए छात्र रामकुमार यादव का मामला उठाया गया। उन्होंने मामले की जल्द से जल्द उद्भेदन करने और दोषियों को कठोर से कठोर सजा देने एवं परिजनों को उचित मुआवजा देने का मांग झारखंड सरकार से की। बता दें कि पिछले महीने 06 फरवरी को जवाहर नवोदय विद्यालय गांडेय के परिसर में 11वीं के होनहार छात्र रामकुमार यादव का शव संदिग्ध परिस्थिति में पाया गया था जिसके बाद परिजनों और गिरिडीह के लोगों ने जमकर बवाल काटा था। लेकिन उसके बाद भी जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करने की बात कही जा रही थी। जिला सांसद प्रतिनिधि दिनेश प्रसाद यादव और राष्ट्रीय यादव सेना के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव के आग्रह पर बरही के विधायक मनोज कुमार यादव जी ने शून्य काल के दौरान विधानसभा में मामला उठाया। सरकार ने आश्वस्त किया कि बहुत जल्द इस मामले का उद्वेदन होगा और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई किया जाएगा। साथ ही विधायक ने परिजनों को उचित मुआवजा देने का मांग किया। जिला सांसद प्रतिनिधि दिनेश प्रसाद यादव, राष्ट्रीय यादव सेना के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, यादव महासभा के अध्यक्ष धनेश्वर यादव, अधिवक्ता कामेश्वर यादव, सरजू यादव, राजेश यादव, राजेंद्र यादव, शिवशंकर यादव सहित अन्य लोगों ने विधायक मनोज कुमार यादव को इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया है।

जीप सदस्य व पंसस ने योजनाओं का किया उद्धघाटन

बिरनी। बिरनी प्रखण्ड के मध्य क्षेत्र की जिप सदस्य साजदा खातून ने मंगलवार को केंदुआ में नारियल फोड़कर नाली निर्माण का विधिवत शिलान्यास किया। ढक्कन के साथ नाली का निर्माण होगा जिसकी लंबाई 100 मीटर होगी। लगभग 8 लाख की लागत से नाली का निर्माण किया जाएगा। शिलान्यास होने से ग्रामीणों में काफी खुशी थी तथा जिप सदस्य को बधाई दिया। वहीं जिप सदस्य साजदा खातून ने संवेदक को गुणवत्ता के साथ नाली निर्माण करने की नसीहत दी। इस दौरान जिप प्रतिनिधि इकरामुल अंसारी, समाजसेवी सलीम अंसारी, मुखिया सहदेव यादव, उप मुखिया मो0 सिराज अंसारी, कमरुद्दीन अंसारी, अर्जुन यादव समेत दर्जनों लोग उपस्थित रहे। वहीं दूसरी और बिरनी प्रखंड के पेशम पंचायत के पंचायत समिति सदस्य शीतल तर्वे ने फाइबर ब्लॉक का उद्धघाटन किया । जिसकी कुल लगात एक लाख 96 हजार से बनाने वाली है कुल लंबाई दो सौ फिट तक फेवर ब्लॉक से सड़क बनेगी। जिसका उदघाटन किया गया।मौके पर शुकन्तला देवी, प्यासी देवी, तिलकी देवी, देवंती देवी, सावत्री देवी, उर्मिला देवी, बुंदिया देवी, लीलावती देवी, दिनेश मण्डल, उमेश मण्डल, लक्ष्मण मण्डल, रोहित मण्डल आदि लोग शामिल हुए।

बुजुर्ग महिला ने लगाई बेटी की प्रताड़ना से मुक्ति दिलाने की गुहार

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधव मिश्रा ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया। इसमें धनबाद चीरागोड़ा की रहने वाली एक बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त से बेटी की प्रताड़ना से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई। बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त को बताया कि उनकी चार बेटियां है। जिसमें तीसरे नंबर की बेटी, जिसकी शादी हो चुकी है लेकिन ससुराल से वापस घर आ गई है, रोज उनको प्रताड़ित और उनके साथ मारपीट करती है। बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त से बेटी को घर से निकालने और प्रताड़ना से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई। उपायुक्त ने बुजुर्ग महिला को दो-तीन दिनों में समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। वहीं पश्चिम बंगाल के अंडाल से आई दो महिलाओं ने बताया कि उनकी पैतृक जमीन गोमो कॉलेज के पास थी। परिवार में उनकी मां, दो भाई और तीन बहन है। उक्त जमीन रेलवे ने अधिग्रहित कर ली। भूमि अधीग्रहण के बाद दोनों भाइयों ने मुआवजा की राशि आपस में बांट ली और मां को घर से निकाल दिया। मां पिछले चार वर्ष से बेटी के साथ अंडाल में रहती है। महिलाओं ने उपायुक्त से इस मामले में हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई। जनता दरबार में पूर्वी टुंडी की महिला ने उपायुक्त को बताया कि वह विधवा है और उनका एक दिव्यांग बेटा है। वहीं इलाके के कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। विरोध करने पर दबंगों द्वारा गाली गलौज और मारपीट की जाती है। इसके अलावा जनता दरबार में रेलवे द्वारा अर्जित की गई जमीन का मुआवजा दिलाने, ऑनलाइन रसीद निर्गत कराने, एसएनएमएमसीएच में एचआइवी पीड़ितों के लिए डायलिसिस मशीन उपलब्ध कराने, महावीर नगर स्थित तालाब की सफाई कराने, माननीय उच्च न्यायालय, रांची, के आदेश के बावजूद सास - ससुर द्वारा विवाहिता को घर का ताला खोलने से रोकने, बेटी के इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

दुकानों-होटलों के फूड लाइसेंस व पंजीकरण के लिए शिविर आयोजित

नवीन मेल संवाददाता। चक्रधरपुर
खाद्य पदार्थ की दुकानों व होटलों को फूड लाइसेंस निर्गत करने व पंजीकरण के लिए मंगलवार को चक्रधरपुर नगर परिषद कार्यालय के समीप विवाह भवन में दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में शहर के सभी होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, डिस्ट्रीब्यूटर, होलसेलर, रिटेलर, आरओ वाटर प्लांट, बेकरी दुकान, किराना दुकान, फूड सप्लीमेंट बेचने वाले, दवा दुकान, फल सब्जी विक्रेता व गन्ना जूस, फल जूस, मांस, मछली, अंडा के विक्रेताओं ने पंजीकरण कराया. साथ ही फूड लाइसेंस के लिए आवेदन जमा किया. इस मौके पर मौजूद जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अभिषेक आनंद ने बताया कि पश्चिमी सिंहभूम जिला के डीसी के निर्देश पर यह शिविर लगाया गया है. उन्होंने कहा कि खानपान से संबंधित कारोबार करने वाले लोगों को फूड लाइसेंस लेना अनिवार्य है.शिविर में लाइसेंस का नवीनीकरण भी किया जा रहा है. शिविर बुधवार को भी लगेगा.

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)
समाहरणालय ब्लॉक-ठ छत्तरमाण्डू जिला रामगढ़ (झारखण्ड) 825101
दूरभाष :- 06553-231359 E-mail:- ddc-ramgarh@jharkhandmail.gov.in

-:अति अल्पकालीन निविदा सूचना:-

ग्रामीण विकास विभाग, झाररखण्ड सरकार, रांची के पत्रांक-(N)273(अनु0) रांची दिनांक-03.03.2025, पत्रांक-265, दिनांक-03.03.2025 एवं पत्रांक-77, दिनांक-22.01.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मनरेगा अन्तर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना (BHGY) के क्रियान्वयन हेतु पौधे में प्रयुक्त होने वाले सामग्री यथा (खाद, फफुन्दनाशक, कीटनाशक, एंटी बैक्टीरियल (जीवाणु रोधक), रसायनिक खाद, प्लास्टिक आदि) आदि का रामगढ़ जिला अन्तर्गत सभी प्रखण्ड में आपूर्ति हेतु क्रय किया जाना है। निम्न सामग्री के दर निर्धारण हेतु इच्छुक पंजीकृत निविदादाता/आपूर्तिकर्त्ताओं जिसका GST No. झारखण्ड का हो से अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। आपूर्तिकत्ता शिलबन्द लिफाफे में निविदा दिनांक- 04.04.2025 को अपराह्न 12:30 बजे तक जिला ग्रामीण विकास शाखा, रामगढ़ के कार्यालय में निबंधित डाक/स्वयं हाथो- हाथ जमा कर सकते है। प्राप्त निविदा उसी दिनांक- 04.04.2025 को अपराह्न 01:30 बजे उप विकास आयुक्त-सह-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, रामगढ़ के कक्ष में क्रय समिति के समक्ष खोला जायेगा। जिसमें निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति उपस्थित रह सकते है।

Sl.	सामग्री का नाम	Name of Material
1	खाद	1.Vermi-Compost (In kg) or equivalent 2. गोबर खाद या FYM, City Compost 3. Karanj/Neem oil cake (In kg) 4. Bone meal/SSP (In kg) 5. Dolomite (In kg)
2	फफुन्दनाशक	1.Trichoderma Viridi 1.5%W.W. (2X10^6-10^8CFU/gm) 2.Chlorothalonil 75%WP, 3.Copper Oxychloride(Blue Copper or equivalent) (in KG)
3	कीटनाशक	1. Fipronil 0.3 GR 2. Azadirechtin 3000PPM 3. Lamda-Cyhalothrin 5% EC 4. Bifenthrin 2.5% EC ; BiflexTC or equivalent
4	Antibiotic	1. Plant Antibiotic (Kasugamycin 5% या सममुल्य in ml.)
5	रसायनिक खाद	1. सूक्ष्म-पोषक तत्व (Totocare / Agromin या Equivalent 2. Urea in KG 3. NPK 10:26:26 (सुफला या सममुल्य) 4. SSP 5. MoP (पोटाश)
6	प्लास्टिक	1. जलकुण्ड हेतु 250 माइक्रोन का UV Resistant Polythene (in kg)

नियम एवं शर्तें की विस्तृत विवरणी www.ramgarh.nic.in के वेबसाईड पर देखी जा सकती है।

ह०/-
उप विकास आयुक्त,-सह-
अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, रामगढ़

PR 349202 Rural Development(24-25)#D

सुप्रभात | विचार प्रवाह

मेरे मन का राज्य अज्ञान से मलिन है। प्रभु! मुझे आशीर्वाद दें कि आत्मानुशासन के सतत प्रयासों की निरंतर वर्षा द्वारा मैं अपनी आध्यात्मिक लापरवाही के नगरों से, अज्ञान के प्राचीन मलबे को हटाने में समर्थ बन सकूँ। - **श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

दस लाख जीव विलुप्ति के कगार पर

अध्ययन के अनुसार दस लाख जीव विलुप्ति के कगार पर हैं। 300 साल पहले मनुष्य ने पहली विलुप्ति डोडो पक्षी के रूप में देखी, जो जैविक दृष्टि से अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में पाए जाने वाले निकोबारी कबूतर के ही परिवार का पक्षी है। चार्ल्स डार्विन के विलुप्ति के औचित्य के तर्क अपनी जगह हों, लेकिन डोडो के लुप्त होने में मनुष्य के लिए एक पारिस्थितिकीय संदेश छिपा है। विलुप्ति शब्द तब से हमें परेशान कर रहा है, जब हमें इसके बारे में पता भी नहीं था। ऐसे समय में जब प्रजातियों के लुप्त होने की अवधारणा को हम समझ भी नहीं पाए थे, विलुप्ति को प्रकट करने वाला पहला जीव शायद डोडो ही था। मोटा और उड़ने में असमर्थ यह पक्षी 17वीं सदी में मॉरीशस द्वीप पर यूरोपीय नाविकों को मिला। पश्चिमी लोगों द्वारा किए गए शिकार के कारण इस पक्षी के लुप्त होने को सबसे शुरुआती ज्ञात विलुप्ति माना जाता है। डोडो मॉरीशस द्वीप का स्थानीय पक्षी था, जिसका सबसे करीबी जीवित रिश्तेदार निकोबार कबूतर है, जो भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पाया जाता है। पर विलुप्ति के बावजूद चार शताब्दियों से डोडो हमारी कला और तर्कों में एक प्रतीक बनकर रहा है।हम अपने पूर्वजों की गलतियों को सुधार नहीं सकते, लेकिन बची हुई प्रजातियों की रक्षा करने और उनका आनंद लेने के लिए नए संकल्प के साथ पारिस्थितिक दुख से उबर सकते हैं। प्राकृतिक दुनिया से संबंध बनाना बिल्कुल संभव है, जो हमें विकास की ओर ले जाता है। एक डोडो का वजन आसानी से 50 पाउंड हो सकता है, ऐसे में उसकी मोटाई उसकी अजीब छवि को बढ़ावा देने में मदद करती है। एक डोडो से 25 नाविकों का पेट भरा जा सकता था, भले ही डोडो का मांस चिकना और बेस्वाद होता था। नाविकों द्वारा शिकार किए जाने के कारण तथा यूरोपीय लोगों के साथ आए चूहों और सूअरों द्वारा उनके अंडों और आवास को नष्ट कर दिए जाने के कारण डोडो लंबे समय तक जीवित नहीं रहे। आखिरी डोडो को वर्ष 1700 से पहले ही मार दिया गया था। उस समय, मानवता आसानी से किसी प्रजाति के विलुप्त होने की कल्पना नहीं कर सकती थी। डोडो के गायब होने के बाद, कई लोगों ने सोचा कि उनका गायब होना मनुष्यों के लिए एक संदेश था। फ्रांसीसी जीवाश्म विज्ञानी जॉर्जेस कुवियर को लोगों को यह समझाने में सौ साल से ज्यादा का समय लग गया कि पृथ्वी से प्रजातियों को हमेशा के लिए खत्म किया जा सकता है। जीवाश्मों का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने 1796 में तर्क दिया कि प्राकृतिक आपदाओं के चलते कई प्रजातियां विलुप्त हो गई थीं। मनुष्य हिमयुग के बाद से विलुप्ति का कारण बन रहे थे। डोडो के विनाश के बारे में एक नई समझ पैदा हुई, हालांकि इसमें हमेशा शोक शामिल नहीं था। डार्विन और उनके साथी उन कछुओं को नहीं बचा पाए, जो जल्द ही डोडो की तरह विलुप्ति का शिकार हो गए। डार्विन ने निश्चित रूप से डोडो के लिए शोक जताया, लेकिन उन्होंने विलुप्त होने को अन्य तरीकों से भी देखने की कोशिश की-एक रचनात्मक शक्ति के रूप में, जो विकास के लिए आवश्यक है।

ओला वृष्टि से किसानों को करोड़ों का नुकसान हुआ साथ ही मौसम में हुए अचानक से बदलाव से कई लोग अस्वस्थ भी हो गए।

विश्व को नया आकार देने वाले भू-राजनीतिक रुझानों से निपटना

ट्रंप प्रशासन अपने दूसरे कार्यकाल में टैरिफ और 'अमेरिका को फिर से महान बनाने' की नीतियों पर दोगुना जोर दे रहा है। ट्रंप प्रशासन अतीत के गठबंधनों को फिर से परिभाषित और पुनर्लेखन करने का काम भी कर रहा है जिसकी गूंज यूरोप और एशिया में उनके सहयोगियों द्वारा महसूस की जा रही है। इन कदमों का उद्देश्य व्यापार संतुलन में सुधार और सार्वजनिक व्यय को कम करके अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। अमेरिका ने पेरिस समझौते व विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से खुद को अलग कर लिया है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) से भी वह पहले ही अलग हो चुका है। ये कदम वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवस्था में एक शून्य पैदा कर रहे हैं। यह शून्य लंबे समय तक नहीं रहेगा-इसे प्रतिस्पर्धी शक्तियों द्वारा भरा जाएगा। अमेरिका सबसे शक्तिशाली बना हुआ है और हम एक बार फिर एक बहुध्रुवीय दुनिया का उदय देख रहे हैं। विखंडित वैश्वीकरण, तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई, ऊर्जा की भू-राजनीति और ढहता वैश्विक शासन विश्व को नया आकार देने वाले प्रमुख भू-राजनीतिक रुझान हैं जिनसे भारत को निपटना होगा।

वैश्वीकरण का विखंडन

जैसा कि हम जानते हैं, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के युग में हमने जो वैश्वीकरण का युग देखा था, वह समाप्त होने वाला है। वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से, हमने वैश्वीकरण का विखंडन देखा है। व्यापार युद्धों ने इस विखंडन को और तेज़ कर दिया है। कोविड-19 महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारी व्यवधान पैदा किया और इसके फलस्वरूप देशों और व्यवसायों को वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने के लिए प्रेरित किया। ट्रम्प प्रशासन द्वारा फिर से टैरिफ़ लगाने के साथ, व्यापार युद्धों का दूसरा युग हमारे सामने है। चाहे पारस्परिक हो या सभी टैरिफ़, व्यापार युद्ध विश्व व्यापार को बहुत ज़्यादा बाधित करेंगे। व्यापार युद्ध अब सिर्फ़ बिक्री की वस्तुओं के बारे में नहीं रह गए हैं। वे प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और औद्योगिक नीति जैसे कारकों को प्रभावित करते हैं। देश ऊर्जा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक उद्योगों में संरक्षणवाद और क्षमताओं का निर्माण करने का सहारा ले रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अधर में लटके होने के साथ, देश द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यापार समझौतों की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं। फ्रेंड-शोरिंग का उदय और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने का लक्ष्य भारत के लिए अवसर प्रस्तुत करता है। हम सही नीतियों, रणनीतिक द्विपक्षीय व्यापार सौदों और व्यापार सुगमता पर ध्यान केंद्रित करके विनिर्माण के क्षेत्र में निवेश को आकर्षित कर सकते हैं।

आज की बात

अमिताभ कांत
जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ

प्रौद्योगिकी : वैश्विक शक्ति के लिए युद्ध का मैदान

प्रथम औद्योगिक क्रांति से लेकर चौथी तक वैश्विक शक्ति गतिशीलता को आकार देने में प्रौद्योगिकी प्रमुख प्रेरक शक्ति रही है। आज के युग में, सेमीकंडेक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां प्रमुख प्रेरक शक्ति हैं। राष्ट्र तकनीकी संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए चिप निर्माण में अरबों रुपए डाल रहे हैं। एआई में देशों और कंपनियों से समान रूप से बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। साथ ही, साइबर युद्ध और एआई द्वारा उत्पन्न जोखिमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। साइबर युद्ध पूरे ऊर्जा ग्रिड को बाधित कर सकता है या भुगतान और बैंकिंग प्रणालियों को प्रभावित कर सकता है। एआई द्वारा संचालित भ्रामक सूचना चुनावों को बाधित कर सकते हैं और सामाजिक कलह को जन्म दे सकते हैं। एआई को दुनिया भर के समुदायों द्वारा आकार दिया जाना चाहिए, स्वामित्व में लिया जाना चाहिए और तैनात किया जाना चाहिए। हमें कुशलता से नवाचार करना चाहिए, कम से कम में अधिक करना चाहिए, ओपन सोर्स और सरल इंजीनियरिंग को बढ़ावा देना चाहिए और बहुभाषी और मल्टीमॉडल मॉडल बनाना चाहिए। वैश्विक समुदाय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रौद्योगिकी, नुकसान को सीमित करते हुए समावेशी हो। भारत मॉडल, जिसमें प्रौद्योगिकी का उपयोग विभाजन को बढ़ाने के बजाय उसे पाटने के लिए किया जाता है, दुनिया के लिए एक आदर्श हो सकता है।

ऊर्जा की भू-राजनीति और ऊर्जा परिवर्तन

स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव शक्ति गतिशीलता को फिर से परिभाषित कर रहा है। महत्वपूर्ण खनिजों (लिथियम, कोबाल्ट, दुर्लभ मृदा तत्वों) से समृद्ध राष्ट्र या इन महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को नियंत्रित करने वाले देश अधिक प्रभावशाली बन रहे हैं। आज, लगभग 70-80 प्रतिशत दुर्लभ मृदा तत्वों (आरईई) निष्कर्षण और प्रसंस्करण चीन द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दुनिया के 80 प्रतिशत सौर सेल चीन द्वारा उत्पादित किए जाते हैं और इसी तरह लगभग 70 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी भी चीन द्वारा उत्पादित की जाती हैं। चीन पहले से ही तकनीकी अपनाने के मामले में आगे है, ट्रम्प प्रशासन के तहत अमेरिका पेरिस समझौते से बाहर हो गया है और इसके बजाय वह जीवाश्म ईंधन विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के लिए बहुत बड़ा जोखिम पैदा करता है। विकसित राष्ट्र पहले ही वैश्विक कार्बन बजट का 80 प्रतिशत हिस्सा खर्च कर चुके हैं और जी7 देशों से कोयले का चरणबद्ध तरीके से उन्मूलन अब 2030 के बजाय 2035 तक होगा। इसके अलावा, विकसित राष्ट्र विकासशील देशों को जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी प्रदान करने की अपनी जिम्मेदारी में विफल हो रहे हैं। इससे विकासशील देशों के लिए अपनी विकास महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बहुत कम जगह बचती है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर हमारी दौड़ को वैश्विक गठबंधनों के नए रूपों की आवश्यकता है। देशों को अगली पीढ़ी के सौर पैनल, इलेक्ट्रोलाइज़र और वैकल्पिक सेल केमिस्ट्री (एसीसी) बैटरी जैसी तकनीक पर सहयोग करना चाहिए। भारत को निर्णायक रूप से कार्य करना चाहिए, ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपने घरेलू इकोसिस्टम का निर्माण जारी रखना चाहिए। हमें प्रसंस्करण और शोधन के लिए क्षमताओं का विकास करते हुए महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापार साझेदारी भी सुरक्षित करनी चाहिए।

बढ़ते वैश्विक संघर्ष के बीच ढहता वैश्विक शासन

ऐसे समय में जब वैश्विक सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता है, हमारे पास जो संरचनाएं हैं, वे विफल हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। वैश्विक तापमान पहले ही 1.5 डिग्री सेल्सियस के सीमा को पार कर चुका है। ग्लोबल साउथ, अपने प्रतिनिधित्व और अपनी प्राथमिकताओं दोनों के मामले में हाशिये पर है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गतिरोध बना हुआ है, विश्व व्यापार संगठन में विवाद समाधान तंत्र का अभाव है और कॉप29 बहुत जरूरी जलवायु वित्त पोषण प्रदान करने में विफल रहा है। यूक्रेन से लेकर गाजा और सूडान तक, दुनिया भर में संघर्ष बढ़ रहा है। जैसा कि पीएम मोदी ने बार-बार कहा है, जलवायु परिवर्तन, महामारी और वित्तीय अस्थिरता की आज की चुनौतियां राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं देखती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि हम पुरानी संस्थाओं के साथ 21वीं सदी की चुनौतियों से नहीं लड़ सकते। एक नए वैश्विक शासन ढांचे की आवश्यकता है जो ग्लोबल साउथ को अपने केंद्र में रखे और यह स्वीकार करे कि दुनिया अब कुछ चुनिंदा शक्तियों का क्षेत्र नहीं है। यह क्षण भारत के लिए एक वैकल्पिक वैश्विक आर्थिक मॉडल को आकार देने और अधिक समावेशी अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली की वकालत करने का एक अवसर है। आने वाला दशक वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार देगा। भारत उभर रहा है और वैश्विक मंच पर एक व्यावहारिक नेता के रूप में अपनी स्थिति बना रहा है। हम ग्लोबल साउथ के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने ला रहे हैं जबकि वैश्विक संघर्ष पर एक समझौतावादी रुख अपना रहे हैं। प्रधानमंत्री का हालिया बयान कि हमें मतभेद के बजाय संवाद पर जोर देना चाहिए, ने वैश्विक स्तर पर एक गूंज पैदा की है। भारत का कूटनीतिक संतुलन इस युग की एक परिभाषित विशेषता बन रहा है।

(व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं)

सरकारी फाइलें और घोंघे की चाल

सरकारी दफ्तर की एक आलमारी में धूल से सनी एक फाइल आराम फरमा रही थी। यह फाइल पिछले सात सालों से अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। फाइलों की इस कतार में उसकी स्थिति वैसी ही थी जैसे भारतीय सड़कों पर कोई शरीफ आदमी ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए चलता है-सब उसे धक्का देकर आगे निकल जाते हैं! मगर अफसरों की व्यस्तता ऐसी थी कि वे फाइलों को देखने के बजाय मोबाइल स्क्रीन पर 'वर्कलोड' नामक व्हाट्सएप ग्रुप में मीम्स देखना ज्यादा पसंद करते थे। एक बाबू ने फाइल की ओर देखा, झुंझलाया और बोला-"अरे! तू अभी तक यहीं पड़ी है? हफ्ते में एक बार आगे खिसक तो लिया कर, वरना अफसर को लगेगा तेरा कोई काम ही नहीं।"फाइल को आखिरकार एक क्लर्क की दया दृष्टि मिली। उसने उसे खोलकर झांकने की कोशिश की, लेकिन अंदर से उभरी धूल ने ऐसी छींक दिलाई कि वह फाइल समेत उल्टा गिर पड़ा। उसकी छींक से सारा दफ्तर गूंज उठा, मानो सदियों से सोए सरकारी तंत्र को कोई झकझोर कर उठा रहा हो। झल्लाकर क्लर्क ने फाइल उठाई और झाड़ते हुए बोला-"सात साल में एक बार धूल झाड़ो तो बवाल खड़ा कर देती हो, और खुद अफसरों के सामने तो मुँह तक नहीं खोलती!" पास खड़े चपरासी ने हंसते हुए कहा-"फाइलें बोलने लगें तो बहुतों की नौकरी चली जाएगी!" बड़ी मशक्कत के बाद फाइल अफसर की मेज तक पहुँची। अफसर ने उसे ऐसे देखा जैसे कोई माँ अपनी बारहवीं बार फेल हुए बेटे की मार्कशीट देखती है। "इतनी पुरानी? अरे, इसे निपटा देते हैं, वरना कल को जाँच आ जाएगी और कोई पूछ बैठेगा कि इतनी पुरानी फाइलें पेंडिंग क्यों हैं!" अफसर ने फाइल को आगे बढ़ाने की बजाय एक और नोटिंग जोड़ दी-"जाँच हेतु समिति गठित की जाए।" यानी फाइल की उम्र और बढ़ा दी गई। उधर, घड़ी की सुइयाँ घूमती रहीं, साल बीतते रहे, और फाइल सरकारी गलियारों में टहलती रही। समिति का गठन हुआ। समिति के सदस्यों ने बैठक रखी, चाय-समोसे खाए, कुछ मोटे-मोटे शब्द लिखे, और निर्णय लिया-"इस मामले में गहराई से अध्ययन आवश्यक है।" गहराई से अध्ययन के लिए फिर से एक नई समिति बनी। नतीजा? फाइल फिर से सरकारी गाड़ी के पायदान पर लटक गई, जैसे किसी ट्रेन में बिना टिकट यात्री दरवाजे पर लटका रहता है। चपरासी ने बाबू से कहा-"साहब, इस फाइल का क्या करना है?" बाबू ने गहरी सांस ली और जवाब दिया-"अभी कुछ दिन और लटका रहने दो, शायद खुद ही हल निकल आए!" फाइल को लगा कि अब वह धूल से नहीं, आंसुओं से भीग जाएगी। मगर, सरकारी फाइलों की किस्मत में केवल प्रतीक्षा लिखी होती है। इधर जनता सड़क पर प्रदर्शन कर रही थी-"हमारे हक का फैसला कब होगा? **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

अलग बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

अभी भी होती है महिषा सुर मर्दिनि देवी के साथ महिषासुर की पूजा

दुर्गा के प्रति भारती समर्पण कोई नई बात नहीं है। यह आदि काल से बना हुआ है जबकि इसका चरमोत्कर्ष नवरात्र के साथ तब देखने को मिलता है जब चैत्र और आश्विन मास में यह पर्व देवी दुर्गा, देवी लक्ष्मी व देवी सरस्वती के स्वरूपों की उपस्थिति में पूरे उत्साह के साथ सार्वजनिक तौर पर मनाया जाता है। इस पूरे अनुष्ठान में देवी के विजय प्रतीक का साक्षात स्वरूप हमारे सामने होता है क्योंकि इसके साथ राक्षस महिषासुर पर विजय के उत्सव को उत्सव के तौर पर लेने की परंपरा रही है। मान्यताओं की मानें तो महिषासुर के अत्याचार से त्रस्त देवताओं की मुक्ति अभियान की पूर्णाहुति के तौर पर इस पूजा की शुरुआत हुई थी। यह एक ऐसा अभियान था जिसमें देवी दुर्गा व महिषासुर के बीच नौ दिनों तक युद्ध चला और दसवें दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर का वध करके विश्व में अमन शांति कायम करने का एक चमत्कार कर दिखाया।

सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो श्री दुर्गा के प्रति यह समर्पण न केवल धार्मिक तौर पर अद्वितीय है बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी यह उतना ही महत्वपूर्ण है क्योंकि इस अनुष्ठान में शक्ति, साहस और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक का जज्बा एक साथ छिपा हुआ है। सनातन संस्कृति की मानें तो श्री दुर्गा के प्रति यह समर्पण सार्वभौमिक है परन्तु झारखंड के इस अंचल में यह संदर्भ अपने आप में अनुठा रहा है। ऐसा इसलिए कि यदि बारीकी से देखें तो इतिहास से नजरें चुराकर यहां के हर गांव टोले की पूरबी सीमा में देवी गुड़ी के साक्षात दर्शन होते चले जाएंगे। इसी तरह आम धारणा के विपरीत आश्चर्यजनक तौर पर यहाँ महिषासुर के प्रति समर्पण की बातें भी सार्वजनिक पटल पर देखने को मिल जाएंगी। सामान्यतः यह एक अजीब सा प्रसंग हो सकता है परंतु यह सच तो यही है कि कभी छोटानागपुर की आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर प्रतिष्ठित बसिया परगना के मुख्यालय में प्राक् ऐतिहासिक शिवलिंग के साथ आपको न केवल महिषासुर विग्रह के दर्शन हो जाएंगे बल्कि इस विग्रह के प्रति अगाध श्रद्धा के भाव भी दिखाई पड़ेंगे। यह एक बानगी है जबकि आस्था के इस सैलाब में यहाँ जय, विजय, श्री लक्ष्मी, श्री सरस्वती, श्री कार्तिक, श्री गणेश व महिषासुरमर्दनी सहित तमाम विग्रहों के संपूर्ण स्वरूप का सहज सरल दर्शन भी होते चले जाएंगे। संदर्भों की दृष्टि से देखें तो यह कोई छोटी घटना नहीं है क्योंकि आम धारणा के विपरीत यहां की माटी में आतंकमर्दिनी के साथ साथ आतताइयों के प्रतीक महिषासुर में विद्यमान शक्ति व सद्गुणों के अंतर्गत गुरु तत्व देखने की परंपरा का निर्वाह होता चला आ रहा है।

उल्लेखनीय है कि शारदीय नवरात्र व चैती दुर्गा पूजा के दौरान बंगाल सहित पूरे संसार में मेढ़ लगाकर महिषासुरमर्दिनि के लिए अनुष्ठान संपन्न किये जाते हैं। परगना मुख्यालय बसिया में ऐसा कुछ भी नहीं है क्योंकि यहाँ सालों भर देवी के सभी विग्रहों की निरंतर पूजा तो होती ही है परन्तु साथ में महिषासुर की भी पूजा होती है। यहाँ के मुख्य बाजार के पास "मंडा-महादेव" की चर्चा प्रासंगिक है जिसके प्रांगण में आप बहुत सहजता के साथ महिषासुर के दर्शन कर सकते है। इस दर्शन के बाद महज कुछ सौ मीटर की दूरी पर ब्राह्मण टोला के बीचोंबीच एक प्राचीनतम कलेवर में आप समस्त विग्रहों सहित देवी श्री दुर्गा के आवाहन का सौभाग्य भी प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ समाज रूप से दोनों की पूजा होती है। इस संबंध में स्थानीय आस्था की मानें तो यहां महिषासुर और आदि शक्ति दुर्गा के इन दोनों विग्रहों में एक अलौकिक शक्ति का वास है। अब जज्बा, आस्था व समर्पण की त्रिवेणी की दृष्टि से देखें तो यह सबकुछ मनोकामना पूर्ति से साक्षात्कार के साक्षात स्वरूप से कम नहीं है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

केदारनाथ दास

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

बिना वेश बदले यहाँ, चल जाता है काम।
'मारीचों' ने ठग लिए, युग के कितने 'राम'।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

असंख्य हिंदु मंदिरों को तोड़ने के 'इतिहास' का नाम है 'औरंगजेब'

औरंगजेब एक धर्मांध शासक था। औरंगजेब ने इस्लाम को राज्य धर्म बनाया। बहुसंख्यक हिंदुओं को इस्लाम धर्म में परिवर्तित किया। उसने सामाजिक, राजनीतिक दुर्व्यवहार किया। वह कभी भी सर्व समाज का हितैषी नहीं रहा। सम्पूर्ण मानवता के लिए कभी स्वीकार करने वाला शासक नहीं बन पाया। साम्राज्य जरूर बढ़ता गया। उसने हिन्दुओं के प्रति ही नहीं शिया मुसलमानों के प्रति भी घृणित आचरण किया। राज्य की सेवाओं में शियाओं को औरंगजेब ने पृथक कर रखा था। औरंगजेब की क्रूरता की पराकाष्ठा इस सीमा तक थी, कि उसने हिन्दुओं पर (जजिया) तीर्थ कर व्यापारिक कर जैसी कठोरताएं की थी। हिंदुओं को भारत में ही अपमानित करने के साथ उसने राज्य की सेवाओं से हटाने की भी कार्रवाई की थी। असंख्य हिन्दू मंदिरों को तोड़ने, देवी-देवताओं की मूर्तियों को अपमानित कर तोड़ने के इतिहास का नाम है औरंगजेब।

औरंगजेब ने कभी मानवीय मूल्यों को नहीं समझा। वह भारत को दारुल हरब में परिवर्तित करने के लिए जीवन भर जुटा रहा। प्रत्येक भारतवासी को यह बात समझना होगा कि वह विदेशी हमलावर था। वह लाखों कत्ल करने वाले तैमूरलंग, बाबर, नादिरशाह, गजनी, गोरी, गाजी, खिलजी की तरह लुटेरा युद्ध पिपासु था। इन विदेशी आक्रांताओं ने लगातार मंदिरों,नगरों, गांवों को लूटा। कत्लेआम किया। भारत की संस्कृति, सभ्यता को तहस-नहस करने में कोताही नहीं बरती। बावजूद इसके भारत मे इनकी तरफदारी करने वाले अनेक लोग सक्रिय हैं। औरंगजेब को लेकर पूरे राष्ट्र में बहस है। एक तरफ बहस में भारत को एक संस्कृति एक राष्ट्र मानने जानने वाले लोग हैं, दूसरी तरफ विदेशी आक्रमणकारियों को उनके सैकड़ों वर्ष मृत्यु के पश्चात गले लगाने को आतुर दिखाई दे रहे हैं। उनके प्रतीकों को लेकर हल्ला मचा रहे हैं।

ऐसी स्थितियां भारत के मन को चिंतित और व्यथित करने वाली हैं। इससे अनेक प्रश्न भी उभर रहे हैं। भारत के वह लोग जो विदेशी हमलावरों की स्मृतियों को आखिर क्यों सजाने और संवारने को लेकर तत्पर हैं। झगड़े पर आमादा हैं। यह प्रश्न राजनीतिक नहीं है। यह भारत के "स्व" और भारत की संस्कृति पर हमला है। भारत की रिद्धि, सिद्धि और समृद्धि से जुड़े प्रश्न हैं। इस पर तो बात होनी ही चाहिए कि विदेशी आक्रांताओं का महिमा मण्डन करने वाले आखिर चाहते क्या है ? औरंगजेब के कालखंड में हिन्दू अपने मंदिरों की मरम्मत नहीं कर सकते थे। उसका सीधा आदेश था कि मंदिरों की मरम्मत न करने दी जाए। उसने अपने सूबेदारों को सभी हिन्दू मंदिरों एवं पाठशालाओं को तोड़ने की आज्ञा भी दी थी। इससे हिन्दू अपने धर्म की शिक्षा का प्रचार प्रसार न कर पाएं। बनारस का विश्वनाथ मंदिर, मथुरा का केशव देव मंदिर, गुजरात का सोमनाथ मंदिर ध्वस्त किए गए। साथ ही अधिकांश उत्तर भारत के बड़े-बड़े मंदिरों को तोड़ दिया गया था। औरंगजेब के अधीनस्थ हिन्दू राजाओं के राज्यों में भी मंदिर, पाठशालाएं ध्वस्त की गईं। इन सभी स्थानों पर औरंगजेब के आदेश अनुसार मस्जिद बनाई गईं। 1679 में हिंदुओं पर जजिया (धार्मिक कर) लगा दिया गया।

इसके लिए सभी गैर मुसलमानों को तीन वर्गों में बांटा गया। हिन्दुओं पर तीर्थ यात्रा कर लगाया गया। जबकि मुसलमान तो व्यापारिक कर से भी मक्त थे। हिन्दू व्यापारियों से वस्तुओं के मूल्य का पांच फीसदी धन "कर "के रूप में लिया जा रहा था। हिन्दुओं को लगान और विशेष स्थान की नियुक्तियों से हटा दिया गया था। साल 1674 में गुजरात में धार्मिक अनुदान में हिन्दुओं को दी गई भूमि को जब्त कर लिया गया। 1688 में हिन्दुओं के त्योहार और उत्सव पर प्रतिबंध लगाया गया था। उसी समय राजपूतों के अतिरिक्त सभी हिन्दुओं को पालकी या अच्छे घोड़े की सवारी करने और हथियार रखने से भी रोक दिया गया था। इस तरह की प्रताड़ना का सीधा अर्थ धर्म परिवर्तन ही था। इतिहासकार लेनपूल ने लिखा है, ''अपने इतिहास में मुगलों ने पहली बार एक कट्टर मुसलमान को बादशाह के रूप में देखा। औरंगजेब 40 वर्ष की आयु में बादशाह बना था।'' उसकी धार्मिक असहिष्णुता के कार्यों पर विचार करते हुए डॉ. एसआर शर्मा ने लिखा, ''ये सभी कार्य एक योग्य शासक अथवा एक निर्माणकर्ता राजनीतिज्ञ के नहीं थे, बल्कि एक अंधी धर्मांधता का विस्फोट था जो, उन्हें निःसंदेह अन्य सभी क्षेत्रों में मेधावी औरंगजेब के लिए शोभनीय न था।'' औरंगजेब की धार्मिक नीति के विरुद्ध पहला संगठित विद्रोह जाटों ने किया था। मथुरा में वीर सिंह बुंदेला द्वारा बनवाए गए केशव देव मंदिर को तोड़कर उसी स्थान पर मस्जिद स्थापित की।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की बात

अरुण कुमार दीक्षित

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंवं मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाइं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

12वीं में बेटियों ने फिर मारी बाजी, तीनों स्ट्रीम में बनीं टॉपर

पटना (आईएएनएस)

बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। इसमें एक बार फिर बेटियों ने बाजी मारी है। इस बार भी तीनों स्ट्रीम आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस में छात्राओं ने शीर्ष स्थान हासिल कर अपने प्रदर्शन का लोहा मनवाया है। आर्ट्स स्ट्रीम में अंकिता कुमारी और शाकिब शाह, साइंस स्ट्रीम में प्रिया जायसवाल और कॉमर्स स्ट्रीम में रोशनी कुमारी ने टॉप किया। रिजल्ट में 86.56 फीसदी छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं। इस वर्ष आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस तीनों स्ट्रीम के परिणाम एक साथ जारी किए गए हैं। आर्ट्स स्ट्रीम में अंकिता कुमारी (वैशाली) और शाकिब शाह (बक्सर) ने संयुक्त रूप से टॉप किया। दोनों ने 500 में से 473 अंक प्राप्त कर 94.6 प्रतिशत स्कोर किया। दूसरे स्थान पर अनुष्का कुमारी (मुजफ्फरपुर) और रोकैया फातिमा (बेगूसराय) रहीं, जिन्होंने 500 में से 471 अंक (94.2 प्रतिशत) प्राप्त किए। तीसरे स्थान पर आरती कुमारी (सारण), सानिया कुमारी (सोनपुर) और अंकित कुमार (गया) ने 500 में से 470 अंक (94 प्रतिशत) हासिल किए। चौथे स्थान पर अंशु रानी (पटना) ने 500 में से 469 अंक (93.8 प्रतिशत) प्राप्त किए। पांचवें स्थान पर चंद्रमणि लाल (मुजफ्फरपुर), ऋषु कुमार (सहरसा), संजना कुमारी (मुजफ्फरपुर), तनु कुमारी (पूर्वी चंपारण) और अर्चना मिश्रा (गया) ने 500 में से 468 अंक (93.6 प्रतिशत) प्राप्त कर अपनी जगह बनाई।

कॉमर्स स्ट्रीम में भी छात्राओं ने बढ़त बनाई। पहले स्थान पर रौशनी कुमारी (वैशाली) रहीं, जिन्होंने 500 में से 475 अंक प्राप्त कर 95 प्रतिशत स्कोर किया। दूसरे स्थान पर अंतरा खुशी (औरंगाबाद) ने 500 में से 473 अंक (94.6 प्रतिशत) प्राप्त किए। तीसरे स्थान पर सृष्टि कुमारी (मधुबनी) और निशांत राज ने 500 में से 471 अंक (94.2 प्रतिशत) प्राप्त किए। चौथे स्थान पर निधि शर्मा (अररिया) और अदिति सोनकर (रोहतास) ने 500 में से 470 अंक (94 प्रतिशत) प्राप्त किए। पांचवें स्थान पर अंशु कुमारी (भोजपुर) ने 500 में से 469 अंक (93.8 प्रतिशत) प्राप्त किए।

साइंस स्ट्रीम में प्रिया जायसवाल (पश्चिम चंपारण) ने 500 में से 484 अंक प्राप्त कर 96.8 प्रतिशत स्कोर के साथ टॉप किया। दूसरे स्थान पर आकाश कुमार (अरवल) रहे, जिन्होंने 500 में से 480 अंक (96 प्रतिशत) प्राप्त किए। तीसरे स्थान पर रवि कुमार (पटना) ने 500 में से 478 अंक (95.6 प्रतिशत) हासिल किए। चौथे स्थान पर अनुप्रिया (जमुई) और प्रशांत कुमार (वैशाली) ने 500 में से 477 अंक (95.4 प्रतिशत) प्राप्त किए। पांचवें स्थान पर अतुल कुमार मौर्य (कैमूर), अंकित कुमार (बेगूसराय) और वर्षा रानी ने 500 में से 476 अंक (95.2 प्रतिशत) प्राप्त कर अपनी जगह बनाई।

बिहार बोर्ड का 12वीं का रिजल्ट घोषति, साइंस में प्रिया जायसवाल और कॉमर्स में रोशनी कुमारी ने किया टॉप

बिहार बोर्ड 12वीं कक्षा का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी), पटना के मुख्य भवन में मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोर्ड अध्यक्ष आनंद किशोर और बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने इस साल के इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम की घोषणा की। आर्ट्स स्ट्रीम में अंकिता कुमारी और शाकिब शाह, साइंस स्ट्रीम में प्रिया जायसवाल और कॉमर्स स्ट्रीम में रोशनी कुमारी ने टॉप किया। रिजल्ट में 86.56 फीसदी छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं। इस वर्ष आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस तीनों स्ट्रीम के परिणाम एक साथ जारी किए गए हैं। आर्ट्स स्ट्रीम में कुल 82.7 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं, जबकि कॉमर्स स्ट्रीम में 94.77 प्रतिशत सफल रहे। साइंस स्ट्रीम में 89.66 प्रतिशत छात्रों ने सफलता प्राप्त की है। आर्ट्स स्ट्रीम में अंकिता कुमारी और शाकिब शाह ने 473 अंक (94.6 प्रतिशत) प्राप्त कर टॉपर बने। वहीं, साइंस स्ट्रीम में प्रिया जायसवाल ने 484 अंक (96.8 प्रतिशत) के साथ टॉप किया है। कॉमर्स स्ट्रीम की टॉपर्स रोशनी कुमारी रही हैं।

सौ दिवसीय अभियान ने टीबी मुक्त भारत के लिए तैयार किया एक मजबूत आधार : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का एक लेख साझा करते हुए कहा कि हाल ही में संपन्न 100-दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान ने टीबी मुक्त भारत के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में कहा, "टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति देखी जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने हाल ही में संपन्न 100-दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान पर महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जिसने टीबी मुक्त भारत के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है, इसे अवश्य पढ़ें। नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि इस विश्व क्षय रोग दिवस पर मैं इस बात पर बहुत गर्व के साथ विचार करता हूं कि भारत टीबी के खिलाफ़ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है। हाल ही में संपन्न 100-दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान ने न केवल नवाचार की शक्ति का प्रदर्शन किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि समुदायों को संगठित करना कार्यक्रम संबंधी दृष्टिकोण को बदलने जितना ही महत्वपूर्ण है।

मामलों का पता लगाने में तेज़ी लाकर, मृत्यु दर को कम करके और नए संक्रमणों को रोककर, इस अभियान ने टीबी मुक्त भारत के लिए एक मज़बूत नींव रखी है। भारत सिर्फ़ टीबी से नहीं लड़ रहा है, हम इसे हरा रहे हैं। नड्डा ने लेख में कहा कि यह अभियान 7 दिसंबर, 2024 को टीबी के मामलों का पता लगाने, मृत्यु दर को कम करने और नए मामलों को रोकने के उद्देश्यों के साथ शुरू किया गया था।

100-दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान ने टीबी का समय रहते पता लगाने के लिए अत्याधुनिक रणनीतियां शुरू कीं, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि बिना लक्षण वाले लोगों की भी पहचान की गई- जिनका अन्यथा निदान नहीं हो पाता और उनका इलाज किया गया। पोर्टेबल एक्स-रे मशीनों को सीधे उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के पास ले जाया गया, जिनमें मधुमेह, धूम्रपान करने वाले, शराब पीने वाले, एचआईवी से पीड़ित, बुजुर्ग, कम बीएमआई वाले और टीबी रोगियों के घरेलू संपर्क शामिल थे।

100 दिवसीय अभियान अभी शुरुआत है : नड्डा

नड्डा ने अपने लेख के माध्यम से कहा है कि 100 दिवसीय अभियान अभी शुरुआत है। भारत इन प्रयासों को पूरे देश में बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर नागरिक चाहे वे कहीं भी रहते हों, को आधुनिक निदान, गुणवत्तापूर्ण उपचार और अटूट सामुदायिक समर्थन तक पहुंच प्राप्त हो। जिस तरह भारत ने कोविड-19 परीक्षण को तेज़ी से बढ़ाया, उसी तरह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय अगली पीढ़ी के टीबी निदान में निवेश कर रहा है ताकि अंतिम मील तक तेज़ और अधिक सटीक परीक्षण लाया जा सके।

अवैध मदरसों पर सरकार की कार्रवाई का बोर्ड ने किया समर्थन

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश में अवैध रूप से संचालित मदरसों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। सरकार ने मदरसों की फंडिंग की भी जांच शुरू कर दी है। मदरसा बोर्ड ने इस कार्रवाई का समर्थन किया है। सरकार ने अब तक 136 मदरसों को कागजात की कमी के कारण सील किया है। राज्य में करीब 450 पंजीकृत मदरसे हैं, जो शासन को अपने दस्तावेज, बैंक खाते और आय-व्यय की पूरी जानकारी प्रस्तुत करते हैं। वहीं, अनुमान है कि 500 से अधिक ऐसे मदरसे हैं जो बिना किसी मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इन मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों का सत्यापन और आर्थिक स्रोतों की जांच अब सरकार द्वारा की जा रही है। उत्तराखंड मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने सरकार की इस कार्रवाई को सही ठहराया है। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी सरकार ईमानदारी और पारदर्शिता के लिए जानी जाती है।

संविधान बदल देंगे, ऐसी सोच रखने का अधिकार किसी को नहीं : इमरान मसूद

नई दिल्ली (आईएएनएस)

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के संविधान बदलने वाले बयान पर भाजपा की आपत्ति पर प्रतिक्रिया दी। मंगलवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद ने कहा कि भाजपा बेवजह के आरोप लगाती है। डीके शिवकुमार ने ऐसा कुछ भी नहीं कहा है, अगर कहा भी है तो बहुत ही हल्के अंदाज में। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत होगी तो हम इसे भी करेंगे। संविधान में संशोधन हुए हैं। लेकिन, इस देश में किसी को भी डॉ. अंबेडकर के संविधान को बदलने के बारे में सोचने का अधिकार नहीं है। जो लोग इसके बारे में बात करते हैं, वे पहले ही 400 से 240 पर आ गए हैं और उन्हें 240 से 100 पर आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने नवरात्रि के दौरान मीट की दुकानों को बंद करने की भाजपा विधायक की मांग पर कहा कि नवरात्रि के दौरान बाजार स्वाभाविक रूप से बंद हो जाते हैं। क्योंकि मांग नहीं होती है। इसलिए वे अपने आप बंद हो जाएंगे। उन पर प्रतिबंध लगाने की क्या जरूरत है?

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा विवाद पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि बेवजह की बातों पर बहस हो रही है। अभिव्यक्ति की आजादी है। सरकार आलोचना से क्यों डरती है? सत्ता में बैठे हैं तो आलोचना सहने का दम भी होना चाहिए। ममता बनर्जी सरकार पर बंगाल भाजपा ने आरोप लगाया है कि वोटर लिस्ट से हिन्दुओं के नाम काटे जा रहे हैं। इस पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, "चुनाव आयोग किसका है? देश का बच्चा-बच्चा जानता है कि चुनाव आयोग किसके इशारे पर काम करता है।

बिना नक्शा के निर्माण मामले में सपा सांसद की बढ़ रहीं मुश्किलें, रिपोर्ट के बाद तय होगी कार्रवाई

संभल (आईएएनएस)। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के बिना नक्शा पास कराए निर्माण कराने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अभी तक कुल 14 तारीखें लग चुकी हैं। सोमवार को भी एक टीम मौके पर पहुंची। उसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। संभल की एसडीएम वंदना मिश्रा ने बताया कि सपा सांसद के यहां अधिकारी पैमाइश करने पहुंचे थे। बिना अनुमति के नवनिर्माण के मामले में अधिकारी निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। इस दौरान जरूरी जानकारियां जुटाई गईं। यह प्रकरण पिछले साल 5 दिसंबर से चल रहा है।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्टए अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

ईद पर 32 लाख गरीब मुस्लिमों को मिलेगी 'सौगात-ए-मोदी' किट, जेडीयू और भाजपा बोली-

हर समुदाय का सम्मान करती है सरकार

पटना (आईएएनएस)

ईद-उल-फितर के अवसर पर केंद्र सरकार देश भर के 32 लाख गरीब मुसलमानों को 'सौगात-ए-मोदी' किट की भेंट करेगी। बिहार सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद खान ने इस पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है बिहार के मेहनतकश समुदाय को इससे लाभ मिलेगा।

बिहार सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खान ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "मैं अपने नेता नीतीश कुमार का आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने 2005 के बाद हमारे मेहनतकश समुदाय के लिए हर तरह का विकास किया, चाहे वह स्कूल हो, छात्रावास हो, कॉलेज हो, मदरसे हों या फिर रोजगार से जुड़े मामले हों। हमारे नेताओं ने पीएम मोदी से बातचीत की, हमें पूरा भरोसा है कि बिहार को इससे लाभ होगा और हमें कोई तोहफा जरूर मिलेगा। बिहार विधानसभा के बाहर आरजेडी विधायकों के विरोध प्रदर्शन को लेकर मंत्री मोहम्मद जमा खान ने कहा, "विपक्ष की बात मत कीजिए, वे अप्रासंगिक हैं।

वकीलों ने शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल, कहा-

हमारी लड़ाई भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों के खिलाफ

प्रयागराज (आईएएनएस)

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादला होने के बाद विवाद उत्पन्न हो गया है। जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले से हाईकोर्ट बार एसोसिएशन नाराज है। इसके विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह विरोध वर्तमान में किसी कोर्ट या जज के खिलाफ नहीं, बल्कि उनके खिलाफ है जिन्होंने न्यायालय की व्यवस्था को धोखा दिया है। हमारी लड़ाई भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों और उस व्यवस्था के खिलाफ है जो पारदर्शी नहीं है। फिलहाल हमारी मांग ट्रांसफर आदेश पर पुनर्विचार करने और उसे वापस लेने की है।

सीएम ने पेश किया 1 लाख करोड़ का बजट, महिला समृद्धि से लेकर आयुष्मान योजना का ऐलान

- **वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दिल्ली का एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश**

नई दिल्ली (हि.स.)

दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं वित्त विभाग संभाल रही रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के बजट की तुलना में यह 31.5 फीसदी अधिक है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बजट पेश करते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में दिल्ली का बजट 78 हजार 800 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर सिर्फ 76 हजार करोड़ रुपये रह गया था। हालांकि, पहली बार अगामी वित्त वर्ष के लिए दिल्ली को 1 लाख करोड़ रुपये का बजट मिला है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि है। बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सदन को बताया कि सरकार को 68,700 करोड़ रुपये कर से प्राप्त होगा। वहीं 750 करोड़ रुपये कर के अतिरिक्त कमाई से, 15 हजार करोड़ रुपये लघु अवधि कर्ज से और 1 हजार करोड़ रुपये सड़क निधि से आएंगे। इसके अलावा 4,128 हजार करोड़ रुपये केंद्र सरकार की योजनाओं से आएंगे और 7,341 करोड़ रुपये केंद्र सरकार से मदद के रूप में लिए जाएंगे।

दिल्ली के बुनियादी ढांचों पर होगा काम

रेखा गुप्ता ने दिल्ली की सड़कों को सुधारने, विकास को रफ्तार देने, बुनियादी ढांचों को सुधारने के लिए बजट में 28 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 28 हजार करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय से दिल्ली में सड़क, पुल, जल निकासी, ट्रांसपोर्ट और अन्य सार्वजनिक सेवाओं में व्यापक सुधार होगा। उन्होंने कहा कि यह बजट दिल्ली को एक स्मार्ट और आधुनिक शहर में बदलने की दिशा में एक मजबूत कदम है। हर घर साफ पानी और सीवर सिस्टम अपग्रेडमुख्यमंत्री ने हर घर साफ पानी और सीवर सिस्टम के अपग्रेड की बात कही। जल आपूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए 9 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

आयुष्मान योजना के लिए बजट में 2144 करोड़ रुपए का प्रावधान

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने बजट भाषण में दिल्ली की जनता के लिए आयुष्मान भारत योजना के तहत 10 लाख रुपये तक के इंश्योरेंस कवर का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 5 लाख रुपये के कवर के साथ दिल्ली सरकार लोगों को 5 लाख रुपये का टॉप-अप देगी। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में इसके लिए 2144 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

दिल्ली बजट में महिला समृद्धि योजना : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के बजट में महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। महिला समृद्धि योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये मिलेंगे।

जर्मनी और थाईलैंड के धार्मिक नेता पहुंचे वाराणसी, विश्व शांति के लिए किया गंगा पूजन

एजेंसी। वाराणसी

जर्मनी और थाईलैंड के धार्मिक नेताओं ने श्रद्धालुओं संग मिलकर विश्व शांति और रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के लिए गंगा में अभिषेक और वैदिक अनुष्ठान किया। इस दौरान उन्होंने गंगा नदी में 15 हजार मछलियां भी छोड़ीं। विदेशी धार्मिक नेताओं ने गंगा नदी में अभिषेक और वैदिक अनुष्ठान को लेकर आईएएनएस से खास बातचीत की। जर्मनी के धर्मगुरु थॉमस गेरहार्ड ने कहा कि जर्मन सरकार और उससे जुड़े लोग, जो यूक्रेन के युद्ध में शामिल हैं, वे सिर्फ राजनीति करते हैं। लेकिन, मैं विश्व की स्वतंत्रता और विश्व शांति के लिए काम करता हूं। इसलिए मैं जर्मन राजा के रूप में भारत आया, ताकि हिंदू और सभी धर्मों की ताकत से मिलकर दुनिया में शांति ला सकूं। जर्मनी और भारत की दोस्ती के साथ थाईलैंड का साथ लेकर आज हमने विश्व शांति के लिए प्रार्थना की है। थाईलैंड की धर्मगुरु बद्री मां भी इस समूह में थीं। उन्होंने यहां आने का मकसद सिर्फ विश्व शांति की फिक्र बताया। कहा कि आज हम विश्व शांति के लिए यहां आए हैं। आज का दिन बहुत खास है, विश्व शांति के लिए मछलियों को आज़ादी दी गई। यह शिव का शहर है, जो दुनिया को नियंत्रित करता है। हम चाहते हैं कि विश्व में शांति आए और इसके प्रयास के लिए भारत, जर्मनी और थाईलैंड मिलकर काम करें।

बता दें कि रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्ध का असर दुनियाभर पर पड़ा है। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण किया था और देश के अधिक हिस्से पर कब्जा करना शुरू कर दिया था। इस युद्ध के परिणामस्वरूप शरणार्थी संकट पैदा हो गया और हजारों लोगों की जान भी गई। वहीं, फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह 'हमास' ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला किया था और इस दौरान इजरायली नागरिकों को बंधक बना लिया था।

इसके जवाब में इजरायल ने गाजा में सैन्य कार्रवाई शुरू की। इजरायली हमले के बाद से गाजा (फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक) में 50,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इन युद्धों को समाप्त करने के लिए भारत की तरफ से भी कई प्रयास किए गए हैं। इसी के चलते शिव की नगर काशी से अब विश्व में शांति का संदेश दिया जा रहा है, ताकि पिछले कुछ समय से चल रहा युद्ध खत्म हो सके और विश्व में फिर से शांति स्थापित हो।

लालू यादव के कहने से नहीं, जनता तय करेगी सरकार : सम्राट चौधरी

पटना (आईएएनएस)

बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान विपक्ष के हंगामे को लेकर भाजपा के नेता और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि लालू यादव के कहने से नहीं, जनता सरकार तय करती है और वही करेगी। किसी के कहने से सरकार नहीं पलटती है।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान सम्राट चौधरी ने कहा कि राजद के लोग अज्ञानी हैं। नीतीश सरकार को ये लोग तेजस्वी सरकार लिखते थे। ये लोग गुंडागर्दी से चाहते हैं कि सरकार बदल दें, यह बदलने वाला नहीं है। यह बिहार की जनता तय करेगी। उन्होंने आगे कहा, "लालू यादव, आप कितना भी कहते रहिए, बिहार की जनता जब कहेगी तभी बिहार में सरकार बदलती है। आपको भी लगभग पांच बार एनडीए ने हराया है। आपकी पत्नी को भी हराया और आपके बेटे तेजस्वी को भी तीन बार हरा चुका है। बिहार के लोकतंत्र में ताकत है।" उन्होंने यह भी कहा, "बिहार में 65 प्रतिशत आरक्षण नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विधान मंडल से सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसमें किसी को विरोध नहीं है। सभी पार्टियां इसके साथ खड़ी हैं। लेकिन, राष्ट्रीय जनता दल सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने का काम कर रही है।

आशुतोष ने शिखर धवन को समर्पित किया 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार

विशाखापत्तनम(आईएएनएस)। 66 रनों की शानदार नाबाद पारी के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स पर दिल्ली कैपिटल्स को एक विकेट से रोमांचक जीत दिलाने के बाद, आशुतोष शर्मा ने अपना 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार अपने गुरु और भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को समर्पित किया। आशुतोष के लिए इस पल को और भी खास बनाने वाली बात थी धवन के साथ एक खास वीडियो कॉल, जिसका वीडियो दिल्ली कैपिटल्स ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया और वायरल हो गया। वह वास्तव में बहुत खुश थे। लव यू पाजी, आशुतोष ने डीसी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में कहा। धवन और आशुतोष पिछले सीजन में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) में एक साथ खेले थे, इससे पहले कि पूर्व ने खेल से संन्यास की घोषणा की। धवन, जिन्होंने इस साल की शुरूआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था, पंजाब किंग्स में उनके साथ रहने के दौरान आशुतोष के गुरु थे। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज, जो अपने नेतृत्व और संयम के लिए जाने जाते हैं, ने एक खिलाड़ी के रूप में आशुतोष के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। पंजाब किंग्स सेटअप से परे उनकी मेंटरशिप का विस्तार हुआ, जिसमें धवन के सकारात्मक प्रभाव ने कई युवा क्रिकेटरों के करियर को आकार दिया। आशुतोष ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने जाने के बाद कहा, पिछले साल से सबक लिया। पिछले सीजन में कुछ मौकों पर खेल खत्म करने से चूक गया। पूरे साल मैंने ध्यान केंद्रित किया और इसकी कल्पना की। मुझे विश्वास था कि अगर मैं आखिरी ओवर तक खेलता हूं, तो कुछ भी हो सकता है। विप्रज ने अच्छा खेला। मैंने उसे हिट करते रहने के लिए कहा। वह दबाव में बहुत शांत था। मैं यह पुरस्कार अपने गुरु शिखर पाजी को समर्पित करना चाहता हूं।

बालीवाल में चैथे कब्बड्डी कप दो से विजेता टीमों को 71 हजार के ईनाम

ऊना(हि.स.)। हरोली विधानसभा क्षेत्र के गांव बालीवाल में दो दिवसीय चैथे कब्बड्डी कप का आयोजन दो अप्रैल से किया जा रहा है। जिसमें विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को एक लाख 30 हजार के नगद ईनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी आयोजनकर्ता चनण सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि नेशनल स्टाईल कब्बड्डी के मुकाबले तीन वर्गो में करवाए जाएंगें। जिनमें ओपन, 65 किलो और 55 किलो ग्राम भार वर्ग शामिल है। ओपन की विजेता टीम को 51 हजार और उपविजेता टीम को 41 हजार का ईनाम देकर पुरस्कृत किया जाएगा। 65 किलो भार वर्ग में विजेता टीम को 15 हजार व उपविजेता टीम को 11 हजार का ईनाम रखा गया है। वहीं 55 किलो भार वर्ग में विनर टीम को 7100 और रनरअप टीम को 5100 का ईनाम दिया जाएगा। जबकि प्रतियोगिता के बेस्ट रेडर और बेस्ट डिफेंडर को भी सम्मानित किया जाएगा।

जीत की पटरी पर लौटने उतरेंगे आरआर और केकेआर

गुवाहाटी (आईएएनएस)। आईपीएल 2025 के छठे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। यह मुकाबला आरआर के दूसरे घरेलू मैदान गुवाहाटी में शाम 7.30 बजे से शुरू होगा। दोनों टीमें अपना पहला मैच हार कर आ रही हैं, तो दोनों टीमों की कोशिश जीत से वापसी करने पर होगी। दोनों टीमों के बीच हुए अब तक 29 मुकाबलों में 14-14 की बराबरी है, जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला था।

दोनों टीमों के बीच हुए अब तक 29 मुकाबलों में 14-14 की बराबरी है

नारायण बनाम सैमसन

अगर केकेआर के स्पिनर सुनील नारायण पावरप्ले में गेंदबाजी करते हुए दिखें तो हैरान मत होइएगा क्योंकि नारायण के खिलाफ आरआर के नियमित कप्तान संजू सैमसन का रिकॉर्ड बहुत खराब रहा है और वह, नारायण के खिलाफ सिर्फ 80 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। इस दौरान नारायण ने सैमसन को 13 पारियों में तीन बार आउट किया है। उंगलियों की चोट से जूझ रहे सैमसन इस रिकॉर्ड को सुधारना चाहेंगे।

नारायण बनाम तीक्षणा-हसरंगा

नारायण ना सिर्फ गेंद बल्कि बल्ले से भी आक्रमण के लिए जाने जाते हैं। हालांकि पावरप्ले में उनके खिलाफ महीश तीक्षणा और वनिंदु हसरंगा की श्रीलंकाई स्पिन जोड़ी गेंदबाजी करते हुए दिखाई दे सकती है क्योंकि दोनों नारायण को बांधकर रखने की क्षमता रखते हैं। तीक्षणा ने नारायण को तीन टी20 पारियों में दो बार आउट किया है।

घरेलू मैदान पर पराग की परीक्षा

अपने कप्तानी डेब्यू पर तो रियान पराग बल्ले और कप्तानी दोनों में कुछ खास नहीं कर पाए थे, लेकिन गुवाहाटी के घरेलू मैदान पर वह वापसी कर सकते हैं। उन्होंने असम के लिए कप्तानी करते हुए 18 टी20 मैचों में 10 में जीत हासिल की है, जबकि गुवाहाटी में उन्होंने तीन पारियों में 132 के स्ट्राइक रेट से 75 रन बनाए हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़ने को तैयार हैं आवेश खान

नई दिल्ली। चोट से उबर रहे लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज आवेश खान को बीसीसीआई की तरफ से क्लियरेंस मिल गया है और वह अब आईपीएल 2025 का हिस्सा बन सकते हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि आवेश को दाएं घुटने में चोट थी और सोमवार को बीसीसीआई की मेडिकल टीम द्वारा उनका अंतिम फिटनेस टेस्ट हुआ। आवेश ने इस साल जनवरी से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने भारत के लिए टी20 खेला था। ऐसा समझा जा रहा है कि आवेश को यह चोट घरेलू सीजन के दौरान ही लगी थी। इसके बाद से ही वह लगातार एनसीए की निगरानी में थे। हालांकि यह पता नहीं चल पाया है कि आवेश एलएसजी के दल से कब जुड़ेंगे, लेकिन उम्मीद है कि वह टीम के अगले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे जो कि 27 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हैदराबाद में है। एलएसजी को अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा है। एलएसजी पहले से ही तेज गेंदबाजों की चोट से जूझ रहा है। मयंक यादव को निचले पीठ मे स्ट्रेस इंजरी थी और अब पंजे में भी चोट लग गई है, जबकि आकाश दीप भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर लगी पीठ की चोट से पूरी तरह से नहीं उबर पाए हैं।

रोमांचक मैच में पंजाब किंग्स की शानदार जीत

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में मंगलवार को पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया. इस मैच में पंजाब ने जीत दर्ज की. दोनों टीमों के बीच आईपीएल में अब तक 6 मुकाबले खेले गए हैं, जो काफी रोचक रहे हैं. इस दौरान गुजरात और पंजाब दोनों ने 3-3 मैचों में जीत हासिल की है. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन का मैच नंबर-5 गुजरात टाइटन्स और पंजाब किंग्स के बीच काफी रोमांचक रहा. मंगलवार (25 मार्च) को अहमदाबाद में खेले गए इस मैच में श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब टीम ने 11 रनों से जीत दर्ज की. मुकाबले में पंजाब किंग्स ने 5 विकेट गंवाकर 243 रन बनाए. श्रेयस अय्यर ने कप्तानी पारी खेली और 27 गेंदों पर फिफ्टी जमाई. श्रेयस ने ओवरऑल 42 गेंदों पर नाबाद 97 रन बनाए. इस दौरान 9 छक्के और 5 चौके जड़े. श्रेयस अपना पहला क्ढछ शतक लगाने से 3 रन दूर रह गए. उनके अलावा ओपनर प्रियांश आर्य ने 47 रन बनाए. आखिर में शशांक सिंह ने 16 गेंदों पर नाबाद 44 रन जड़े. गुजरात के लिए साई किशोर ने 3 विकेट झटके।

पंजाब टीम का स्कोरकार्ड: (243/5, 20 ओवर)

पंजाब की कमान इस बार श्रेयस अय्यर संभाल रहे हैं। जबकि पिछले सीजन से ही गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल के पास है। श्रेयस की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने पिछले साल आईपीएल 2024 खिताब जीता था वहीं 2020 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ने श्रेयस के नेतृत्व में फाइनल तक का सफर तय किया था। अब पंजाब किंग्स को भी श्रेयस से काफी उम्मीदें हैं, जो अब तक आईपीएल खिताब नहीं जीत सकी है। पंजाब किंग्स ने 2014 के आईपीएल फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन पिछले 4 सीजन में वह टॉप-5 में भी जगह नहीं बना पाई। पंजाब और गुजरात के बीच आईपीएल में अब तक 5 मुकाबले खेले गए हैं, जो काफी रोचक रहे हैं। इस दौरान गुजरात टाइटन्स ने तीन और पंजाब किंग्स ने दो मैचों में जीत हासिल की है। आखिरी बार दोनों टीमें मुल्लांपुर के ग्राउंड पर आमने-हुई थीं, जिसमें गुजरात टाइटन्स को तीन विकेट से जीत मिली। खास बात यह है कि अब तक इन दोनों के बीच जो मुकाबले खेले गए हैं, उसमें दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत मिली।

दूसरा एशियाई योगासन खेल चैंपियनशिप अप्रैल के लिए पुनर्निर्धारित

नई दिल्ली। 29-31 मार्च, 2025 के लिए निर्धारित एशियाई योगासन खेल चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण को पुनर्निर्धारित किया गया है और यह राष्ट्रीय राजधानी में 25 से 27 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। संशोधित तिथियों में अतिरिक्त तैयारी के लिए अंतरराष्ट्रीय टीमों के अनुरोधों को समायोजित किया गया है और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की गई है, साथ ही रमजान के पवित्र महीने को भी ध्यान में रखा गया है। एशियाई योगासन के अध्यक्ष संजय मालपानी ने कहा, तिथियों में बदलाव इस आयोजन को वास्तव में समावेशी और प्रतिस्पर्धी बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। अधिक भागीदारी के साथ, चैंपियनशिप एक गंभीर वैश्विक खेल के रूप में योगासन की उपस्थिति को और मजबूत करेगी। हम विश्व स्तरीय आयोजन के लिए एशिया भर से एथलीटों का नई दिल्ली में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और योगासन भारत के सहयोग से आयोजित इस चैंपियनशिप में एशिया भर के शीर्ष योगासन एथलीट एक साथ आएंगे।

व्यापार/लाइफ व साइंस

लोकसभा

लोकसभा में पास हुआ फाइनेंस बिल 2025

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को फाइनेंस बिल 2025 पास हो गया। इसमें 35 सरकारी संशोधन शामिल हैं। केंद्रीय बजट 2025-26 के प्रस्तावों को लागू करने के लिए यह एक अहम प्रक्रिया है। फाइनेंस बिल 2025 पर हुई डिबेट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में करदाताओं को बड़ी राहत दी गई है। इसका उद्देश्य घरेलू स्तर पर उत्पादन बढ़ाना और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। वित्त मंत्री ने फाइनेंस बिल पर चर्चा के दौरान टैरिफ को युक्तिसंगत बनाने और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए गए परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि 2025-26 के बजट प्रस्तावों से घोषित सीमा शुल्क के युक्तिकरण की कार्यवाही आगे बढ़ रही है।

घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए, सरकार ने ईवी बैटरी के लिए 35 अतिरिक्त कैपिटल गुड्स और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के लिए 28 वस्तुओं को सीमा शुल्क से छूट दी है।अब बजट को लोकसभा ने मंजूरी दे दी है, इसे राज्य सभा में चर्चा के लिए रखा जाएगा। हालांकि,उच्च सदन के पास बजट पर मतदान करने का अधिकार नहीं है और वह किसी भी प्रस्ताव को अस्वीकार नहीं कर सकता है। इसके अलावा, वित्त मंत्री ने कहा कि नया इनकम टैक्स बिल संसद के अगले सत्र यानी मानसून सत्र में पेश किया जाएगा और यह इनकम टैक्स एक्ट 1961 की जगह लेगा।

सड़क दुर्घटनाओं के कारण जीडीपी में तीन प्रतिशत का नुकसान : नितिन गडकरी

हर साल देश में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं जिसमें 1,88,000 लोगों की मौत होती है।

जान गंवाने वाले लोगों में 18 से 45 वर्ष की आयु के 66 प्रतिशत लोग होते हैं।

नई दिल्ली(आईएएनएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि हम सड़क दुर्घटनाओं के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तीन प्रतिशत का नुकसान हो रहा है। नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजधानी में सड़क सुरक्षा के लिए तकनीकी हस्तक्षेपः भारत-अमेरिका साझेदारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाएं हमारी सबसे बड़ी समस्याओं में से एक हैं। हर साल देश में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें 1,88,000 लोगों की मौत होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, जान गंवाने वाले लोगों में 18 से 45 वर्ष की आयु के 66 प्रतिशत लोग होते हैं। युवा, प्रतिभाशाली, इंजीनियरिंग स्नातक, मेडिकल छात्रों के नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

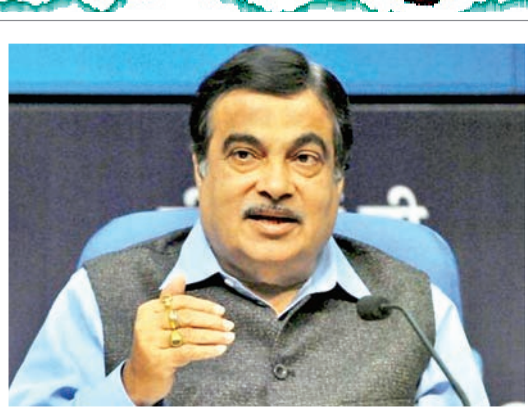

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब दुर्घटनाओं के आंकड़े में 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक की कमी आई है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं को कम करने के लिए उनके सही कारणों का पता लगाया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अमेरिका और यूरोपीय देशों का लाभ उठाते हुए, अब हम बेहतरीन यातायात प्रणाली के संबंध में बहुत सारे कदम उठा रहे हैं। इसके कार्यान्वयन के संबंध में बहुत सारे निर्णय लिए गए हैं। गडकरी ने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए स्कूली शिक्षा में यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी देने की जरूरत पर जोर दिया।

वहीं, 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का यह आंकड़ा 10,000 है। अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं स्कूलों के आसपास वाले इलाकों में होती हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा है।

हमें यह समझने की जरूरत है कि हम इन दुर्घटनाओं के साथ अपनी जीडीपी का तीन प्रतिशत खो रहे हैं। उन्होंने सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय परिदृश्य में एक समस्या यह है कि हम डीपीआर सलाहकार के साथ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं, जिसमें कभी-कभी लागत और बचत आदि पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पॉट की पहचान कर उनमें सुधार किया जा सकता है। इन सुधारों के साथ मौजूदा सरकार ने सड़क हादसों में मौत के आंकड़ों में 48 प्रतिशत और सड़क दुर्घटनाओं में 49 प्रतिशत की कमी की है। उन्होंने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को 100 प्रतिशत सही बनाने के लिए सड़क इंजीनियरिंग में सुधार की जरूरत पर जोर दिया।

भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद आईटी शेयरों में हुई खरीदारी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में सपाट बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 32.81 अंक या 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,017.19 और निफ्टी 10.30 अंक या 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,668.65 पर था। कारोबारी सत्र में बाजार पर दबाव मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने बनाया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 554.30 अंक या 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,969.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 254.80 अंक या 1.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,108.90 पर बंद हुआ। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज और प्राइवेट बैंक इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी और एनर्जी इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, टीसीएस, एचयूएल और एशियन पेंट्स टॉप गेनर्स थे। जोमैटो, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, एसबीआई, टाटा स्टील और आईसीआईसीआई बैंक टॉप लूजर्स थे। पीएल कैपिटल-प्रभुदास लीलाधर में एडवाइजरी प्रमुख, विक्रम कसात ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार लगातार सातवें दिन हरे निशान में बंद हुए हैं। आईटी के साथ बैंकिंग शेयरों में तेजी देखी गई।

भारत सबमरीन केबल नेटवर्क के लिए बन सकता है ग्लोबल ट्रांजिट हब : इंडस्ट्री

नई दिल्ली। भारत में सबमरीन केबल नेटवर्क के लिए एक ग्लोबल ट्रांजिट हब बनने की प्रबल संभावना है। इसकी वजह, देश का रणनीतिक रूप से अहम स्थान पर होना और बढ़ता हुआ डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर है। यह बयान ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) की अध्यक्ष, अरुणा सुंदरराजन ने मंगलवार को दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई डेटा खपत को पूरा करने के लिए सबमरीन केबल इन्फ्रास्ट्रक्चर को चार से पांच गुना बढ़ाने की जरूरत है। सुंदरराजन ने कहा, भारत में सबमरीन केबल नेटवर्क के एक ग्लोबल ट्रांजिट हब के रूप में उभरने की प्रबल संभावना है। इसके लिए हमें अपने सबमरीन केबल इन्फ्रास्ट्रक्चर को चार से पांच गुना बढ़ाना होगा। राष्ट्रीय राजधानी में ह्यइंटरनेशनल सबसी केबल सिस्टम कॉन्फ्रेंसह्ण में बोलते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे समय पर सबमरीन केबल नेटवर्क को प्राथमिकता देना आवश्यक है, जहां भू-राजनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं।

एमडीएम चावल की चोरी

हुसैनाबाद। थाना क्षेत्र के एकडरी उत्क्रमित मध्य विद्यालय हुसैनाबाद में सोमवार की रात्रि में चोरों ने भंडार कक्ष का ताला तोड़कर एमडीएम का चार बोरा चावल, बर्तन व पाइप की चोरी कर ली। इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक निर्मल कुमार ने हुसैनाबाद थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि जब मंगलवार को विद्यालय माता समिति की अध्यक्ष अनिता देवी व संयोजिका ललिता देवी ने इसकी सूचना दी। वहां पहुंचा, तो देखा की भंडार रुम का ताला टूटा हुआ है। और सामान गायब हैं। तत्पश्चात इसकी लिखित शिकायत थाना में की हैं। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि लिखित आवेदन के आलोक में जांच की जा रही हैं।

भीमचूल्हा का कोयल तट चैती छठ पर्व को लेकर व्रतियों का पसंदीदा घाट बना

1 अप्रैल को नहाय खाय की रस्म अदायगी से शुरू 3 को उदीयमान सूर्य को अर्घ्यदान के साथ समापन

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। कोयल-काशीसोत संगम, काशीसोत डैम सहित अन्य गांवों के नदियों के किनारे कार्तिक मास के छठ पर्व को लेकर गुलजार होते हैं। मगर, आसपास के गांवों के व्रतियों के लिए चैती छठ पर्व को लेकर भीमचूल्हा का कोयल तट ही पसंदीदा जगह बन जाता है। इसकी वजह पुजारी पंडित गंगा तिवारी ने गर्मी में भी निर्मल जल की उपलब्धता और इस जगह की रमणीयता को बताया। उन्होंने बताया कि पर्यटक स्थल बनने के बाद से अन्य पर्व की तरह चैती छठ पर्व के अनुष्ठान के लिए भीमचूल्हा को उपयुक्त स्थान माना जाने लगा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष चैती छठ पर्व 1 अप्रैल को नहाय-खाय की रस्म अदायगी के साथ शुरू होगा। जबकि 3 अप्रैल को संध्या में अस्ताचलगामी व 4 अप्रैल को उषा बेला में यानि उदीयमान सूर्य को अर्घ्यदान के साथ पारण से समापन हो जाएगा। इसी रस्म अदायगी का इस व्रत में बड़ा महत्व बताया गया है।

सात्विक आहार का बड़ा महत्व

उन्होंने बताया कि मान्यता अनुसार छठ व्रत संतान सुख और परिवार की खुशहाली के लिए मनाया जाता है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में व्रतियों के साथ ही पूरा परिवार सात्विक जीवन व्यतीत करता है। इसे हिंदू धर्म में सबसे कठिन और सूर्योपासना का सबसे महत्वपूर्ण व्रत माना गया है। हालांकि कार्तिक मास के व्रत से कम ही व्रती चैती छठ को मनाते हैं। लेकिन दोनों का धार्मिक महत्व एक समान होता है। इसमें 36 घंटे का कठिन उपवास के साथ भगवान सूर्य और छठी मईया की भी उपासना की जाती है। नहाय-खाय के दिन पवित्र जल में स्नान और नव परिधान धारण कर शुद्ध सात्विक भोजन ग्रहण किया जाता है। इसमें परंपरा अनुसार चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी बनती है। जिसे व्रतियों के बाद परिवार के अन्य सदस्य भी ग्रहण करते हैं। चैत्र नवरात्र के दौरान इस व्रत के पड़ने की वजह से नहाय-खाय के दिन मां कुष्मांडा की पूजा की जाती है। वहीं, खरना के दिन व्रतियों के स्नान ध्यान के बाद खीर-पुड़ी ग्रहण के बाद प्रसाद स्वरूप अन्य पारिवारिक सदस्यों के अलावा ईष्ट मित्रों बांट दिया जाता है। इसके साथ ही शुरू निर्जला उपवास के दौरान ही अगले संध्या पहर में छठघाट पर शुद्ध देसी घी में पकाकर तैयार ठेकुआ, विभिन्न मौसमी फल, ईंख और नारियल आदि को सूप में सजाकर पारंपरिक गीतों से भगवान सूर्य और छठी मईया की स्तुति गान के बीच संध्या अर्घ्य दिया जाता है। अगले दिन उषा बेला में भी सारे पूजा पूजा सामग्रियों को बदल कर अर्पित करते हुए अर्घ्यदान के बाद पहले व्रती प्रसाद ग्रहण करते हैं। फिर प्रसाद बांटा जाता है। छठ व्रत के प्रसाद को ग्रहण करने में भी सात्विकता का पालन श्रेयस्कर माना गया है।

सूर्य पुत्र कर्ण ने सबसे पहले किया था व्रत

प्रचलित मान्यताओं के हवाले से उन्होंने बताया कि सबसे पहले सूर्य पुत्र कर्ण ने यह व्रत किया था। छठी मईया संतान सुख देने वाली देवी मानी जाती है। इसलिए खासकर, महिलाएं इस व्रत को बड़े ही शिद्दत के साथ करती हैं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व एक व्रत ही नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने का भी पर्व है। इसे पूरी श्रद्धा और नियमों के साथ करने से भगवान सूर्य और छठी मईया की बड़ी कृपा प्राप्त होती है। हिंदू धर्म में इस व्रत की इन्हीं खास विशेषताओं की वजह से इसे लोक आस्था के महापर्व की मान्यता प्राप्त हो गई है।

खेत में गिरे एलटी तार के चपेट में आने से युवक की मौत

हुसैनाबाद। पलामू जिला के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के झरगाड़ा गांव के खेत में गिरे हुए एलटी तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गयी। घटना मंगलवार की सुबह की बतायी जाती है। मृतक की पहचान झरगाड़ा गांव निवासी सुदामा बैठा के पुत्र सुनील बैठा 38 वर्ष के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया की सुबह में अपने गेहूं के खेत पर गये थे। जहां खेत में बिजली प्रवाहित एलटी तार टूटकर गिरा हुआ था, जिसके चपेट में आकर पूरी तरह झुलस गया। आनन- फानन में उसे तत्काल हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही हुसैनाबाद पुलिस अस्पताल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को उसके परिजनों को सौंप दिया। इस घटना को लेकर बिजली विभाग के प्रति काफी आक्रोश है, ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के चलते युवक की मौत हुई है।

ई-केवाईसी नहीं कराने वाले लाभुकों का राशनकार्ड से हटेगा नाम : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

पलामू। खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित लाभुकों का शत प्रतिशत ई-केवाईसी जरूरी है। ई-केवाईसी पूर्ण कराने की अंतिम तिथि 31 मार्च तक निर्धारित है। सभी गुलाबी एवं पीला राशनकार्डधारी लाभुक अपने नजदीकी डीलर से ई-केवाईसी करा लें। निर्धारित तिथि तक ई-केवाईसी पूर्ण नहीं कराने वाले लाभुकों का नाम राशनकार्ड से विलोपित किया जाएगा। उक्त बातें पलामू उपायुक्त शशि रंजन ने कही। वे मंगलवार को समाहरणालय से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर रहे थे। मौके पर आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू सहित अन्य उपस्थित थे। आपूर्ति विभाग की ओर से पांच जागरूकता रथ का परिचालन किया जा रहा है। हरी झंडी दिखाये जाने के बाद से जागरूकता रथ के माध्यम से खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत वितरित किए जा रहे खाद्यान्न-सामग्री की जानकारी दी जा रही है। जागरूकता रथ जिले के विभिन्न गांवों में जाकर बैनर, पोस्टर-पंपलेट और माइकिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहा है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू ने बताया कि मुख्य रूप से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री नमक वितरण, मुख्यमंत्री दाल वितरण, सोना-सोबरन धोती-साड़ी, चीनी वितरण योजना आदि के संबंध में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि छतरपुर और हुसैनाबाद में अनुमंडल स्तर पर एक-एक एवं सदर अनुमंडल क्षेत्र के लिए तीन जागरूकता रथों का परिचालन किया जा रहा है। प्रवासी मजदूर-लाभुक वर्तमान में जहां हैं, वहीं पर अपने किसी भी नजदीकी जन वितरण प्रणाली दुकानदार से इ-केवाईसी पूर्ण करा सकते हैं। ई-केवाईसी से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी एवं शिकायत दर्ज कराने के लिए 1967/1800-212-5512 पर लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली से संपर्क कर सकते हैं।

उज्ज्वला योजना के लाभुकों का ई-केवाईसी जरूरी

गढ़वा। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय में मंगलवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के कनेक्शन के संचालन के लिए एसओपी के तहत जिला स्तरीय उज्ज्वला समिति की बैठक की गई। बैठक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के नोडल ऑफिसर दिलीप कुमार कौशिक ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के परिपत्र के अनुसार पीएमयूवाई कनेक्शनों से निपटने के तौर-तरीकों को समझाया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत जो लाभुक गैस कनेक्शन के बाद अभी तक कोई रिफिल नहीं लिए है, उन्हें 15 दिनों के अंदर गैस वितरक के यहां ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है।

60 लाख के स्प्रिट और शराब के साथ दो तस्कर हुए गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

पलामू। पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र में उत्पाद विभाग और नौडीहा बाजार थाना पुलिस ने संयुक्त रुप से कार्रवाई करते हुए बिहार सीमा से सटे महुवरी गांव में अवैध शराब फैक्ट्री का खुलासा किया। यहां से टीम ने 45 लाख रुपए कीमत का 22 हजार लीटर स्प्रिट बरामद किया है । साथ ही 15 लाख रुपये की नकली अंग्रेजी शराब भी जब्त की है।

पुलिस ने दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान मकान मालिक महुवरी के धीरज सिंह और बिहार के समस्तीपुर बिहार के राजा कुमार पांडेय के रूप में हुई है। बिहार के कुटुम्बा थाना के करमडीह के संतोष कुमार की भी मामले में संलिप्तता सामने आयी है। पलामू के उत्पाद अधीक्षक संजीत कुमार देव ने मंगलवार को बताया कि शराब फैक्ट्री एक नवनिर्मित मकान में चल रही थी। यह मकान धीरज सिंह का बताया जा रहा है।

सोमवार रात से सुबह तक की गयी कार्रवाई में टीम ने यहां से 550 गैलन स्प्रिट बरामद किया। पास के एक अन्य घर से दो पिकअप में लदी 150 पेटी नकली अंग्रेजी शराब भी मिली। स्प्रिट हाइवा में भरे हुए थे।

जब्त की गई शराब में आरएस का फुल और हाफ, आईबी और रम जैसे ब्रांड शामिल हैं। एक गैलन में 40 लीटर स्प्रिट होता है, जिसकी कीमत लगभग 8 हजार रुपए है। जानकारी के अनुसार, यह अवैध धंधा पिछले दो साल से लोकेशन बदल-बदलकर चल रहा था। बरामद स्प्रिट और शराब की कीमत लगभग 60 लाख से अधिक होगी। उत्पाद विभाग की टीम अब जांच कर रही है कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि नकली शराब कहां-कहां सप्लाई की जाती थी। छापेमारी में उत्पाद अधीक्षक संजीत कुमार देव, एसआई अमीत कुमार सिंह, थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी, एएसआई संजय कुमार सहित अन्य पुलिस बल शामिल थे।

ग्राहकों को नियमित नहीं मिल पा रही है एसबीआई की एटीएम व प्रिंटर की सेवा

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। स्थानीय भारतीय स्टेट बैंक की शाखा परिसर में स्थापित एटीएम केन्द्र से ग्राहकों को नियमित सेवा नहीं मिलने से परेशान हैं। मंगलार को इसके खुलने की प्रतिक्षा में कई ग्रामीण महिला - पुरुष केन्द्र के बाहर घंटों बैठे रहे। किन्तु दोपहर तक इस केन्द्र का शटर खुला ही नहीं। वहीं ग्राहकों को किसी भी काउंटर पर पासबुक प्रिन्ट कराने की सुविधा तो वर्षों पूर्व ही हटी ली गई है। इसके लिये शाखा में अलग से स्थापित किये प्रिन्टर मशीन भी तीन मीहने से खराब बताया जाता है। दूसरी ओर स्थानीय ग्राहक सेवा केन्द्रों पर पासबुक प्रिन्ट कराने की सुविधा उपभोक्ताओं को दी गई है। किन्तु इन केन्द्र पर पूरे दिन इतनी भीड़ रहती हैं कि कोई भी संचालक निःशुल्क यह सेवा देने में रुचि रखता ही नहीं। इन केन्द्रों पर उपभोक्ताओं को जाने पर प्रायः प्रिन्टर मशीन खराब रहने या सॉफ्टवेयर काम नहीं करने की बात कहकर टरका दिया जाता है। इस संबध में शाखा प्रबंधक ओम्रपकाश से पूछे जाने पर बताया कि सॉफ्टवेयर में काम चलने की वजह से प्रिन्टर संचालित नहीं हो पा रहा है। इस समस्या को कितने दिनों में दूर होने की संभावना पर कहा कि उन्हें मालूम नहीं। उपभोक्ताओं को कहना कि इन कामों को लेकर सुदूर कई किलोमीटर से चलकर बैंक परिसर आने के बाद उन्हें बिना काम किये वापस होना पड़ता है। उपभोक्ता राकेश कुमार, मीरा देवी, अनूप कुमार सिंह, ज्ञानी कुमार, कनिष्क कुमार, गायत्री देवी आदि ने बैंक के विभागीय उच्चाधिकारी व जिला प्रशासन से अविलंब इस समस्या को दूर कराने का आग्रह किया है।

अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खड़ी टेंपो से टकराई युवक गंभीर रूप से घायल

चिनीयां। चिनीयां थाना क्षेत्र के शिगसिगा कला गांव निवासी उपेंद्र सिंह उम्र 22 वर्ष मंगलवार को एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना चिनीया बस स्टैंड स्थित एक मोबाइल दुकान के सामने हुई, जहां सड़क किनारे खड़ी टेंपो से उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक टेंपो चालक अपना वाहन सड़क किनारे खड़ा कर मोबाइल बनवा रहा था। इसी दौरान, पीछे से मोटरसाइकिल बनवाकर लौट रहे उपेंद्र सिंह ने तेज रफ्तार में टेंपो को टक्कर मार दी, जिससे वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके माथे पर गहरी चोट आई है। घटना के बाद बस स्टैंड पर मौजूद व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव करते हुए दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। घायल उपेंद्र सिंह का इलाज टेंपो चालक की ओर से कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क किनारे अनियंत्रित वाहनों की पार्किंग पर ध्यान देने और सुरक्षा के उचित उपाय करने की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उपायुक्त ने जनता दरबार के माध्यम से सुनी आमजनों की समस्याएं

शेखर जमुआर ने समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारी को किया निर्देशित

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर ने आज समाहरणालय स्थित सभागार में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये फरियादियों की समस्याएं बारी-बारी से सुनी गई एवं उसके निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को निदेशित किया गया। सर्वप्रथम 2009 में बहाल हुई महिला गृहरक्षकों ने ड्यूटी नहीं दिए जाने के संबंध में आवेदन देते हुए बताया कि नए महिला गृहरक्षकों की बहाली के बाद से सिर्फ उन्हीं को ड्यूटी दिया जा रहा है। जिसकी वजह से हम सभी को ड्यूटी नहीं दिया जा रहा है, जबकि हम सभी इसी पर पूर्णतः आश्रित है और हम लोग की उम्र सीमा भी समाप्त हो चुकी है, जिससे कि हम सभी अब आगे किसी भी नौकरी के लिए

आवेदन नहीं कर सकते हैं। हम सभी को बच्चों की शादी पढ़ाई-लिखाई इत्यादि कार्य करने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अतः उन सभी महिला गृहरक्षकों ने ड्यूटी दिलाने हेतु उपायुक्त से अनुरोध किया।

वहीं प्रखंड खरौंधी के ग्राम सुंडी से आए बसंत मिंज ने बंद परे आंगनबाड़ी केंद्र की योजना को फिर से चालू करने के संबंध में अपना आवेदन उपायुक्त को सौंपा। वहीं खरौंधी के ही ग्राम अरंगी से आयी संगीता देवी ने बताया कि वह अबुआ आवास योजना की पात्र लागू है और उनका सूची में भी नाम है। लगभग आठ महा पूर्व उनका जियो टैग भी हो चुका है परंतु अभी तक प्रथम किस्त का भुगतान नहीं किया गया है। इसके लिए वे प्रखंड से लेकर पंचायत स्तर तक चक्कर लगाते लगाते थक गई हैं परंतु कोई भी उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं दे रहें हैं। अतः उन्होंने अविलम्ब अबुआ आवास का लाभ दिलाने हेतु उपायुक्त से अनुरोध किया।

इसी तरह से आज के जनता दरबार में राशन, पेंशन, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, आवास, मुआवजा, योजनाओं का लाभ, अतिक्रमण, रोजगार सृजन, बकाया मजदूरी भुगतान, अनुकम्पा आधारित नौकरी समेत अन्य समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए लोगों की बारी-बारी से उपायुक्त द्वारा समस्या सुनी गई एवं यथाशीघ्र उनके समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निदेशित किया गया। जनता दरबार में आमजनों के विभिन्न समस्याओं से संबंधित 30 से अधिक मामले प्राप्त हुए। कुछ मामलों को लेकर उपायुक्त श्री जमुआर ने टेलीफोन माध्यम से संबंधित पदाधिकारी से बात कर आवश्यक निर्देश दिए तथा शेष आमजनों से प्राप्त शिकायतों के समाधान हेतु उन्होंने संबंधित पदाधिकारीयों को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया।

पेज एक के शेष

कारखानों-फैक्ट्रियों में...

उनकी सहमति से शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे तक काम पर रखा जा सकेगा। इस दौरान सुरक्षा, अवकाश और कार्य घंटों से संबंधित सभी आवश्यक शर्तें लागू होंगी। नियोक्ताओं को राज्य सरकार की ओर से निर्धारित अन्य शर्तों का भी पालन करना होगा। विधेयक की प्रस्तावना में कहा गया है कि इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में रोजगार के अवसरों और औद्योगिकीकरण की गति को तेज करना है। सरकार की ओर से उम्मीद जताई गई है कि इस संशोधन विधेयक से झारखंड में रोजगार और औद्योगिकीकरण में तेजी आएगी और कारखाना प्रबंधकों को अपने उत्पादन लक्ष्यों का निर्धारण कर इसे तय समय पर पूरा करने में सहूलियत होगी। इसके साथ ही, यह संशोधन महिला और पुरुष कामगारों को समान अवसर प्रदान करने में भी सहायक होगा।

झारखंड में भी...

इस पर मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि पिछड़ों के कल्याण के लिए अलग विभाग संवैधानिक प्रावधान का मामला है। फिलहाल इस पर कोई विचार नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पास प्रतिनिधिमंडल भेजने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर विचार किया जाएगा।

सीएम स्कूल ऑफ...

पैटर्न की पढ़ाई जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने और भी सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोलने की बात कही है। गरीब के बच्चे भी प्राइवेट स्कूल की तरह सुविधाएं प्राप्त कर पाएंगे। स्कूल की मनमानी पर विधायक प्रदीप प्रसाद के सवाल और मंत्री रामदास सोरेन के जवाब के बीच नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंत्री को सुझाव देते हुए कहा कि सभी उपायुक्त से पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने कितनी बैठकें की हैं, क्योंकि न्यायाधिकरण भी है। वहीं, विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि बैठक की सूचना एक सप्ताह पूर्व दी जानी चाहिए, ताकि सभी बैठक में भाग लें। उन्होंने कहा कि कभी-कभी पदाधिकारी विधायक और मंत्री को भी बैठक की सूचना नहीं देते हैं।

31 मार्च तक

को लेकर बढ़े वेतन को लेकर एक अक्टूबर 2019 में जारी किए गए संकल्प को निरस्त कर दिया गया। इस संबंध में एजी ने संकल्प में त्रुटि पाई थी और सरकार से इसमें संशोधन करने का अनुरोध किया था। इसके बाद मामले में वित्त विभाग ने संकल्प जारी कर 13 अगस्त 2024 को इसे निरस्त करने का निर्णय लिया था। इस मामले में वित्त विभाग ने पाया कि छठे रिवाइज वेतनमान को एक जनवरी 2006 के पूर्व से पदस्थापित झारखंड सचिवालय के सहायक और निजी सहायक के कर्मियों के वेतन निर्धारण के लिए न्यूनतम वेतन 18,460 रुपए देने का निर्णय असंगत है। इस वजह से विभाग ने इससे संबंधित संकल्प को निरस्त करने की अनुसंशा सरकार से की थी। इन कर्मियों को भुगतान की गई अधिक राशि को समान किस्तों में वापस करनी होगी।

कैबिनेट के अन्य फैसले...

लातेहार जिले के मनिका प्रखंड की बीडीओ साधना जयपुरियार को बर्खास्त करने की सहमति कैबिनेट ने दी। उन्हें मनरेगा योजना में जेट्रोफा की खेती में गड़बड़ी का दोषी पाया गया था।

- एजी कार्यालय, रांची के कर्मियों से संबंधित कार्यों के लिए जारी डिजिटलीकरण प्रक्रिया के क्रम में दूसरे के रूप में 50.037 लाख रुपए की वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी गई।
- स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत झारखंड कम्युनिटी हेल्थ असिस्टेंट संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवाशर्त) नियमावली-2025 के गठन की मंजूरी दी गई।
- बालपहाड़ी सिंचाई योजना के अंतर्गत बालपहाड़ी डैम के अधोप्रवाह में राज्य सरकार की ओर से बालपहाड़ी बराज के निर्माण के प्रस्ताव पर सैद्धांतिक सहमति की स्वीकृति दी गई।

सांसद ने लोस...

इसके ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को संरक्षित रखने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। सांसद वीडी राम ने कहा कि जिस प्रकार से श्री बंशीधर नगर महोत्सव को राजकीय महोत्सव घोषित किया गया है, उसी प्रकार श्रद्धालुओं और इस क्षेत्र की स्थानीय जनता द्वारा बभंडी में राधा कृष्ण महोत्सव का आयोजन कराने की मांग लगातार की जा रही है। इससे इस मंदिर को एक प्रमुख तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। इसे श्री बंशीधर नगर मंदिर से जोड़कर एक व्यापक राधा कृष्ण धार्मिक पर्यटन सर्किट का हिस्सा बनाए जाने की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, जिससे आर्थिक और सांस्कृतिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। सांसद विष्णु दयाल राम ने संस्कृति और पर्यटन मंत्री से मांग की कि केंद्र सरकार की सांस्कृतिक एवं धरोहर संबंधी योजनाओं के तहत राधाकृष्ण महोत्सव को वित्तीय सहायता तथा आधिकारिक मान्यता प्रदान की जाए। जिससे इस मंदिर को एक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके।

रमना में मनरेगा...

उपयोगिता प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के बदले रिश्वत ले रहे थे। जानकारी के अनुसार, हरादाग कला ग्राम निवासी 50 वर्षीय शिवशंकर राम की मां जितनी कुंवर के नाम से एक डोभा योजना आवंटित हुआ था। इसे शुरू करने एवं उपयोगिता प्रमाण पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी की अनुशंसा जरूरी होती है। इसके बदले में लाभार्थी से 12 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की गई। इसकी शिकायत शिवशंकर राम ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पलामू को किया। इसके आलोक में एसीबी ने शिकायत की जांच की। मामले को सही पाकर मामला दर्ज किया गया। कार्रवाई के लिए टीम बनाई गई और धावादल को रमना प्रखंड कार्यालय भेजा गया। मंगलवार को दिन में करीब 11:00 बजे धावादल के दंडाधिकारी एवं दो स्वतंत्र गवाहों के साथ आवेदक से रिश्वत लेते हुए बीपीओ प्रभु कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने...

सुप्रीम कोर्ट में सितंबर, 2024 में दाखिल याचिका में आरोप लगाया गया है कि झारखंड में स्थायी डीजीपी की नियुक्ति नहीं कर सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह के फैसले का उल्लंघन किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि किसी भी राज्य में जब स्थायी डीजीपी की नियुक्ति होगी, तो उसका कार्यकाल कम से कम दो साल का होगा और इस नियुक्ति को यूपीएससी के अनुमोदन की भी जरूरत होती है।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़...

नेलगोड़ा, बोड़गा तथा इकेली के सरहदी क्षेत्र में नक्सल कैडरों की उपस्थिति के सूचना पर नक्सल विरोधी अभियान पर दंतेवाड़ा डीआरजी और बस्तर फाइटर की टीम रवाना हुई थी। इस अभियान के दौरान मंगलवार की सुबह करीब 08:00 बजे से नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसके बाद तलाशी अभियान में मौके से 3 पुरुष नक्सलियों के शव बरामद किए गए। प्रारंभिक तौर पर एक नक्सली की पहचान 25 लाख के इनामी दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य सुधीर उर्फ सुधाकर उर्फ मुरली निवासी वारंगल जिला तेलंगाना के रूप में हुई है। जबकि अन्य दो मारे गए नक्सलियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मारे गए नक्सलियों के शव के साथ मुठभेड़ स्थल से इंसास राइफल, 303 राइफल, 12 बोर राइफल और अन्य विस्फोटक सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद हुई हैं।

जेएसएससी-सीजीएल पेपर...

निवास राय और एक होमगार्ड जवान निवास कुमार राय के अलावा एक अन्य व्यक्ति कविराज शामिल है। अनुसंधान के क्रम में ज्ञात हुआ कि इस गिरोह का तथाकथित सरगना गोरखपुर का निवासी है। मामले का अनुसंधान जारी है। सीआईडी के अनुसंधान के क्रम में पता चला कि परीक्षा के पूर्व ही एक गिरोह के सदस्य की ओर से अभ्यार्थियों को सीजीएल पेपर के प्रश्नों को देने के नाम पर धन उगाही की गई है, जिससे आमजन में सीजीएल प्रश्न पत्र लीक के संबंध में अफवाह एवं सुगबुगाहट शुरू हो गई। 21 सितंबर और 22 सितंबर को राज्य के सभी जिलों में परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की गई थी। सीजीएल पेपर में कथित धोखाधड़ी और सीजीएल परीक्षा के उम्मीदवार के साथ धोखाधड़ी और दिग्भ्रमित करके प्रश्नपत्र देने के नाम पर धन उगाही का मामला सामने आया था।

बैंकिंग के कई...

बताया जा रहा है कि इसके जरिए खाते में बड़ी राशि रखने वाले उपभोक्ताओं को अधिक ब्याज दिया जा सकता है। कई बैंकों ने 1 अप्रैल से क्रेडिट कार्ड सुविधा में भी कटौती करने का ऐलान किया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने विस्तारा क्रेडिट कार्ड के जरिए ग्राहकों को मिलने वाले सुविधाओं में बदलाव करने का ऐलान किया है। इसके तहत मुफ्त टिकट वाउचर, माइलस्टोन रिवॉर्ड और रिन्यूवल बेनिफिट्स जैसी सुविधाएं बंद की जाएंगी। एक्सिस बैंक ने भी 18 अप्रैल से अपने विस्तारा क्रेडिट कार्ड पर इन बदलावों को लागू करने का ऐलान किया है। बैंकों में धोखाधड़ी को रोकने के लिए 1 अप्रैल से पॉजिटिव पे सिस्टम (पीपीएस) लागू किया जा रहा है। इसके तहत अब 5 हजार रुपए से अधिक के चेक पेमेंट के लिए ग्राहकों को चेक नंबर, तारीख, लाभार्थी का नाम और चेक अमाउंट को वेरीफाई करना होगा। माना जा रहा है कि ऐसा होने से गलत पेमेंट और धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, 1 अप्रैल से ही ज्यादातर बैंक डिजिटल बैंकिंग को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए नई ऑनलाइन सर्विस और एआई पावर्ड चैटबॉट्स लांच करने वाले हैं। इसके साथ ही डिजिटल ट्रांजेक्शन को सुरक्षित बनाने के लिए टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन और बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन को भी मजबूत किया जा रहा है।

मोदी सरकार की नीतियों ने जम्मू-कश्मीर से अलगाववाद को खत्म कर दिया : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से जुड़े दो संगठनों जेके पीपुल्स मूवमेंट और डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट के अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि मोदी सरकार की एकीकरण नीतियों ने जम्मू-कश्मीर से अलगाववाद को खत्म कर दिया है। अमित शाह ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किया, "कश्मीर में अलगाववाद इतिहास बन चुका है। मोदी सरकार की एकीकरण नीतियों ने जम्मू-कश्मीर से अलगाववाद को खत्म कर दिया है। हुर्रियत से जुड़े दो संगठनों ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। मैं भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में इस कदम का स्वागत करता हूं और ऐसे सभी समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं और अलगाववाद को हमेशा के लिए खत्म कर दें। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित, शांतिपूर्ण और एकीकृत भारत के निर्माण के सपने की एक बड़ी जीत है। यह घटनाक्रम केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मीरवाइज उमर फारूक की अध्यक्षता वाली अवामी एक्शन कमेटी (एसीसी) और मसरूर अब्बास अंसारी की अध्यक्षता वाले जम्मू-कश्मीर इत्तेहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंधित संगठन घोषित करने के कुछ दिनों बाद हुआ है।

कश्मीर में अलगाववाद **इतिहास** बन चुका है

दिल्ली में राज्यों के अल्पसंख्यक आयोगों के वार्षिक सम्मेलन में बोले जार्ज कुरियन

देश में अल्पसंख्यक पूरी तरह से सुरक्षित

- **देश के विकास में पूरी तरह से अपनी भागीदारी निभा रहा अल्पसंख्यक समाज**
- **पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यक उत्पीड़न का मामला बराबर सामने आता है**

नई दिल्ली (हि.स.)

केंद्रीय अल्पसंख्यक राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। हमारा देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक रूप से लगातार अपनी मजबूती दर्ज कर रहा है और आर्थिक महाशक्ति बनने के अपने लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। हमारे देश का अल्पसंख्यक समाज देश के विकास में पूरी तरह से अपनी भागीदारी निभा रहा है। राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन आज राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के तत्वावधान में नई दिल्ली स्थित डॉ अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में राज्यों के अल्पसंख्यक आयोगों के वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश के अल्पसंख्यक पूरी तरह से सुरक्षित है। हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में हिंदू और ईसाई अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का मामला सभी के सामने है। चीन, म्यांमार और श्रीलंका में मुस्लिम अल्पसंख्यकों का मामला बराबर सामने आता रहता है। हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदू और बौद्ध अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले अत्याचार के मामले सामने आ रहे हैं। वहां पर हाल के दिनों में अल्पसंख्यक समुदाय के साथ जो कुछ भी घटित हुआ है, वह किसी से ढका-छिपा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे देश में बहुसंख्यक समाज के लिए जो भी योजनाएं सरकार की तरफ से लागू की गई हैं, उसका पूरा-पूरा लाभ अल्पसंख्यक समाज के लोग भी उठा रहे हैं। चाहे वह मुद्रा लोन का मामला हो, प्रधानमंत्री आवास योजना हो, उज्ज्वला योजना हो या भारत सरकार की अन्य स्कीमें हों, सभी का लाभ अल्पसंख्यक समाज के लोगों को मिल रहा है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम और अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ अल्पसंख्यक समुदाय पूरी तरह से उठा रहा है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समाज के शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए केंद्र की मोदी सरकार के जरिए कई स्कीमें चलाई जा रही हैं।

अल्पसंख्यकों के साथ हो रहा अच्छा व्यवहार : इकबाल

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने कहा कि हमारे देश में अल्पसंख्यकों की आबादी दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमारे देश में अल्पसंख्यक समाज के साथ काफी अच्छा व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यक समाज के लोगों की जनसंख्या में दिन-प्रतिदिन गिरावट आ रही है और वहां पर अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और उनके साथ भेदभाव का रवैया अपनाने की खबरें आती रहती हैं।

राज्यसभा के सभापति ने न्यायपालिका से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए फ्लोर लीडर्स की बैठक बुलाई

नई दिल्ली (हि.स.)

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने आज शाम को 4.30 बजे विभिन्न दलों के फ्लोर लीडर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। इसमें यह तय किया जाएगा कि दिल्ली में एक न्यायाधीश के आवास से कथित तौर पर नकदी मिलने के मामले पर सदन को क्या कदम उठाना चाहिए। दरअसल, पिछले कुछ दिनों में कई सांसद सदन में इस पर चर्चा की मांग कर चुके हैं। राज्यसभा के सभापति ने आज सदन की कार्यवाही शुरू होने पर कहा कि मैंने विपक्ष के नेता द्वारा सुझाए गए और सदन के नेता द्वारा सहमत होने पर आज शाम 4.30 बजे फ्लोर लीडर्स के साथ बैठक तय की है। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि हमारी बातचीत बहुत ही उपयोगी होगी और हम कोई रास्ता निकालेंगे, क्योंकि कानून और न्यायपालिका बेहतर तरीके से काम करते हैं। उन्होंने कहा कि वह "राज्य की कार्रवाई पर न्यायिक आदेशों द्वारा उत्पन्न कुछ बाधाओं" पर चर्चा करेंगे। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद एवं उपनेता विपक्ष प्रमोद तिवारी ने सभापति जगदीप धनखड़ से अनुरोध किया कि न्याय होना ही नहीं चाहिए बल्कि यह दिखना भी चाहिए कि न्याय हो रहा है।

'किसानों से ज्यादा सुसाइड कर रहे विद्यार्थी'

सुप्रीम कोर्ट ने कारण जानने के लिए बनाई 10 सदस्यीय टास्क फोर्स

ब्यूरो

- **इसमें रैगिंग, जाति-आधारित भेदभाव, लिंग-आधारित भेदभाव, यौन उत्पीड़न, शैक्षणिक दबाव, वित्तीय बोझ समेत धार्मिक विश्वास या किसी अन्य आधार पर भेदभाव पर विचार होगा**

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय की जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने आईआईटी दिल्ली के अनुसूचित जाति के दो छात्रों के माता पिता की याचिका पर सुनवाई के दौरान छात्रों के आत्महत्या के मामलों को लेकर चिंता जताते छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने व उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों के सुसाइड को रोकने के लिए पूर्व जज एस रविंद्र भट की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन किया।सर्वोच्च न्यायालय की इस पीठ ने कहा कि छात्रों की आत्महत्या दर कृषि संकट से जूझ रहे किसानों के सुसाइड रेट से ज्यादा हो गई है।न्यायालय ने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों सहित उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बार-बार होने वाली घटनाएं चिंताजनक हैं। ये बढ़ती घटनाएं संकेत देती हैं कि परिसरों में छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने और उन्हें आत्महत्या करने जैसा चरम कदम उठाने से रोकने में मौजूदा कानूनी व संस्थागत ढांचा खास प्रभावी नहीं है। न्यायालय ने छात्रों के सुसाइड के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए एक 10 सदस्यीय टास्क फोर्स बनाई है, जिसमें समाज के कई क्षेत्रों के लोग शामिल हैं। यह टास्क फोर्स एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करेगी, जिसमें छात्रों द्वारा आत्महत्या के प्रमुख कारणों की पहचान की जाएगी। इसमें रैगिंग, जाति-आधारित भेदभाव, लिंग-आधारित भेदभाव, यौन उत्पीड़न, शैक्षणिक दबाव, वित्तीय बोझ समेत धार्मिक विश्वास या किसी अन्य आधार पर भेदभाव शामिल होंगे। इतना ही नहीं, यह टास्क फोर्स उच्च शिक्षण संस्थानों पर लागू वर्तमान कानूनों, नीतियों और संस्थागत ढांचे की प्रभावशीलता का भी गहन मूल्यांकन करेगा। यह टास्क फोर्स इस बात का भी मूल्यांकन करेगा कि क्या ये ढांचे छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों का पर्याप्त रूप से समाधान करते हैं, और जहां आवश्यक हो वहां सुरक्षा को मजबूत करने की सिफारिश करेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने यह बयान दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर दिया गया, जिसमें आईआईटी दिल्ली के दो छात्रों के माता-पिता द्वारा दायर एफआईआर दर्ज करने की याचिकाओं को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था।केस को लेकर मृतक छात्रों के अभिभावकों ने आरोप लगाया कि आयुष आशना और अनिल कुमार की 'वास्तविक तथ्यों को छिपाने के लिए आईआईटी सदस्यों की साजिश के तहत हत्या की गई और दोनों छात्रों को गलत तरीके से आत्महत्या करते हुए दिखाया गया है। शिकायत में दावा किया गया कि अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाले छात्रों ने अपने अभिभावकों को आईआईटी दिल्ली के संकाय या कर्मचारियों द्वारा जातिगत भेदभाव के बारे में बताया था और संकाय पर असली दोषियों को बचाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। हालांकि, जांच करने वाली पुलिस ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया और निष्कर्ष निकाला कि दोनों छात्रों ने डिप्रेशन के कारण आत्महत्या की, क्योंकि वे कुछ परीक्षाओं में पास नहीं हो पाए थे। पुलिस की स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार, आशना की ग्रेड रिपोर्ट से पता चला है कि 2022-2023 के दूसरे सेमेस्टर के दौरान, वह सात में से पांच विषयों में फेल हो गया, और उसे ग्रेड एफ मिला, जिसका मतलब बहुत खराब होता है।

चीन विकास मंच में 750 विदेशी अतिथियों की भागीदारी से विश्वास जाहिर हुआ

बीजिंग। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कुओ च्याखुन ने मंगलवार को पेइचिंग में आयोजित एक नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चीन विकास मंच की 2025 वार्षिक बैठक में 750 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रवक्ता के अनुसार, मंच में भाग लेने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां विभिन्न देशों से आई हैं, जिनमें अधिकतर बहुराष्ट्रीय कंपनियां पहली बार भाग ले रही हैं तथा अधिक उद्योगों को इसमें शामिल किया गया है। इससे जाहिर हुआ है कि विदेशी निवेश वाले उद्यम चीन के प्रति आशावादी बने हुए हैं और उन्होंने चीन की आर्थिक विकास संभावनाओं में "विश्वास मत" डाला है। परिचय के अनुसार, 23 से 24 मार्च तक, चीन विकास मंच का 2025 वार्षिक सम्मेलन पेइचिंग में आयोजित हुआ।

ट्रंप के आक्रामक रवैये से सतर्क यूरोपीय देश करने लगे कई तरह से तैयारी

ब्यूरो

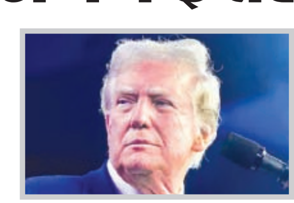

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रम्प के फिर अमेरिका का राष्ट्रपति बनने और हर क्षेत्र में उनकी बढ़ती दादागिरी तथा अन्य देशों के संसाधनों पर नज़र सहित यूक्रेन ते संसाधनों पर ललचाई नज़र के कारण न केवल एशिया के देश दहशत में हैं बल्कि यूरोपीय देशों पर भी गंभीर असर पड़ने लगा है। चिंतित यूरोपीय देश ट्रम्प के हरकतों पर जैसे को तैसा जवाब देने की तैयारी करने लगे हैं। अभी तक यूरोप के सबसे शक्तिशाली देशों में ब्रिटेन व फ्रांस को शीर्ष पर गिना जाता है। लेकिन इस बीच पोलैंड तेजी से सैन्य शक्ति बढ़ा रहा है, जो दूसरे देशों के मुकाबले रूस के ज्यादा करीब है। यह देश नाटो व यूरोपीय संघ दोनों का सदस्य है। इसका अमेरिका के साथ भी पुरानी रक्षा साझेदारी है। रूस का घनिष्ठ होने के बावजूद पोलैंड इन दिनों रूस से खतरे को देखते हुए तेजी से अपनी सैन्य शक्ति को बढ़ा रहा है।यूरेशियन टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 400 वर्षों तक, 16वीं शताब्दी में स्पेन व पुर्तगाल, 17वीं शताब्दी में नीदरलैंड और उसके बाद 18वीं और 19वीं शताब्दी में फ्रांस तथा यूके जैसे पश्चिमी यूरोपीय देश प्रमुख शक्ति केंद्र थे। 20वीं शताब्दी की शुरुआत में, एक केंद्रीय यूरोपीय शक्ति जर्मनी ने पश्चिमी यूरोपीय देशों के वर्चस्व को चुनौती देने की दो बार असफल कोशिश की। हालांकि, जर्मनी दोनों विश्व युद्धों में हार गया, लेकिन इन युद्धों ने पश्चिमी यूरोप को इतना नुकसान पहुंचाया कि अमेरिका प्रमुख शक्ति केंद्र बन गया। द्वितीय विश्व युद्ध में अपनी हार के बाद जर्मनी व जापान दोनों ने सैन्य शक्ति केंद्रों के बजाय आर्थिक महाशक्ति बनने पर ध्यान केंद्रित किया। सोवियत संघ के उदय के बावजूद, अमेरिका की बेजोड़ सैन्य व आर्थिक शक्ति तथा नाटो संधि के रूप में इसके सफल गठबंधन निर्माण के कारण पश्चिम प्रमुख सैन्य शक्ति केंद्र बना रहा। लेकिन इस पश्चिमी प्रभुत्व को अब पूर्वी शक्ति केंद्रों के उदय द्वारा सफलतापूर्वक चुनौती दी जा रही है। भारत व चीन के उदय पर अक्सर चर्चा और टिप्पणी की जाती है। पोलैंड अपनी अर्थव्यवस्था के सापेक्ष नाटो का सबसे बड़ा रक्षा खर्च करने वाला देश है। 2024 में, पोलैंड ने अपने सकल घरेलू उत्पाद का 4.12% रक्षा पर खर्च किया, जो 32 नाटो देशों में सबसे अधिक है और अमेरिका के रक्षा पर 3.38% खर्च से भी आगे है। पोलैंड का रक्षा व्यय 2025 में अपने सकल घरेलू उत्पाद के 4.7% तक बढ़ने वाला है। वास्तविक रूप से, इस वर्ष पोलैंड का 35 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रक्षा बिल उसके पूर्व-कम्युनिस्ट मध्य यूरोपीय और बाल्टिक पड़ोसियों के संयुक्त व्यय से अधिक हो सकता है।

इसकी तुलना में, पोलैंड से कहीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले इटली ने 2024 में रक्षा पर 30.89 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च किए, जो उसके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.5% है। यूनाइटेड किंगडम ने अपने सकल घरेलू उत्पाद का 2.2% रक्षा पर खर्च किया, जबकि जर्मनी ने केवल 2.12% खर्च किया। फ्रांस ने सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.06% रक्षा पर खर्च किया, जबकि स्पेन ने केवल 1.28% खर्च किया। नाटो अपने सदस्य देशों को अपने सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 2% रक्षा पर खर्च करने का आदेश देता है। जर्मनी व फ्रांस जैसे अन्य यूरोपीय देशों की तुलना में अपनी छोटी आबादी के बावजूद, पोलैंड के पास यूरोपीय संघ में सबसे बड़ी स्थायी सेना है। स्टेटिस्टा के अनुसार, नाटो में अमेरिका के पास सबसे बड़ी सेना है, जिसमें 1,328,000 सक्रिय सैनिक हैं। तुर्की दूसरे स्थान पर है, जिसके पास 355,200 सक्रिय सैनिक हैं। हालांकि, इनमें से कोई भी नाटो देश यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है। पोलैंड के पास यूरोप में सबसे बड़ी सेना है, जिसके पास 216,000 सक्रिय सैन्यकर्मी हैं। फ्रांस 204,000 सक्रिय सैन्य कर्मियों के साथ दूसरे स्थान पर है, और यूनाइटेड किंगडम के पास 150,000 से कम सक्रिय सैन्यकर्मी हैं।पोलैंड भूमि सेना में लगभग 75,000 सैनिक, वायु सेना में 17,589, नौसेना में 6,426 और विशेष बलों में 3,390 सैनिक हैं। 2023 में, पोलैंड ने लगभग 40,000 सैनिकों वाली एक प्रादेशिक रक्षा सेना की स्थापना की और यह संख्या बढ़ती जा रही है। रूसी क्षमताओं और खतरों को बढ़ाने के लिए साइबर-सुरक्षा, सूचना युद्ध और खुफिया जानकारी को प्राथमिकता दी जा रही है। पोलैंड ने मात्र 10 वर्षों में अपने सशस्त्र बलों का आकार दोगुना कर लिया है। 2014 में, पोलैंड में 99,000 सशस्त्र कर्मी थे, लेकिन 2024 तक, इसके सशस्त्र बलों में 216,000 कर्मी हो गए। 2022 में, रूस द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद, पोलैंड ने होमलैंड डिफेंस एक्ट पारित किया, जिसका उद्देश्य पोलैंड के सैन्य आकार को 300,000 सक्रिय सैन्य कर्मियों तक बढ़ाना है। इसमें पोलैंड की जमीनी सेना में लगभग 1,000 नए टैंक और 600 नए होवित्जर जोड़कर टैंक बेड़े का आकार बढ़ाना शामिल है। हालांकि, यूरोपीय देशों की स्थायी सेनाएँ रूस और यूक्रेन की तुलना में बहुत छोटी हैं। अनुमान के अनुसार, रूस में 1.5 मिलियन से अधिक सक्रिय सैन्य कर्मी हैं, और यूक्रेन में 800,000 से अधिक हैं। रक्षा व्यय के हिस्से के रूप में उपकरण व्यय की बात करें तो पोलैंड यूरोपीय देशों की सूची में भी सबसे ऊपर है। नाटो के अनुमान के अनुसार, 2024 में पोलैंड अपने रक्षा बजट का 51% से अधिक नए हथियार और उपकरण खरीदने पर खर्च करेगा। हंगरी दूसरे स्थान पर रहा, जिसने अपने रक्षा बजट का 47.8% उपकरण खरीदने पर खर्च किया। ब्रिटेन ने 36%, अमेरिका ने 29.9%, जर्मनी ने 28.4% और फ्रांस ने 28.4% खर्च किया। नाटो नेताओं ने सहमति व्यक्त की है कि सहयोगियों को अपने रक्षा बजट का कम से कम 20% प्रमुख उपकरणों और संबंधित अनुसंधान और विकास पर निवेश करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

कहानी फिल्म जगत की

कंगना ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, "हमें सोचना चाहिए कि जब कोई व्यक्ति केवल 2 मिनट की प्रसिद्धि के लिए ऐसा करता है तो समाज किस दिशा में जा रहा है।

कंगना रनौत ने कुणाल कामरा जैसे व्यक्तियों की विश्वसनीयता पर उठाया सवाल, कहा-

2 मिनट की प्रसिद्धि' ऐसा कौन करता है?

कंगना रनौत ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की टिप्पणी पर कॉमेडियन कुणाल कामरा की आलोचना की है। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर विवादास्पद मजाक करने को लेकर कॉमेडियन कुणाल कामरा को कहा कि '2 मिनट की प्रसिद्धि' के लिए लोग इस तरह की चीजें करते हैं। अपने मुखर विचारों के लिए जानी जाने वाली रनौत ने कामरा के कार्यों की कड़ी निंदा की और उन पर क्षणिक ध्यान आकर्षित करने के लिए "भारतीय लोगों और संस्कृति का दुरुपयोग" करने का आरोप लगाया। उन्होंने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की पैरोडी समाज की अखंडता को नुकसान पहुंचाती हैं।

दो मिनट की प्रसिद्धि लोग ऐसा करते हैं

कंगना ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, "हमें सोचना चाहिए कि जब कोई व्यक्ति केवल 2 मिनट की प्रसिद्धि के लिए ऐसा करता है तो समाज किस दिशा में जा रहा है।" कामरा के हालिया विवाद और उनके कानूनी संघर्षों के बीच समानता दर्शाते हुए, रनौत ने हैबिटेट स्थल पर बीएमसी की कार्रवाई की तुलना की, जहाँ कामरा ने पैरोडी रिकॉर्ड की थी, अपनी खुद की संपत्ति के विध्वंस से। जबकि बीएमसी की कार्रवाई को कानूनी माना गया, रनौत ने अपने बंगले के विध्वंस को "अवैध" कहा। उनकी टिप्पणियों ने व्यक्तियों और उनकी प्रतिष्ठा को बदनाम करने के व्यापक मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया।